।। जय नानेश ।। ।। जय जिनेश ।। ।। जय ज्ञानेश ।।

श्री अरिहंतमार्गी जैन महासंघ (राष्ट्रीय)

(दिल्ली संस्था रजिस्ट्रेशन अधिनियम (XXi) 1860 के अन्तर्गत रजिस्टर्ड)

प्रधान कार्यालय : श्री अरिहंतमार्गी जैन महासंघ 19/20, ग्राउण्ड फ्लोर, लैफ्ट साईट, संजय नगर, गुलाबी बाग, दिल्ली - 85

फोन : 011-23644577, मो.8376062144 Email : shri.arihantmargi@hotmail.com, Website : www.shriarihantmargi.org

Follow us on our Facebook http://www.facebook.com/arihantmargi.rashtriya

Subscribe us on our youtube channel Shri Arihant margi jain mahasangh

युगदृष्टा, वचन सिद्ध योगी, वरणाण दंसण चरित्तधर णमोत्थुणं सिद्ध साधक आचार्य-प्रवर श्री ज्ञानचन्द्रजी म.सा. की जय हो

अरिहंत जैन कैलेण्डर

तिथि पत्र-2023

(निर्णयसागर पंचांग के अनुसार)

– प्रस्तोता : अंजू दीपक कोठारी किशनगढ़

श्री अरिहंतमार्गी जैन महासंघ सदा जयवन्त हो

णमोत्थुणं अरिहंताणं भगवंताणं जाव संपत्ताणं णमो जिणाणं जिअभयाणं णमोत्थुणं अहिरंताणं भगवंताण जाव संपाविउ कामाणं णमो जिणाणं जिअभयाणं

Seven Guide-Posts of Mahasangha

1. **Broad Vision :** Concerted Efforts for World-Peace through Assured Safe Living by Non-Hurting Behavior.
2. **Prudent Mission :** Welfare of Every Individual through Awareness of One's Inherent Power.
3. **Constructive Principle :** Definitions as per Jain Scriptures, Felicitation of Noblemen, Inclusive Thought Process, Sensitivity, Jain Vegetarianism and Patriotism.
4. **Elegent Ethics :** Teachings of Jain's 5 Fundamental Principles.
5. **Unique Culture :** No Opposition, No Obstruction, but Transfor-mation through only imploration.
6. **Distinct Goal :** Sect-free Jain Society in Tune with Speech of Jina.
7. **Champion Objectives :**

* Protection, Fostering and Growth of Arihanta Ascetics.
* Unification of Different Jain Sects/Cults.
* Effective Presentation of Profundity and Comprehensiveness of Jainism.
* Character Building for Development of Spiritual Consciousness.
* Advancement of Jain Scriptural Knowledge and Social Awareness /Enlightenment.
* Bringing out Interrelation between Own Faith vis-a-vis Social Obligation, National Duty and Global Responsibility.
* Compassion and Tenderness towards the Deprived and Needy.
* Mercy towards and Assured Safe-Life of All Living Beings with view to Co-existence.
* Co-ordination and Co-operation with Like-Minded Institutions Nurturing Objectives similar to Mahasangha.

महासंघ की भूमिका के 7 महत्त्वपूर्ण बिन्दु

1. विशाल दृष्टि - अहिंसक आचरण से निर्मित अभय द्वारा विश्व शान्ति के लिए प्रयास।
2. विचक्षण कार्य - आत्मचेतना के जागरण द्वारा प्रत्येक व्यक्ति का कल्याण।
3. विधायक सिद्धांत - आगम सम्मत व्याख्यायें, गुणीजनों का आदर-सत्कार, समावेशक विचार प्रणाली, संवदेनशीलता, शाकाहार, राष्ट्रनिष्ठा।
4. विशुद्ध नीति - जैन पंच सिद्धांतों पर प्रबोधन।
5. विलक्षण संस्कृति - न विरोध, न निरोध, केवल अनुरोध द्वारा संशोध।
6. विशिष्ट लक्ष्य - सम्पद्रायरहित जिनवाणी समत जैन समाज।
7. विराट उद्देश्य

* अरिहंत श्रमण जीवन का संरक्षण, संवर्धन एवं विकास।
* जैन समाज की एकता के लिए अथक प्रयास।
* जैन दर्शन की महत्ता एवं व्यापकता की प्रभावी प्रस्तुति।
* आत्मिक/आध्यात्मिक चेतना विकास हेतु, चारित्र निर्माण।
* जैन शास्त्रीय ज्ञान की अभिवृद्धि एवं समाज जागरण।
* आत्मधर्म का समाजधर्म, राष्ट्रधर्म, विश्वधर्म से अनुबंध।
* अभावग्रस्तों के प्रति अनुकम्पा/करूणा का व्यवहार।
* जीवदया - सभी जीवों के प्रति करूणा/अभयदान।
* समान उद्देशोंवाली संस्थाओं से परस्पर सहयोग/समन्वय।

निम्न प्रवृत्तियों में सहयोग सदैव वांछनीय

125000/-	शिक्षा, चिकित्सा में मासिक सहयोग सौजन्य
55000/-	जैनदूत मासिक पत्रिका में सहयोग
25000/-	श्री अरिहंतमार्गी जैन महासंघ का साहित्य संरक्षक सदस्यता शुल्क
11000/-	अरिहंतदूत मासिक पत्रिका एक अंक के सौजन्य
1100/-	श्री अरिहंतमार्गी जैन महासंघ का आजीवन सदस्यता शुल्क
1100/-	महिला संघ की आजीवन सदस्यता शुल्क
500/-	जैनदूत मासिक पत्रिका की आजीवन सदस्यता शुल्क

स्थायी परिषद चेयरमैन
श्री विमलचंद सेठिया, दिल्ली

अध्यक्ष
श्री हुक्मीचंद खींवसरा, मुम्बई

प्रमुखतम सहयोगी
श्री अजीत सिंह बैद
मुम्बई

कार्याध्यक्ष
श्री नरेश गोयल
बीकानेर

महामंत्री
श्री शांतिलाल डोसी
जयपुर (मो.9414060229)

कोषाध्यक्ष
श्री मनोज जैन
मॉडल टाउन, दिल्ली

राष्ट्रीय संयोजक
श्री पवन जैन
कृष्णा नगर, दिल्ली (मो.9811753486)

राष्ट्रीय प्रवक्ता
श्री जयचन्दलाल सुखाणी
बीकानेर

व्यवस्था संयोजिका
श्रीमती सीमा जैन
दिल्ली (मो.8076769159)

श्री अरिहंतमार्गी जैन महासंघ, राष्ट्रीय

अध्यक्षा
श्रीमती निर्मलादेवी संचेती, अलवर

महामंत्री
श्रीमती नीलम जैन, दिल्ली

कोषाध्यक्षा
सौ. ललिता श्री श्रीमाल, जलगांव

अध्यक्ष
श्री शरद मालू
दिल्ली

महामंत्री
श्री हर्ष बंब
बैंगलुरु

कोषाध्यक्ष
श्री गौरव लोढ़ा
दिल्ली

कार्यवाहक महामंत्री
श्री पंकज जैन
दिल्ली (मो. 9810674240)

श्री अरिहंतमार्गी जैन युवा महासंघ

श्री अरिहंतमार्गी जैन महिला महासंघ

कार्यालय सचिव
श्री निरंजन मेहता
मो. 8376062144
011-23644577

श्री अरिहंतमार्गी जैन महासंघ किसी व्यक्ति विशेष या सम्प्रदायगत धारणाओं से जुड़ी हुई संस्था न होकर अरिहंत देवों की वाणी से जुड़ा हआ महासंघ है। यह एक ऐसा महासंघ है जो सम्प्रदाय की गलियों से निकालकर हमें अरिहंतों के राजपथ पर लाता है।

आईये! हम व्यक्ति से नहीं, व्यक्तित्व से जुड़े।

।। जय नानेश ।। ।। श्री महावीराय नमः ।। ।। जय ज्ञानेश ।।

''णमोत्थुणं अरिहन्ताणं भगवंताणं जाव संपत्ताणं'' णमो जिणाणं जिअभयाणं।

''णमोत्थुणं अरिहन्ताणं भगवंताणं जाव संपाविउकामाणं'' णमो जिणाणं जिअभयाणं

श्री अरिहंतमार्गी जैन महासंघ द्वारा प्रकाशित

अरिहंत जैन कैलेण्डर

निर्णय सागर पंचांग के अनुसार

विक्रम संवत् 2079

जनवरी 2023 (पौष शुक्ला 10 से माघ शुक्ला 10 तक)

वीर निर्वाण संवत् 2549

रवि SUNDAY
राहुकाल
सायं 4:30 बजे से
6:00 बजे

पौष शुक्ला –10 रात्रि 07:11 तक **1** मेष अश्विनी नक्षत्र दिन 12:47 तक	माघ कृष्णा–2 पुरे दिन–रात **8** कर्क पुष्य नक्षत्र अन्तरात्रि 6:04 तक	माघ कृष्णा–8 रात्रि 7:45 तक **15** तुला चित्रा नक्षत्र रात्रि 7:11 तक	माघ शुक्ला–1 रात्रि 10:27 तक **22** मकर श्रवण नक्षत्र रात्रि 3:20 तक	माघ शुक्ला – 8 सवेरे 9:05 तक **29** वृषभ अन्तरात्रि 6:45 से भरणी नक्षत्र रात्रि 8:20 तक

सोम MONDAY
राहुकाल
प्रातः 7:30 बजे से
9:00 बजे

पौष शुक्ला–11 रात्रि 8:23 तक **2** वृषभ रात्रि 8:51 भरणी नक्षत्र दिन 2:23 तक	माघ कृष्णा–2 वृद्धि तिथि 2 सवेरे 9:39 तक **9** कर्क आश्लेषा नक्षत्र पुरे दिन–रात	माघ कृष्णा–9 रात्रि 7:20 तक **16** तुला स्वाति नक्षत्र रात्रि 7:22 तक	माघ शुक्ला–2 रात्रि 6:43 तक **23** कुंभ दिन 1:50 से धनिष्ठा नक्षत्र रात्रि 12:25 तक	माघ शुक्ला–9 सवेरे 10:11 तक **30** वृषभ कृतिका नक्षत्र रात्रि 10:14 तक

मंगल TUESDAY
राहुकाल
मध्यान्ह 3:00 बजे से
4:30 बजे

पौष शुक्ला–12 रात्रि 10:01 तक **3** वृषभ कृतिका नक्षत्र दिन 4:25 तक	माघ कृष्णा–3 दिन 12:09 तक **10** सिंह सवेरे 9:03 से आश्लेषा नक्षत्र सवेरे 09:00 तक	माघ कृष्णा–10 शाम 6:05 तक **17** वृश्चिक दिन 1:59 से विशाखा नक्षत्र शाम 6:45 तक	माघ शुक्ला–3 दिन 3:22 तक **24** कुंभ शतभिषा नक्षत्र रात्रि 9:57 तक	माघ शुक्ला–10 दिन 11:53 तक **31** वृषभ रोहिणी नक्षत्र रात्रि 12:03 तक

बुध WEDNESDAY
राहुकाल
मध्यान्ह 12:00 बजे से
1:30 बजे

पौष शुक्ला–13 रात्रि 12:00 तक प्रदोष रोहिणी व्रत **4** वृषभ रोहिणी नक्षत्र शाम 6:47 तक	माघ कृष्णा–4 दिन 2:31 तक **11** सिंह माघ नक्षत्र दिन 11:49 तक	माघ कृष्णा–11 दिन 4:02 तक **18** वृश्चिक अनुराधा नक्षत्र शाम 5:22 तक	माघ शुक्ला–4 दिन 12:34 तक **25** मीन दिन 2:2 से पूर्वाभाद्र पद नक्षत्र रात्रि 8:00 तक	**क्षय तिथि** शुक्रवार ता. 20 माघ कृष्णा चौदहस **वृद्धि तिथि** सोमवार ता. 9 माघ कृष्णा दूज

गुरू THURSDAY
राहुकाल
मध्यान्ह 1:30 बजे से
3:00 बजे

पौष शुक्ला–14 रात्रि 2:14 तक **5** मिथुन सवेरे 8:25 से मृगशिरा नक्षत्र रात्रि 9:25 तक	माघ कृष्णा–5 दिन 4:37 तक **12** कन्या रात्रि 8:59 से पूर्वाफाल्गुनी दिन 2:23 तक	माघ कृष्णा–12 दिन 1:18 तक **19** धनु दिन 3:17 से ज्येष्ठा नक्षत्र दिन 3:17 तक	माघ शुक्ला–5 दिन 10:28 तक गणतंत्र दिवस आ.श्री हस्तीमल जी म.सा. आच. पद **26** मीन उत्तराभाद्र पद नक्षत्र रात्रि 6:56 तक	**पुष्य नक्षत्र** 8 ता. रविवार प्रात 7.31 से अंतरात्रि 6.04 तक (रवि पुष्य) **पक्खी पर्व** ता. 6 शुक्र. पौष शुक्ला पूर्णिमा ता. 21 शनि. माघ कृष्णा अमावस्या

शुक्र FRIDAY
राहुकाल
मध्यान्ह 10:30 बजे से
12:00 बजे

पौष शुक्ला–पूर्णिमा रात्रि 4:37 तक पक्खी पर्व **6** मिथुन आर्द्रा नक्षत्र रात्रि 12:13 तक	माघ कृष्णा–6 शाम 6:17 तक **13** कन्या उत्तराफाल्गुनी शाम 4:34 तक	माघ कृष्णा–13 क्षय तिथि 14 सवेरे 9:59 तक **20** धनु मूला नक्षत्र दिन 12:39 तक	माघ शुक्ला–6 सवेरे 9:10 तक पंचक रात्रि 6.56 तक **27** मेष रात्रि 6:36 से रेवती नक्षत्र रात्रि 6:36 तक	**रोहिणी नक्षत्र** ता. 4 बुधवार पौष शुक्ला 13 रात्रि 6:47 तक ता. 31 मंगलवार माघ शुक्ला 10 रात्रि 12:38 तक

शनि SATURDAY
राहुकाल
प्रातः 9:00 बजे से
10:30 बजे

माघ कृष्णा–1 अन्तरात्रि 7:07 तक **7** कर्क सवेरे 8:23 से पुर्नवसु नक्षत्र रात्रि 5:07 तक	माघ कृष्णा–7 रात्रि 7:22 तक मकर संक्रान्ति **14** तुला अन्तरात्रि 6:47 से हस्त नक्षत्र शाम 6:13 तक	माघ कृष्णा–अमावस्या रात्रि 2:22 तक पक्खी पर्व **21** मकर दिन 2:52 से पुर्वाषाढ़ा नक्षत्र सवेरे 9:39 तक उत्तराषाढ़ा अन्तरात्रि 6:21 तक	माघ शुक्ला–7 सवेरे 8:43 तक **28** मेष अश्विनी नक्षत्र रात्रि 7:05 तक	**अभिजित नक्षत्र** 21 ता. रविवार रात्रि 1:18 से 22 ता. सवेरे 7:53 तक **संक्रान्ति** मकर की संक्रान्ति माघ कृष्णा–7 ता. 14 शनिवार

जैन पर्व * ता. 1 पौष शुक्ला 10 परम तपस्वी आ. श्री शिवलालजी म.सा. जन्म स्थल धमनिया, म.प्र. (वि.सं. 1867) * ता. 9 माघ कृष्णा 2 संयम साधना के प्रबल प्रेरक आ.श्री गणेशीलाल जी म.सा. निर्वाण (स्थल–उदयपुर वि.सं. 2019) * ता. 9 माघ कृष्णा 2 समता विभूति आचार्य श्री नानालाल जी म.सा. आचार्य पद (स्थान– उदयपुर वि.सं. 2019) * ता. 22 माघ शुक्ला –1 दुर्जय काम विजेता आचार्य श्री श्रीलाल जी म.सा. दीक्षा जयन्ती (स्थल बणोठ (राज.) वि.सं 1954, * ता. 26 माघ शुक्ला –5 महान् क्रियोद्धारक आचार्य श्री हुक्मीचन्द जी म.सा. आचार्य पद स्थल, बीकानेर (राज.) वि.सं. 1907 * ता. 31 माघ शुक्ला – 10 शान्तदान्त निरहंकारी आचार्य श्री चौथमल जी म.सा. आचार्य पद जयन्ती (स्थल– रतलाम, म.प्र.) वि.स. 1954, वादीमान मर्दक आचार्य श्री उदयसागर जी म.सा. निर्वाण स्थल रतलाम (म.प्र.) वि.सं. 1954।

त्यौहार व अवकाश * ता. 1नव वर्ष प्रारम्भ ईस्वी सन् 2023 * ता. 4 प्रदोष रोहिणी व्रत * ता. 23 नेताजी सुभाषचन्द्र बोस जयन्ती * ता. 14 मकर संक्रान्ति * ता. 26 गणतंत्र दिवस * ता. 30 महात्मा गाँधी पुण्य तिथि

पंचक * 23 ता. दोपहर 1.50 से 27 ता. रात्रि 6.56 तक

सर्वार्थ सिद्धि योग
ता. 1 प्रातः 7:29 से 12:47 तक
ता. 3 प्रातः 7:30 से शाम 4:25 तक
ता. 4 सम्पूर्ण दिन–रात
ता. 8 प्रातः 7:31 से अन्तरात्रि 6:04 तक
ता. 10 प्रातः 7:31 से प्रातः 9:00 तक
ता. 18 प्रातः 7:31 से शाम 5:22 तक
ता. 21 अन्तरात्रि 6:29 से प्रातः 7:30 तक
ता. 26 शाम 6:56 से ता. 28 प्रातः 7:28 तक
ता. 30 रात्रि 10:14 से ता. 31 प्रातः 7:27 तक

अमृत सिद्धि योग
18 ता. प्रातः 7.31 से शाम 5.22 तक
27 ता. प्रातः 7.28 से रात्रि 6.36 तक

स्थिर योग
5 ता. रात्रि 9.25 से रात्रि 2.14 तक
19 ता. दोपहर 1.18 से दोपहर 3.17 तक

राजयोग
8 ता. सूर्योदय से अंत रात्रि 6.04 तक

कुमार योग
17 ता. सूर्योदय से रात्रि 6.45 तक

सिद्धि योग
03 ता. को रात्रि 10.01 से सम्पूर्ण रात्रि तक।
10 ता. को सूर्योदय से दोपहर 12.09 तक।
12 ता. को सूर्योदय से शाम 4.37 तक।
13 ता. को सूर्योदय से रात्रि 6:17 तक।
18 ता. को शाम 4.02 से सम्पूर्ण रात्रि तक
24 ता. सूर्योदय से दोपहर 3.22 तक
26 ता. सर्योदय से प्रातः 10.28 तक
27 ता. सूर्योदय से प्रातः 9.10 तक

रवि योग
1 ता. सूर्योदय से 2 ता. दोपहर 2.23 तक
4 ता. रात्रि 7.47 से 5 ता. प्रातः 9.25 तक
13 ता. शाम 4.34 से 14 ता. रात्रि 7.13 तक
23 ता. रात्रि 12.25 से सूर्यास्त तक
24 ता. रात्रि 9.50 से शाम 4.26 तक
26 ता. रात्रि 6.56 से 27 ता. रात्रि 6.36 तक
29 ता. रात्रि 8.20 से 31 ता. रात्रि 12.38 तक

ज्ञान वृद्धि कराने में सहायक नक्षत्र
4 ता. रात्रि 6.47 से 6 ता. रात्रि 12.13 तक
7 ता. रात्रि 3.07 से 10 ता. प्रातः 9.00 तक
11 ता. प्रातः 11.49 से 12 ता. दोपहर 2.23 तक
13 ता. शाम 4.34 से 15 ता. रात्रि 7.11 तक
19 ता. दोपहर 3.17 से 21 ता. प्रातः 9.39 तक
24 ता. रात्रि 9.57 से 25 ता. रात्रि 8.04 तक
31 ता. रात्रि 12.38 से सम्पूर्ण रात्रि

भद्रा योग
2 ता. प्रातः 7.48 से रात्रि 8.23 तक
5 ता. रात्रि 1.14 से 6 ता. दोपहर 2.26 तक
9 ता. रात्रि 10.54 से 10 ता. दोपहर 12.09 तक
13 ता. रात्रि 6.17 से अंतरात्रि 6.50 तक
16 ता. अंतरात्रि 6.43 से 17 ता. रात्रि 6.05 तक
20 ता. प्रातः 9.59 से रात्रि 8.08 तक
24 ता. रात्रि 1.58 से 25 ता. दोपहर 12.34 तक
28 ता. प्रातः 8.43 से रात्रि 8:54 तक
31 ता. रात्रि 12.58 से सम्पूर्ण रात्रि

त्रिपुष्कर योग
3 ता. सूर्योदय से शाम 4:25 तक।

द्विपुष्कर योग
14 ता. शाम 6:13 से शाम 7:22 तक

मृत्यु योग (प्रारम्भ से 4 घण्टा 48 मिनिट अशुभ)
5 ता. सूर्योदय से रात्रि 9.25 तक
14 ता. सूर्योदय से रात्रि 6.13 तक
24 ता. सूर्योदय से रात्रि 9.57 तक

णमोत्थुणं से पाया ही पाया है, अब देने का समय आ गया है।
णमोत्थुणं ज्ञान तीर्थ में खुले दिल से दान दीजिये।
जीवन को भव्य, नव्य सुखी एवं सुरक्षित बनाइये।
जीवन में धर्म का इन्श्योरेंस करवाइये।

SHRI ARIHANT MARGI JAIN
MahasanghBank of India
A/c No. 601110100050830
IFSC Code - BKID0006011
Branch - Chandni Chawk, Delhi - 6

।। जय नानेश ।। ।। श्री महावीराय नमः ।। ।। जय ज्ञानेश ।।

''णमोत्थुणं अरिहन्ताणं भगवंताणं जाव संपत्ताणं'' णमो जिणाणं जिअभयाणं।
''णमोत्थुणं अरिहन्ताणं भगवंताणं जाव संपाविउकामाणं'' णमो जिणाणं जिअभयाणं

श्री अरिहंतमार्गी जैन महासंघ द्वारा प्रकाशित

अरिहंत जैन कैलेण्डर

निर्णय सागर पंचांग के अनुसार

विक्रम संवत् 2079

फरवरी 2023 (माघ शुक्ला-11 से फाल्गुन शुक्ला-9 तक)

वीर निर्वाण संवत् 2549

रवि SUNDAY
राहुकाल
सायं 4:30 बजे से
6:00 बजे

अभिजित नक्षत्र
18 ता.
शनिवार दिन 12:25
से
रात्रि 7:06 तक

माघ शुक्ला-पूर्णिमा
रात्रि 11:58 तक
पंचक शाम 05:09 तक
पक्खी पर्व
5 कुंभ
पुष्य नक्षत्र
दिन 12:12 तक

फाल्गुन कृष्णा-6
दिन 9:45 तक
12 तुला
स्वाति नक्षत्र
रात्रि 2:26 तक

फाल्गुन कृष्णा-14
रात्रि 4:18 तक
पक्खी पर्व
पंचक रात्रि 1.13 से
19
कुंभ रात्रि 11:13 से
श्रवण नक्षत्र
रात्रि 2:43 तक

फाल्गुन शुक्ला-7
रात्रि 12:58 तक
26 मिथुन दिन 10:13 से
कृतिका नक्षत्र
अन्तरात्रि 5:18 तक

सोम MONDAY
राहुकाल
प्रातः 7:30 बजे से
9:00 बजे

क्षय तिथि
बुध. ता. 15 फाल्गुन कृष्णा 10
मंगल. ता. 21 फाल्गुन शुक्ला 2
वृद्धि तिथि
शुक्रवार ता. 10
फाल्गुन कृष्णा 4

फाल्गुन कृष्णा-1
रात्रि 2:18 तक
6 सिंह दिन 3:13 से
आश्लेषा नक्षत्र
दिन 3:02 तक

फाल्गुन कृष्णा-7
दिन 9:45 तक
कुंभ संक्रांति
13
वृश्चिक रात्रि 8:36 से
विशाखा नक्षत्र
रात्रि 2:34 तक

फाल्गुन कृष्णा-अमावस्या
शाम 12:35 तक
20 कुंभ
धनिष्ठा नक्षत्र
दिन 11:45 तक

फाल्गुन शुक्ला-8
रात्रि 2:21 तक
राष्ट्रीय विज्ञान दिवस
27
रोहिणी नक्षत्र
पुरे दिन-रात तक

मंगल TUESDAY
राहुकाल
मध्यान्ह 3:00 बजे से
4:30 बजे

रोहिणी नक्षत्र
ता. 27 सोमवार
सम्पूर्ण दिन-रात
पुष्य नक्षत्र
5 ता. रविवार (रवि पुष्य)
प्रात : 7.24 से
दोपहर 12.12 तक

फाल्गुन कृष्णा-2
रात्रि 4:28 तक
7 सिंह
मघा नक्षत्र
शाम 5:44 तक

फाल्गुन कृष्णा-8
सवेरे 9:03 तक
वैलेन्टाईन-डे
14 वृश्चिक
अनुराधा नक्षत्र
रात्रि 2:00 तक

फाल्गुन शुक्ला-1
सवेरे 9:4 तक
क्षय तिथि 2
21 मीन रात्रि 1:10 से
शतभिषा नक्षत्र सवेरे 8:59 तक
पूर्वाभाद्र पद अन्तरात्रि 6:37 तक

फाल्गुन शुक्ला-9
रात्रि 4:18 तक
28 मिथुन रात्रि 8:31 से
रोहिणी नक्षत्र
सवेरे 7:18 तक

बुध WEDNESDAY
राहुकाल
मध्यान्ह 12:00 बजे से
1:30 बजे

माघ शुक्ला-11
दिन 2:02 तक
1 मिथुन दिन 1:58 से
मृगशिरा नक्षत्र
रात्रि 3:22 तक

फाल्गुन कृष्णा-3
अन्तरात्रि 6:23 तक
8 कन्या रात्रि 2:48 से
पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र
रात्रि 8:13 तक

फाल्गुन कृष्णा-9
सवेरे 7:39 तक
क्षय तिथि 10
15 धनु रात्रि 12:45 से
आश्लेषा नक्षत्र
दिन 03:13 तक

फाल्गुन शुक्ला-3
रात्रि 3:34 तक
22 मीन
उत्तराभाद्र पद नक्षत्र
रात्रि 4:49 तक

पक्खी पर्व
ता. 5 रविवार
माघ शुक्ला पूर्णिमा
ता. 19 रविवार
फाल्गुन कृष्णा
चौदहस

गुरू THURSDAY
राहुकाल
मध्यान्ह 1:30 बजे से
3:00 बजे

माघ शुक्ला-12
शाम 4:62 तक
प्रदोष व्रत
2 मिथुन
भार्द्रा नक्षत्र
अन्तरात्रि 6:57 तक

फाल्गुन कृष्णा-4
पूरे दिन-रात
9 कन्या
उत्तराफाल्गुनी नक्षत्र
रात्रि 10:26 तक

फाल्गुन कृष्णा-11
अन्त रात्रि 2:49 तक
16 धनु
मूला नक्षत्र
रात्रि 10:52 तक

फाल्गुन शुक्ला-4
रात्रि 11:33 तक
23 मेष रात्रि 3:42 से
रेवती नक्षत्र
रात्रि 3:43 तक

सूर्य ग्रह हो तो 'पद्मप्रभुजी', चन्द्र ग्रह 'चन्द्रप्रभुजी', मंगल ग्रह हो तो 'वासुपूज्यजी', बुध ग्रह हो तो विमलनाथजी, अनन्तनाथजी, नमिनाथजी, महावीर स्वामी जी में से किसी एक तीर्थंकर का तथा गुरु (बृहस्पति) की दशा होने पर 'ऋषभ देव जी', अजितनाथजी, सुपार्श्वनाथजी, अभिनन्दनजी, सुमतिनाथजी, सम्भवनाथजी, शीतलनाथजी, श्रेयांसनाथजी में से किसी एक तीर्थंकर का जाप जपें। शुक्र की दशा में 'सुविधिनाथजी' का, शनि ग्रह हो तो 'मुनि सुव्रत स्वामीजी' का, राहु दशा में 'अरिष्टजी नेमिजी' का, केतु हो तो 'मल्लिनाथजी' का अथवा 'पार्श्वनाथजी' का जाप जपें।

शुक्र FRIDAY
राहुकाल
मध्यान्ह 10:30 बजे से
12:00 बजे

माघ शुक्ला-13
रात्रि 6:57 तक
3 कर्क शाम 4:13 से
पुर्नवसु नक्षत्र
पुरा दिन-रात

फाल्गुन कृष्णा-4
सवेरे 7:58 तक
वृद्धि तिथि 4
10 कन्या
हस्त नक्षत्र
रात्रि 12:17 तक

फाल्गुन कृष्णा-12
रात्रि 11:36 तक
17 मकर रात्रि 1:47 से
पूर्वाषाढ़ा नक्षत्र
रात्रि 8:27 तक

फाल्गुन शुक्ला-5
रात्रि 12:31 तक
24 मेष
अश्विनी नक्षत्र
रात्रि 3:25 तक

संक्रान्ति
कुंभ फाल्गुन
कृष्ण 7
ता. 13 सोमवार

शनि SATURDAY
राहुकाल
प्रातः 9:00 बजे से
10:30 बजे

माघ शुक्ला-14
रात्रि 9:29 तक
बसन्त पंचमी
4 कर्क
पुर्नवसु नक्षत्र
सवेरे 9:15 तक

फाल्गुन कृष्णा-5
सवेरे 9:07 तक
11 तुला दिन 1:02 से
चित्रा नक्षत्र
रात्रि 1:39 तक

फाल्गुन कृष्णा-13
रात्रि 8:02 तक
शिव रात्रि
18 मकर
उत्तराषाढा नक्षत्र
शाम 5:41 तक

फाल्गुन शुक्ला-6
रात्रि 12:20 तक
25 मेष
भरणी नक्षत्र
रात्रि 3:58 तक

सर्वार्थ सिद्धि योग
1 ता. प्रात : 7.26 से रात्रि 3.22 तक
2 ता. अन्तरात्रि 6.17 से 4 ता. प्रातः 7.25 तक
5. ता. प्रातः 7.24 से दोपहर 12.12 तक
11 ता. रात्रि 1.39 से 12 ता. 7.20 तक
13 ता. रात्रि 2.34 से 14 ता. प्रातः 7.19 तक
18 ता. शाम 5.41 से 19 ता. प्रात : 7.15 तक
21 ता. अन्तरात्रि 6.37 से 22 ता. प्रातः 7.12 तक
23 ता. प्रातः 7.11 से 24 ता. रात्रि 3.25 तक
27 ता. सम्पूर्ण दिन-रात

स्थिर योग
2 ता. देपहर 4.26 से अन्तरात्रि 6.17 तक
9 ता. सूर्योदय से रात्रि 10.26 तक
13 ता. सूर्योदय से शाम 5.41 तक
23 ता. सूर्योदय से रात्रि 3.43 तक

राजयोग
5 ता. सूर्योदय से दोपहर 12.12 तक
17 ता. सूर्योदय से रात्रि 8.27 तक
21 ता. अंतरात्रि 6.37 से 22 ता. रात्रि 4.49 तक

कुमार योग
6 ता. दोपहर 3.02 से रात्रि 2.18 तक
15 ता. रात्रि 12.45 से सम्पूर्ण रात्रि तक
24 ता. सूर्योदय से रात्रि 3.25 तक

सिद्धि योग
1 ता. दोपहर 2.02 से 4 सम्पूर्ण रात्रि तक
2 ता. सूर्योदय से रात्रि 9.29 तक
7 ता. रात्रि 3.03 से सम्पूर्ण रात्रि तक
14 ता. सूर्योदय से प्रातः 9.03 तक
18 ता. रात्रि 8.02 से सम्पूर्ण रात्रि तक
23 ता. रात्रि 1.33 से सम्पूर्ण रात्रि तक
24 ता. रात्रि 12.31 से सम्पूर्ण रात्रि तक

रवि योग
2 ता. अंतरात्रि 6.17 से 4 ता. प्रातः 9.15 तक
11 ता. रात्रि 12.39 से 12 ता. रात्रि 2.26 तक
22 ता. रात्रि 4.49 से 23 ता. रात्रि 3.43 तक
24 ता. रात्रि 3.25 से 25 ता. रात्रि 3.58 तक
28 ता. प्रातः 7.18 से सम्पूर्ण रात्रि तक

ज्ञान वृद्धि कराने में सहायक नक्षत्र
1 ता. सूर्योदय से 2 ता. अंतरात्रि 6.17 तक
4 ता. प्रातः 9.15 से 6 ता. दोपहर 3.02 तक
7 ता. रात्रि 7.44 से 8 ता. रात्रि 8.13 तक
9 ता. रात्रि 10.26 से 11 ता. रात्रि 1.39 तक
15 ता. रात्रि 12.45 से 17 ता. रात्रि 8.27 तक
28 तात्र प्रातः 7.18 से सम्पूर्ण रात्रि तक

भद्रा योग
1 ता. सूर्योदय से 1 ता. दोपहर 2.02 तक
4 ता. रात्रि 9.29 से 5 ता. प्रातः 10.43 तक
8 ता. शाम 5.26 से अंतरात्रि 6.23 तक
12 ता. प्रातः 9.45 से रात्रि 9.46 तक
15 ता. प्रात : 6.36 से अंतरात्रि 5.22 तक
18 ता. रात्रि 8.02 से सम्पूर्ण रात्रि
23 ता. दोपहर 2.28 से रात्रि 1.33 तक
27 ता. देपहर 1.19 से रात्रि 2.21 तक

मृत्यु योग (प्रारम्भ से 4 घण्टा 48 मिनिट अशुभ)
21 ता. सूर्योदय से प्रातः 8.59 तक

ज्वालामुखी योग
28 ता. सूर्योदय से प्रातः 7.18 तक

त्रिपुष्कर योग
21 ता. प्रातः 9.04 से अन्तरात्रि 6.37 तक
26 ता. सूर्योदय से अन्तरात्रि 5.18 तक

Deepak Ranka : 77379 07696 Jatanlal Ranka : 94130 40996

Anandshri Fashion

S-105, Ground Floor, J.J. A.C. Market Ring Road, Surat-2. Ph. : 0261-2365775
e-mail : deepakrank8@gmail.com

त्यौहार व अवकाश ता. 13 कुंभ संक्रान्ति * ता. 14 वैलाइटाईन-डे * ता. 18 शिव रात्रि **पंचक** * 19 ता. रात्रि 1.13 से 23 ता. रात्रि 4.43 तक

जय जिनेश जय नानेश जय ज्ञानेश

ज्ञान की महिमा गाते हैं, सुख सौरभ को पाते है।

RAJASTHAN DYES & CHEMICALS

MFRS. SULPHUR BLACK & HYPO

MAHENDRA KUMAR JAIN

Works :
F-181/A, Matsya Industrial Area, Alwar (Raj.)
Office : 308 IIIrd Floor, Wonder Mall
Near Company Bagh, Alwar-01 (Raj.)
Tel No. (F) 2881184 (O) 2700697, (R) 2343006

MAHENDRA KUMAR JAIN Mob. : 9414016496 8875016496
VIPUL SACHETI Mob . : 9214447773 9799143777

Late Smt Kamlawati (Mataji)

दिन के चौघड़िये

रवि	सोम	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल	काल
चल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ
लाभ	शुभ	चल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग
अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल	काल	उद्वेग
काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल
शुभ	चल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ
रोग	लाभ	शुभ	चल	काल	उद्वेग	अमृत
उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल	काल

रात्रि के चौघड़िये

रवि	सोम	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
शुभ	चल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ
अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल	काल	उद्वेग
चल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ
रोग	लाभ	शुभ	चल	काल	उद्वेग	अमृत
काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल
लाभ	शुभ	चल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग
उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल	काल
शुभ	चल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ

* शुभ, लाभ, अमृत एवं चल शुभ होते है।
* काल, रोग, एव उद्वेग अशुभ होते है।

जय जिनेश जय नानेश जय ज्ञानेश

ज्ञान गुरु की जहाँ महर है,
वहाँ-वहाँ पे लीला लहर है

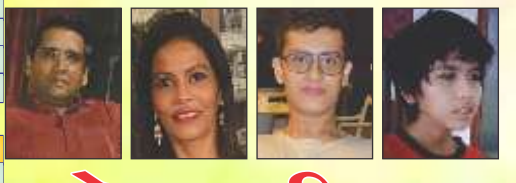

मेहता परिवार
A-12 मित्तल टॉवर, नरिमन पॉईंट, मुम्बई

वन्दनकर्त्ता
किशोर-आशा
भविक, ओजस मेहता, मुम्बई

मेरी दुआ इस तरह से पूरी करना भगवान कि जब-जब मैं सिर झुकाऊँ, मेरे साथ जुड़े हर रिश्ते की जिंदगी संवर जाए।

।। जय नानेश ।। ।। श्री महावीराय नमः ।। ।। जय ज्ञानेश ।।

''णमोत्थुणं अरिहन्ताणं भगवंताणं जाव संपत्ताणं'' णमो जिणाणं जिअभयाणं।
''णमोत्थुणं अरिहन्ताणं भगवंताणं जाव संपाविउकामाणं'' णमो जिणाणं जिअभयाणं

श्री अरिहंतमार्गी जैन महासंघ द्वारा प्रकाशित

अरिहंत जैन कैलेण्डर

निर्णय सागर पंचांग के अनुसार

विक्रम संवत् 2079-80 | **मार्च 2023 (फाल्गुन शुक्ला 10 से चैत्र शुक्ला 10 तक)** | वीर निर्वाण संवत् 2549

वार					
रवि SUNDAY राहुकाल सायं 4:30 बजे से 6:00 बजे	**अभिजित नक्षत्र** 17 ता. शुक्रवार रात्रि 9:18 से अन्तरात्रि 4:14 तक **संक्रान्ति** मीन की संक्रांति मंगलवार ता. 14 चैत्र कृष्णा–7	फाल्गुन शुक्ला–13 दिन 2:07 तक **5** आश्लेषा नक्षत्र रात्रि 9:29 तक सिंह 9:29 से	चैत्र कृष्णा–5 रात्रि 10:1 तक **12** स्वाति नक्षत्र सवेरे 7:59 तक रंग पंचमी वृश्चिक रात्रि 2:18 से	चैत्र कृष्णा–12 क्षय तिथि 13 सवेरे 8:07 तक **19** धनिष्ठा नक्षत्र रात्रि 10:3 तक आ.श्री चौथमलजी म.सा. दी.ज. पंचक प्रातः 11.16 से कुंभ दिन 1:16 से	चैत्र शुक्ला– 5 शाम 4:33 तक **26** कृतिका नक्षत्र दिन 2:01 तक वृषभ
सोम MONDAY राहुकाल प्रातः 7:30 बजे से 9:00 बजे	**क्षय तिथि** रविवार ता. 19 चैत्र कृष्णा 13 **वृद्धि तिथि** शुक्रवार ता. 3 फाल्गुन शुक्ला 11	फाल्गुन शुक्ला–14 दिन 4:17 तक **6** मघा नक्षत्र रात्रि 12:04 तक पक्खी पर्व चौमासे पक्खी सिंह	चैत्र कृष्णा–6 रात्रि 9:27 तक **13** विशाखा नक्षत्र सवेरे 8:20 तक वृश्चिक	चैत्र कृष्णा–14 रात्रि 11:47 तक **20** शतभिषा नक्षत्र रात्रि 5:38 तक कुंभ	चैत्र शुक्ला–6 शाम 5:28 तक **27** रोहिणी नक्षत्र दिन 3:28 तक मिथुन रात्रि 4:26 से
मंगल TUESDAY राहुकाल मध्यान्ह 3:00 बजे से 4:30 बजे	**रोहिणी नक्षत्र** ता. 27 सोमवार दोपहर 3:28 तक **पुष्य नक्षत्र** 4 ता. शनिवार रात्रि 6.40 तक 31 ता. शुक्रवार रात्रि 1.58 तक	फाल्गुन शुक्ला–पूर्णिमा शाम 6:09 तक **7** पूर्वाफाल्गुनी नक्षत्र रात्रि 4:21 तक होलिका दहन सिंह	चैत्र कृष्णा–7 रात्रि 8:22 तक **14** अनुराधा नक्षत्र सवेरे 8:12 तक शीतला सप्तमी मीन की संक्रान्ति वृश्चिक	चैत्र कृष्णा–अमावस्या रात्रि 10:52 तक **21** पूर्वाभाद्र पद नक्षत्र शाम 5:24 तक पक्खी पर्व मीन दिन 11:56 से	चैत्र शुक्ला–7 दिन 11:03 तक **28** मृगशिरा नक्षत्र शाम 5:33 तक मिथुन
बुध WEDNESDAY राहुकाल मध्यान्ह 12:00 बजे से 1:30 बजे	फाल्गुन शुक्ला–10 अन्तरात्रि 6:39 तक **1** मृगशिरा नक्षत्र सवेरे 9:51 तक मिथुन	चैत्र कृष्णा–1 रात्रि 7:42 तक **8** उत्तराफाल्गुनी नक्षत्र रात्रि 4:19 तक धूलण्डी अन्तराष्ट्रीय महिला दिवस कन्या सवेरे 8:5 से	चैत्र कृष्णा–8 रात्रि 6:45 तक **15** ज्येष्ठा नक्षत्र सवेरे 7:33 तक मूला नक्षत्र अन्त. 6:25 तक धनु सवेरे 7:22 से	चैत्र शुक्ला–1 रात्रि 8:21 तक **22** उत्तराभाद्र पद नक्षत्र दिन 3:32 तक चैत्र नवरात्रा प्रा. चेटीचण्ड मीन	चैत्र शुक्ला–8 रात्रि 9:08 तक **29** आर्द्रा नक्षत्र रात्रि 8:27 तक दुर्गाष्टमी/ओली तप प्रा. मिथुन
गुरु THURSDAY राहुकाल मध्यान्ह 1:30 बजे से 3:00 बजे	फाल्गुन शुक्ला–11 पुरे दिन–रात **2** आर्द्रा पद नक्षत्र दिन 12:42 तक मिथुन	चैत्र कृष्णा–2 रात्रि 8:54 तक **9** हस्त नक्षत्र अन्तरात्रि 5:56 तक कन्या	चैत्र कृष्णा–9 शाम 4:39 तक **16** पूर्वाषाढा नक्षत्र रात्रि 4:46 तक धनु	चैत्र शुक्ला–2 रात्रि 6:21 तक **23** रेवती नक्षत्र दिन 2:09 तक पंचक दोप. 2.09 तक मेष दिन 2:09 से	चैत्र शुक्ला–9 रात्रि 11:31 तक **30** पुर्नवसु नक्षत्र रात्रि 11:00 तक दुर्गानवमी कर्क शाम 4:16 तक
शुक्र FRIDAY राहुकाल मध्यान्ह 10:30 बजे से 12:00 बजे	फाल्गुन शुक्ला–11 सवेरे 9:11से वृद्धि तिथि 11 **3** पुर्नवसु नक्षत्र दिन 3:42 तक कर्क रात्रि 4:57 से	चैत्र कृष्णा–3 रात्रि 9:42 तक **10** चित्रा नक्षत्र पुरे दिन–रात तक तुला शाम 6:36 से	चैत्र कृष्णा–10 दिन 2:6 तक **17** उत्तराषाठा नक्षत्र रात्रि 2:45 तक मकर दिन 10:18 से	चैत्र शुक्ला–3 शाम 5:00 तक **24** अनुराधा नक्षत्र दिन 01:22 तक गणगौर मेष	चैत्र शुक्ला–10 रात्रि 11:59 तक **31** पुष्य नक्षत्र रात्रि 1:58 तक आ.उदयसागरजी म.सा. दी.ज.
शनि SATURDAY राहुकाल प्रातः 9:00 बजे से 10:30 बजे	फाल्गुन शुक्ला–12 दिन 11:43 से **4** पुष्य नक्षत्र रात्रि 6:40 तक प्रदोष व्रत कर्क	चैत्र कृष्णा–4 रात्रि 10:5 तक **11** चित्रा नक्षत्र सवेरे 7:10 तक तुला	चैत्र कृष्णा–11 दिन 11:13 तक **18** श्रवण नक्षत्र रात्रि 12:28 तक मकर	चैत्र शुक्ला–4 शाम 4:23 तक **25** भरणी नक्षत्र दिन 1:19 तक वृषभ रात्रि 7:25 से	**द्विपुष्कर योग** 19 ता. सूर्योदय से रात्रि 10.03 तक 28 ता. सूर्योदय से शाम 5.33 तक **पक्खी पर्व** 6 ता. सोमवार फाल्गुन शुक्ला 14 21 ता. मंगल. चैत्र कृष्णा अमावस्या

सर्वार्थ सिद्धि योग
1 ता. प्रातः 7.06 से प्रातः 9.51 तक
2 ता. दोपहर 12.42 से 3 ता. दोपहर 3.42 तक
8 ता. रात्रि 4.19 से अन्तरात्रि 6.58 तक
11 ता. प्रातः 7.10 से 12 ता. को प्रातः 6.55 तक
13 ता. प्रातः 8.20 से 14 ता. प्रातः 6.53 तक
17 ता. रात्रि 2.45 से 18 ता. रात्रि 12.28 तक
21 ता. शाम 5.24 से 22 ता. प्रातः 6.44 तक
23 ता. प्रातः 6.43 से 24 ता. दोपहर 1.22 तक
27 ता. प्रातः 6.39 से 28 ता. प्रातः 6.37 तक
30 ता. प्रातः 6.35 से 31 ता. प्रातः 6.34 तक

अमृत सिद्धि योग
27 ता. दोपहर 3.28 से 28 ता. प्रातः 6:37 तक
30 ता. रात्रि 11:20 से 31 ता. प्रातः 6:34 तक

स्थिर योग
4 ता. शाम 6.40 से सम्पूर्ण रात्रि
11 ता. प्रातः 7.10 से 10.05 तक

राजयोग
3 ता. दोपहर 3.42 से सम्पूर्ण रात्रि तक
10 ता. सूर्योदय से सम्पूर्ण रात्रि तक
14 ता. सूर्योदय से रात्रि 8.22 तक
19 ता. सूर्योदय से प्रातः 8.07 तक

कुमार योग
13 ता. सूर्योदय से प्रातः 8.20 तक
17 ता. रात्रि 2.45 से सम्पूर्ण रात्रि तक
27 ता. सूर्योदय से दोपहर 3.28 तक

सिद्ध योग
03 ता. को सूर्योदय से प्रातः 9:11 तक
8 ता. को रात्रि 7:42 से सम्पूर्ण रात्रि तक
11 ता. को सूर्योदय से रात्रि 10:05 तक
13 ता. को रात्रि 8:27 से सम्पूर्ण रात्रि तक
16 ता. को शाम 4:39 से सम्पूर्ण रात्रि तक
17 ता. को दोपहर 2:06 से सम्पूर्ण रात्रि तक
22 ता. को रात्रि 8:21 से सम्पूर्ण रात्रि तक
25 ता. को सूर्योदय से शाम 4.23 तक
28 ता. को रात्रि 7:03 से सम्पूर्ण रात्रि तक
30 ता. को रात्रि 11.31 से सम्पूर्ण रात्रि तक
31 ता. को रात्रि 1:59 से सम्पूर्ण रात्रि तक

रवि योग
1 ता. सूर्योदय से 2 ता. दोपहर 12.42 तक
2 ता. दोपहर 12.42 तक
4 ता. रात्रि 6.40 से अन्तरात्रि 6.23 तक
5 ता. रात्रि 9.29 से 6 ता. रात्रि 12.04 तक
13 ता. प्रातः 8.20 से 14 ता. प्रातः 8.12 तक
24 ता. दोपहर 1.22 से 25 ता. दोपहर 1.19 तक
26 ता. दोपहर 2:01 से 27 ता. प्रातः 3:28 तक
29 ता. रात्रि 8.07 से 31 ता सम्पूर्ण रात्रि तक

ज्ञान वृद्धि कराने में सहायक नक्षत्र
1 ता. सूर्योदय से 2 ता. दोपहर 12.42 तक
3. ता. दोपहर 3.42 से 5 ता. रात्रि 9.29 तक
6 ता. रात्रि 12.04 से 7 ता. रात्रि 2.21 तक
8 ता. रात्रि 4.19 से 11 ता. प्रातः 7.10 तक
15 ता. प्रातः 7.33 से 16 ता. रात्रि 4.46 तक
20 ता. रात्रि 7.24 से 21 ता. शाम 5.24 तक
27 ता. दोपहर 3.28 से 29 ता. रात्रि 8.07 तक
30 ता. रात्रि 11.00 से 31 ता. सम्पूर्ण रात्रि तक

भद्रा योग
2 ता. रात्रि 7.55 से 3 ता. प्रातः 9.11 तक
6 ता. शाम 4.17 से अंतरात्रि 5.14 तक
10 ता. प्रातः 9.17 से रात्रि 9.42 तक
13 तात्र रात्रि 9.27 से 14 ता. प्रातः 8.43 तक
16 ता. रात्रि 3.23 से 17 ता. दोपहर 2.06 तक
19 ता. रात्रि 4.55 से 20 ता. दोहपर 3.20 तक
24 ता. रात्रि 4.36 से 25 ता. शाम 4.23 तक
28 ता. रात्रि 7.03 से 29 ता. प्रातः 8.02 तक

मृत्यु योग (प्रारम्भ से 4 घंटा 48 मिनिट अशुभ)
31 ता. रात्रि 12.58 से सम्पूर्ण रात्रि तक

जैन पर्व ✻ ता. 29 ओली तप प्रारम्भ, ✻ ता. 31 शुक्ला 10 वादीमान मर्दक आचार्य श्री उदयसागर जी म.सा. दीक्षा जयन्ती (स्थल- बुंदी, राज.) वि.सं. 1908

त्यौहार व अवकाश ✻ ता. 4 प्रदोष व्रत ✻ ता. 7 होलिका दहन ✻ ता. 8 धूलण्डी ✻ ता. 8 विश्व महिला दिवस ✻ ता. 12 रंग पंचमी ✻ ता. 14 शीतला सप्तमी ✻ ता. 22 चैत्र नवरात्रा प्रा. /चेटीचण्ड ✻ ता. 24 गणगौर ✻ ता. 29 दुर्गाष्टमी ✻ ता. 30 दुर्गानवमी

पंचक 19 ता. प्रातः 11.16 से 23 ता. दोपहर 2.09 तक

जय नानेश जय महावीर जय ज्ञानेश
ज्ञान गुरु की कृपा भारी, खिलती जिससे सुख की क्यारी
Ringcel (मोबाइल शाप)
चंद्रकांता सुदर्शन आनंद पुत्रवधु प्रीति
पौत्र– हरमन हर्शिल, लुणावत परिवार (बैंगलोर)

दिन के चौघड़िये

रवि	सोम	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल	काल
चल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ
लाभ	शुभ	चल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग
अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल	काल	उद्वेग
काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल
शुभ	चल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ
रोग	लाभ	शुभ	चल	काल	उद्वेग	अमृत
उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल	काल

रात्रि के चौघड़िये

रवि	सोम	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
शुभ	चल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ
अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल	काल	उद्वेग
चल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ
रोग	लाभ	शुभ	चल	काल	उद्वेग	अमृत
काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल
लाभ	शुभ	चल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग
उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल	काल
शुभ	चल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ

✻ शुभ, लाभ, अमृत एवं चल शुभ होते है।
✻ काल, रोग, एव उद्वेग अशुभ होते है।

।। जय नानेश ।। ।। जय जिनेश ।। ।। जय ज्ञानेश ।।
संप्रदाय दुराग्रह को छुड़वाते, सद्गुण भक्ति ज्ञान सिखाते।
प्रेम गैस सर्विस रोहतक
रोहतक गैस सर्विस रोहतक
के.एल. ऑटोमोबाइल्स रोहतक
जैन गैस एजेन्सी रोहतक
वन्दनकर्ता : के.एल. इ.वी. इण्डिया प्रा. लि. रोहतक
नारायणी देवी, प्रेम, नवनीत, हरीश, पुष्पादेवी, वनिता देवी, मंजू देवी, पुनीत–अंजलि, मिथलेश–खुशबु, हीना–प्रणय, कनिका–कार्तिक, महिमा–विशेष, रिद्धिमा, युवान, इप्शिता, कूहू एवं समस्त गोयल परिवार

जय जिनेश जय नानेश जय ज्ञानेश
ज्ञान गुरु की जहाँ महर है,
वहाँ-वहाँ पे लीला लहर है

मेहता परिवार
A-12 मित्तल टॉवर, नरिमन पॉईंट, मुम्बई
वन्दनकर्ता
किशोर–आशा
भविक, ओजस मेहता, मुम्बई

जी लो हर लम्हा बीत जाने से पहले, लौट कर यादें आती हैं वक्त नहीं।

।। जय नानेश ।। ।। श्री महावीराय नमः ।। ।। जय ज्ञानेश ।।

''णमोत्थुणं अरिहन्ताणं भगवंताणं जाव संपत्ताणं'' णमो जिणाणं जिअभयाणं।
''णमोत्थुणं अरिहन्ताणं भगवंताणं जाव संपाविउकामाणं'' णमो जिणाणं जिअभयाणं

श्री अरिहंतमार्गी जैन महासंघ द्वारा प्रकाशित

अरिहंत जैन कैलेण्डर

निर्णय सागर पंचांग के अनुसार

विक्रम संवत् 2080 | **अप्रेल 2023 (चैत्र शुक्ला-11 से वैशाख शुक्ला- 10 तक)** | वीर निर्वाण संवत् 2549

वार						
रवि SUNDAY राहुकाल सायं 4:30 बजे से 6:00 बजे	वैशाख शुक्ला-10 रात्रि 8:29 तक **30** मघा नक्षत्र दिन 3:31 तक सिंह	चैत्र शुक्ला - 12 अन्तरात्रि 6:25 तक **2** मघा नक्षत्र पुरे दिन-रात आ.श्री उदयसागरजी म.सा. दीक्षा ज. सिंह	वैशाख कृष्णा-3 सवेरे 9:36 तक **9** विशाखा नक्षत्र दिन 2:01 तक वृश्चिक सवेरे 8:02 से	वैशाख कृष्णा-11 शाम 6:15 तक **16** शतभिषा नक्षत्र रात्रि 4:07 तक कुंभ	वैशाख शुक्ला-3 सवेरे 7:48 तक **23** रोहिणी नक्षत्र रात्रि 12:27 तक आ. श्री ज्ञानचंदजी म.सा. आचार्य पद जय./अक्षय तृतीया वृषभ
सोम MONDAY राहुकाल प्रातः 7:30 बजे से 9:00 बजे	**क्षय तिथि** मंगलवार ता. 11 वैशाख कृषणा 6 **वृद्धि तिथि** मंगलवार ता. 4 चैत्र शुक्ला 13	चैत्र शुक्ला-13 पुरे दिन-रात **3** मघा नक्षत्र सवेरे 7:24 तक महावीर जन्म कल्याण सिंह	वैशाख कृष्णा-4 सवेरे 8:38 तक **10** अनुराधा नक्षत्र दिन 1:40 तक वृश्चिक	वैशाख कृष्णा-12 दिन 3:47 तक **17** पूर्वाभाद्र पद नक्षत्र रात्रि 2:28 तक मीन रात्रि 8:52 से	वैशाख शुक्ला-4 सवेरे 8:25 तक **24** मृगशिरा नक्षत्र रात्रि 2:08 तक आ.श्री चौथमल जी म.सा. ज.ज. मिथुन दिन 1:13 से
मंगल TUESDAY राहुकाल मध्यान्ह 3:00 बजे से 4:30 बजे	**पुष्य नक्षत्र** 27 ता. गुरुवार (गुरु पुष्य) प्रातः 7.00 से सम्पूर्ण रात्रि **रोहिणी नक्षत्र** ता. 23 रविवार को रात्रि 12:27 तक	चैत्र शुक्ला-13 सवेरे 8:06 तक वृद्धि तिथि 13 **4** पुर्वाफाल्गुनी नक्षत्र सवेरे 9:37 तक कन्या दिन 4:06 से	वैशाख कृष्णा-5 सवेरे 7:18 तक क्षय तिथि 6 **11** ज्येष्ठा नक्षत्र दिन 12:59 तक धनु दिन 12:59 से	वैशाख कृष्णा-13 दिन 1:28 तक **18** उत्तराभाद्र पद नक्षत्र रात्रि 1:01 तक मीन	वैशाख शुक्ला-5 दिन 9:41 तक **25** भाद्र्रा नक्षत्र रात्रि 4:21 तक आ.श्री हुक्मीचंद जी म.सा. निर्वाण आ.श्री शिवलालजी म.सा. आ.पद.ज. मिथुन
बुध WEDNESDAY राहुकाल मध्यान्ह 12:00 बजे से 1:30 बजे	**संक्रान्ति** मेष की संक्रांति 14 ता. वैशाख कृष्ण नवमी	चैत्र शुक्ला - 14 सवेरे 9:19 तक **5** उत्तराफाल्गुनी नक्षत्र दिन 11:25 तक पक्खी पर्व कन्या	वैशाख कृष्णा-7 रात्रि 3:45 तक **12** मुला नक्षत्र दिन 11:59 तक धनु	वैशाख कृष्णा-14 दिन 11:24 तक **19** रेवती नक्षत्र रात्रि 11:53 तक पक्खी पर्व पंचक रात्रि 11.53 तक मेष रात्रि 11:53 से	वैशाख शुक्ला-6 दिन 11:28 तक **26** पुर्नवसु नक्षत्र पुरे दिन-रात कर्क रात्रि 12:18 से
गुरू THURSDAY राहुकाल मध्यान्ह 1:30 बजे से 3:00 बजे	**पक्खी पर्व** ता. 5 बुधवार चैत्र शुक्ला 14 ता. 19 बुधवार वैशाख कृष्णा-14	चैत्र शुक्ला-पूर्णिमा दिन 10:05 तक **6** हस्त नक्षत्र दिन 12:42 तक ओली तप समाप्त हनुमान जयन्ती तुला रात्रि 1:11 से	वैशाख कृष्णा-8 रात्रि 1:35 तक **13** पूर्वाषाठा नक्षत्र दिन 10:44 तक मकर शाम 4:22 तक	वैशाख कृष्णा-अमा. सवेरे 9:43 तक **20** अश्विनी नक्षत्र रात्रि 11:11 तक मेष	वैशाख शुक्ला-7 दिन 1:39 तक **27** पुर्नवसु नक्षत्र सवेरे 7:00 तक कर्क
शुक्र FRIDAY राहुकाल मध्यान्ह 10:30 बजे से 12:00 बजे	**अभिजित नक्षत्र** 14 ता. शुक्रवार रात्रि 3:38 से 15 ता. दिन 10:44 तक	वैशाख कृष्णा-1 दिन 10:21 तक **7** चित्रा नक्षत्र दिन 1:33 तक गुड फ्राई-डे तुला	वैशाख कृष्णा-9 रात्रि 11:14 तक **14** उत्तराषाढा नक्षत्र सवेरे 9:14 तक अम्बेडकर ज. मेष की संक्रान्ति मकर	वैशाख शुक्ला-1 सवेरे 8:29 तक **21** भरणी नक्षत्र रात्रि 11:00 तक वृषभ रात्रि 5:02 से	वैशाख शुक्ला-8 दिन 4:02 तक **28** पुष्य नक्षत्र सवेरे 9:53 तक कर्क
शनि SATURDAY राहुकाल प्रातः 9:00 बजे से 10:30 बजे	चैत्र शुक्ला-11 रात्रि 4:20 तक **1** आश्लेषा नक्षत्र रात्रि 4:49 तक सिंह रात्रि 4:49 से	वैशाख कृष्णा-2 दिन 10:19 तक **8** स्वाति नक्षत्र दिन 1:59 तक तुला	वैशाख कृष्णा-10 रात्रि 8:46 तक **15** श्रवण नक्षत्र सवेरे 7:36 तक धनिष्ठा नक्षत्र अन्तरात्रि. 5:52 तक पंचक शाम 6.44 से कुंभ रात्रि 6:44 से	वैशाख शुक्ला-2 सवेरे 7:50 तक **22** कृतिका नक्षत्र रात्रि 11:24 तक अक्षय तृतीया/शिवाजी ज. वृषभ	वैशाख शुक्ला-9 शाम 6:23 तक **29** आश्लेषा नक्षत्र दिन 12:48 तक सिंह दिन 12:48 से

सर्वार्थ सिद्धि योग
- ता. 5 दोपहर 11:23 से ता. 6 प्रातः 6:28 तक
- ता. 8 प्रातः 6:26 से दोपहर 1:51 तक
- ता. 10 प्रातः 6:24 से दोपहर 1:40 तक
- ता. 14 प्रातः 9:14 से ता. 15 प्रातः 7:36 तक
- ता. 18 प्रातः 6:16 से रात्रि 1:01 तक
- ता. 20 प्रातः 6:14 से रात्रि 11:11 तक
- ता. 22 रात्रि 1:24 से ता. 23 प्रातः 6:11 तक
- ता. 24 प्रातः 6:10 से रात्रि 2:08 तक
- ता. 27 प्रातः 6:08 से ता. 28 प्रातः 6:07 तक

अमृत सिद्धि योग
- 22 ता. रात्रि 11.24 से 23 ता. प्रातः 6.11 तक
- 24 ता. प्रातः 6.10 से रात्रि 1.08 तक

स्थिर योग
- 29 ता. सूर्योदय से शाम 6.23 तक

राज योग
- 12 ता. प्रातः 11.59 से रात्रि 3.45 तक

कुमार योग
- 11 ता. दोपहर 12.59 से सम्पूर्ण रात्रि तक
- 25 ता. रात्रि 4.21 से सम्पूर्ण रात्रि तक

रवि योग
- 4 ता. प्रातः 9.37 से 5 ता. प्रातः 11.23 तक
- 11. ता. दोपहर 12.59 से 12 ता. दोपहर 11.59 तक
- 22 ता. रात्रि 11.24 से 23 ता. रात्रि 12.27 तक
- 24 ता. रात्रि 2.08 से 25 ता. शाम 6.21 तक
- 29 ता. दोपहर 12.48 से 30 ता. सम्पूर्ण रात्रि तक

सिद्धि योग
- 4 ता. सूर्योदय से प्रातः 8.06 तक
- 6 ता. सूर्योदय से प्रातः 10.05 तक
- 7 ता. सूर्योदय से प्रातः 10.21 तक
- 12 ता. सूर्योदय से रात्रि 3.45 तक
- 18 ता. सूर्योदय से दोपहर 1.28 तक
- 21 ता. सूर्योदय से प्रातः 8.29 तक
- 26 ता. प्रातः 11:28 से सूम्पूर्णा रात्रि तक
- 29 ता. सूर्योदय से शाम 6.23 तक

ज्ञान वृद्धि कराने में सहायक नक्षत्र
- 1 ता. सूर्योदय से रात्रि 4.49 तक
- 3 ता. प्रातः 7.24 से 4 ता. प्रातः 9.37 तक
- 5 ता. दोपहर 11.23 से 7 ता. दोपहर 1.33 तक
- 11 ता. दोपहर 12.59 से 13 ता. प्रातः 10.44 तक
- 16 ता. रात्रि 4.07 से 17 ता. रात्रि 2.28 तक
- 23 ता. रात्रि 12.27 से 25 ता. रात्रि 4.21 तक
- 27 ता. प्रातः 7.00 से 29 ता. दोपहर 12.48 तक

भद्रा योग
- 1 ता. दोपहर 1.11 से अंतरात्रि 5.20 तक
- 5 ता. प्रातः 9.19 से रात्रि 9.46 तक
- 8 ता. रात्रि 9.57 से 9 ता. प्रातः 9.36 तक
- 11 ता. अंतरात्रि 5.40 से 12 ता. शाम 4.44 तक
- 15 ता. प्रातः' 10.00 से रात्रि 8.46 तक
- 18 ता. दोपहर 1.28 से रात्रि 12.24 तक
- 23 ता. रात्रि 8.02 से 24 ता. प्रातः 8.25 तक
- 27 ता. दोपहर 1.39 से शाम 4.50 तक

मृत्यु योग (प्रारम्भ से 4 घण्टा 48 मिनिट अशुभ)
- 9 ता. दोपहर 2.01 से सम्पूर्ण रात्रि तक
- 19 ता. रात्रि 11.53 से सम्पूर्ण रात्रि तक
- 28 ता. प्रातः 9.53 से सम्पूर्ण रात्रि तक

त्रिपुष्कर योग
- 22 ता. सूर्योदय से रात्रि 11.24 तक

जैन पर्व ✻ ता. 2 चैत्र शुक्ला-12 वादीमान मर्दक आचार्य श्री उदयसागरजी म.सा. दीक्षा जयन्ती (स्थान-बीकानेर) वि.सं. 1907, शांतदांत निरहमंकारी आचार्य श्री चौथमलजी म.सा. दीक्षा जयन्ती (बूंदी, राज.) वि.सं. 1909 ✻ ता. 3 चैत्र शुक्ला-13 महावीर जन्म कल्याण ✻ ता. 6 चैत्र शुक्ला-पूर्णिमा ओली तप समाप्त ✻ ता. 23 वैशाख शुक्ला- 3 युगदृष्टा, वचन सिद्ध योगी, वरणाणदंसण चरित्तधर, णमोत्थुणं सिद्ध साधक आचार्य-प्रवर श्री ज्ञानचंदजी म.सा. आचार्य पद जयन्ती (दिल्ली) वि.सं.2063 ✻ ता. 23 वैशाखा शुक्ला 3 अक्षय तृतीया ✻ ता. 24 वैशाख शुक्ला- 4 शान्तदान्त निरहंकारी आचार्य श्री चौथमल जी म.सा. जन्म जयन्ती (पाली, राज.) वि.सं. 1884, ✻ ता. 25 वैशाख शुक्ला 5 महान् क्रियोद्धारक आचार्य श्री हुक्मीचंद जी म.सा. निर्वाण (स्थल जावद, राज.) वि.सं. 1917 ✻ ता. 25 वैशाख शुक्ला 5 परम तपस्वी आ. श्री शिवलाल जी म.सा. आचार्य पद जयन्ती (स्थल-जावद, राज.) ✻ ता. 30 ज्ञानचंद जी म.सा. आचार्य पद आरोहण तारीख

त्यौहार व अवकाश ✻ ता. 3 महावीर जयन्ती ✻ ता. 6 हनुमान जयन्ती ✻ ता. 7 विश्वस्वास्थ्य दिवस, गुड्डु फ्राई-डे ✻ ता. 14 अम्बेडकर जयन्ती ✻ ता. 22 इदुलफितर, शिवाजी जयन्ती, अक्षय तृतीया

पंचक ✻ 15 ता. शाम 6.44 से 19 ता. रात्रि 11.53 तक

जय जिनेश जय नानेश जय ज्ञानेश

ज्ञान गुरु गुण गाते है, गौतम शीश झुकाते है।

Starlight Diamonds and Jewels

वन्दनकर्ता
अनिल-सीमा जैन पियुष-कनु
(पुत्र-पुत्रवधु)
प्रियांश (पौत्र) शक्ति नगर, दिल्ली
मो. 9811527957

दिन के चौघड़िये

रवि	सोम	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल	काल
चल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ
लाभ	शुभ	चल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग
अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल	काल	उद्वेग
काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल
शुभ	चल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ
रोग	लाभ	शुभ	चल	काल	उद्वेग	अमृत
उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल	काल

रात्रि के चौघड़िये

रवि	सोम	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
शुभ	चल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ
अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल	काल	उद्वेग
चल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ
रोग	लाभ	शुभ	चल	काल	उद्वेग	अमृत
काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल
लाभ	शुभ	चल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग
उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल	काल
शुभ	चल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ

✻ शुभ, लाभ, अमृत एवं चल शुभ होते है।
✻ काल, रोग, एव उद्वेग अशुभ होते है।

जय जिनेश जय नानेश जय ज्ञानेश

ज्ञान गुरु की जहाँ महर है,
वहाँ-वहाँ पे लीला लहर है

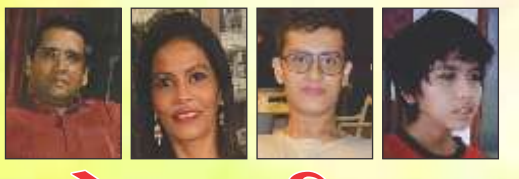

मेहता परिवार
A-12 मित्तल टॉवर, नरिमन पॉइंट, मुम्बई
वन्दनकर्ता
किशोर-आशा
भविक, ओजस मेहता, मुम्बई

मन का झुकना भी जरूरी है सिर्फ सिर झुकाने से भगवान नहीं मिलते।

।। जय नानेश ।। ।। श्री महावीराय नमः ।। ।। जय ज्ञानेश ।।

''णमोत्थुणं अरिहन्ताणं भगवंताणं जाव संपत्ताणं'' णमो जिणाणं जिअभयाणं।

''णमोत्थुणं अरिहन्ताणं भगवंताणं जाव संपाविउकामाणं'' णमो जिणाणं जिअभयाणं

श्री अरिहंतमार्गी जैन महासंघ द्वारा प्रकाशित

अरिहंत जैन कैलेण्डर

निर्णय सागर पंचांग के अनुसार

विक्रम संवत् 2080

मई 2023 वैशाख शुक्ला 11 से ज्येष्ठ शुक्ला 11 तक)

वीर निर्वाण संवत् 2549

रवि SUNDAY

राहुकाल
सायं 4:30 बजे से 6:00 बजे

अभिजित नक्षत्र
11 ता. गुरुवार सवेरे 9:01 से दिन 4:06 तक

संक्रान्ति
वृष की संक्रांति
15 ता. ज्येष्ठ कृष्ण ग्यारस

ज्येष्ठ कृष्णा–2 रात्रि 8:16 तक **7** वृश्चिक
अनुराधा नक्षत्र रात्रि 8:22 तक

ज्येष्ठ कृष्णा–10 रात्रि 2:47 तक **14** मीन रात्रि 3:24 से
पक्खी पर्व
रोहिणी नक्षत्र सवेरे 9:05 तक

ज्येष्ठ शुक्ला–2 रात्रि 10:10 तक **21** मिथुन रात्रि 9:43 में
आ. श्री नानालाल जी म.सा. ज.जय.
रोहिणी नक्षत्र सवेरे 9:05 तक

ज्येष्ठ शुक्ला–8 दिन 9:57 तक **28** सिंह
पूर्वाफाल्गुनी नक्षत्र रात्रि 2:21 तक

सोम MONDAY

राहुकाल
प्रात: 7:30 बजे से 9:00 बजे

वैशाख शुक्ला–11 रात्रि 10:10 तक **1** कन्या रात्रि 12:22 तक
पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र दिन 3:52 तक

ज्येष्ठ कृष्णा – 3 शाम 6:19 तक **8** धनु रात्रि 7:10 से
ज्येष्ठा नक्षत्र रात्रि 7:10 तक

ज्येष्ठ कृष्णा–11 रात्रि 1:04 तक **15** मीन
वृष संक्रान्ति
पूर्वाभाद्र पद नक्षत्र सवेरे 9:09 तक

ज्येष्ठ शुक्ला –3 रात्रि 11:20 तक **22** मिथुन
मृगशिरा नक्षत्र दिन 10:37 तक

ज्येष्ठ शुक्ला–9 दिन 11:50 तक **29** कन्या सवेरे 8:56 से
पूर्वाफाल्गुनी नक्षत्र रात्रि 4:29 तक

मंगल TUESDAY

राहुकाल
मध्यान्ह 3:00 बजे से 4:30 बजे

वैशाख शुक्ला–12 रात्रि 11:18 **2** कन्या
उत्तराफाल्गुनी नक्षत्र रात्रि 7:42 तक

ज्येष्ठ कृष्णा – 4 दिन 4:09 तक **9** धनु
मूला नक्षत्र शाम 5:45 तक

ज्येष्ठ कृष्णा–12 रात्रि 11:37 तक **16** मीन
उत्तराभाद्रपद नक्षत्र सवेरे 815 तक

ज्येष्ठ शुक्ला –4 रात्रि 12:58 तक **23** मिथुन सवेरे 8:28 से
आर्द्रा नक्षत्र दिन 12:39 तक

ज्येष्ठ शुक्ला –10 दिन 01:09 तक **30** कन्या
हस्त नक्षत्र पुरे दिन–रात

बुध WEDNESDAY

राहुकाल
मध्यान्ह 12:00 बजे से 1:30 बजे

वैशाख शुक्ला–13 रात्रि 11:50 तक **3** कन्या
हस्त नक्षत्र रात्रि 8:57 तक

ज्येष्ठ कृष्णा – 5 दिन 1:50 तक **10** मकर रात्रि 9:49 से
पूर्वाषाढा नक्षत्र शाम 4:13 तक

ज्येष्ठ कृष्णा–13 रात्रि 10:29 तक **17** मेष सवेरे 7:39 से
पंचक सवेरे 7.39 तक
रेवती नक्षत्र सवेरे 7:39 तक

ज्येष्ठ शुक्ला –5 रात्रि 3:01 तक **24** कर्क सवेरे 8:28 से
आ.ज्ञानदृजी म.सा.दीक्षा जय.
पुनवसु नक्षत्र दिन 03:07 तक

ज्येष्ठ शुक्ला –11 दिन 1:47 तक **31** तुला शाम 6:32 से
निर्जला एकादशी
हस्त नक्षत्र सवेरे 6:00 तक

गुरू THURSDAY

राहुकाल
मध्यान्ह 1:30 बजे से 3:00 बजे

वैशाख शुक्ला–14 रात्रि 11:45 तक **4** तुला सवेरे 9:21 से
पक्खी पर्व
चित्रा नक्षत्र रात्रि 9:35 तक

ज्येष्ठ कृष्णा–6 दिन 11:28 तक **11** मकर
उत्तराषाढा नक्षत्र दिन 2:37 तक

ज्येष्ठ कृष्णा–14 रात्रि 9:43 तक **18** मेष
अश्विनी नक्षत्र सवेरे 7:23 तक

ज्येष्ठ शुक्ला–6 अन्तरात्रि 5:20 तक **25** कर्क
पुष्य नक्षत्र शाम 5:54 तक

क्षय तिथि
शनि. ता. 13 ज्येष्ठ कृष्णा 9

वृद्धि तिथि
शनि. ता. 27 ज्येष्ठ शुक्ला 7

पक्खी पर्व
ता. 4 गुरु.वैशाख शुक्ला 14
ता. 19 ज्येष्ठ कृष्णा अमा.

शुक्र FRIDAY

राहुकाल
मध्यान्ह 10:30 बजे से 12:00 बजे

वैशाख शुक्ला–पूर्णिमा रात्रि 11:04 तक **5** तुला
बुद्ध जयन्ती
स्वाति नक्षत्र रात्रि 9:40 तक

ज्येष्ठ कृष्णा–7 सवेरे 9:07 तक **12** कुंभ रात्रि 12:19 से
पंचक रात्रि 12.19 से
श्रवण नक्षत्र दिन 1:03 तक

ज्येष्ठ कृष्णा–अमावस्या रात्रि 9:23 तक **19** वृषभ दिन 1:36 से
वट सावित्री पूजा
पक्खी पर्व
भरणी नक्षत्र सवेरे 7:30 तक

ज्येष्ठ शुक्ला–7 पुरे दिन–रात **26** सिंह
आश्लेषा नक्षत्र रात्रि 8:50 तक

पुष्य नक्षत्र
25 ता. गुरुवार (गुरु पुष्य) शाम 5.54 तक

रोहिणी नक्षत्र
21 ता. रविवार प्रात: 9.05 तक

शनि SATURDAY

राहुकाल
प्रात: 9:00 बजे से 10:30 बजे

ज्येष्ठ कृष्णा–1 रात्रि 9:53 तक **6** वृश्चिक दिन 3:23 से
विशाखा नक्षत्र रात्रि 9:14 तक

ज्येष्ठ कृष्णा–8 दिन 11:35 तक **13** कुंभ
क्षय तिथि 9
धनिष्ठा नक्षत्र दिन 11:35 तक

ज्येष्ठ शुक्ला–1 रात्रि 9:31 तक **20** वृषभ
कार्तिका नक्षत्र सवेरे 8:03 तक

ज्येष्ठ शुक्ला–7 सवेरे 7:43 तक **27** सिंह
वृद्धि तिथि 7
मघा नक्षत्र रात्रि 11:43 तक

द्विपुष्कर योग
21 ता. प्रात: 9:05 से रात्रि 10.10 तक

चन्द्र ग्रहण
5 ता. उपक्षाय ग्रहण वैशाख शुक्ल पूर्णिमा

जैन पर्व
✲ ता. 21 ज्येष्ठ शुक्ला 2 समता विभूति धर्मपाल प्रतिबोधक आचार्य श्री नानालाल जी म.सा. जन्म जयन्ती (स्थल दांता, राज.) वि.सं. 1977 ✲ ता. 24 ज्येष्ठ शुक्ला 5 युगदृष्टा, वचन सिद्ध योगी, वरणाणदंसण चरित्तधर, णमोत्थुणं सिद्ध साधक आचार्य–प्रवर श्री ज्ञानचंदजी म.सा. दीक्षा जयन्ती (स्थान–गोगेलाव, नागौर) वि.सं. 2031, सन् 1974। ✲ ता. 26 आचार्य श्री ज्ञानचंद जी म.सा. स्वर्णिम दीक्षा जयन्ती वर्ष प्रारम्भ

त्यौहार व अवकाश
✲ ता. 1 मजदूर दिवस ✲ ता. 5 बुद्ध जयन्ती, पीपल पुनम ✲ ता. 19 वट सावित्री पूजा, शनि जयन्ती ✲ ता. 31 निर्जला एकादशी

पंचक
✲ 12 ता. रात्रि 12.19 से 17 ता. सवेरे 7.39 तक

सर्वार्थ सिद्धि योग
ता. 3 प्रात: 6:03 से रात्रि 8:57 तक
ता. 12 प्रात: 5:57 से दोपहर 1:43 तक
ता. 16 प्रात: 5:55 से प्रात: 8:15 तक
ता. 18 प्रात: 5:54 से प्रात: 7:23 तक
ता. 20 प्रात: 8:03 से ता. 21 प्रात: 5:53 तक
ता. 22 प्रात: 5:52 से प्रात: 10:37 तक
ता. 25 प्रात: 5:51 से शाम 5:54 तक
ता. 28 रात्रि 2:21 से ता. 29 प्रात: 5:50 तक
ता. 31 प्रात: 5:50 से प्रात: 6:00 तक

स्थिर योग
4 ता. रात्रि 9.35 से रात्रि 11.45 तक
13 ता. दोपहर 11.35 से अन्तरात्रि 4.43 तक

राजयोग
2 ता. रात्रि 7.42 से रात्रि 11.50 तक
7 ता. सूर्योदय से रात्रि 8.22 तक
16 ता. सूर्योदय से प्रात: 8.15 तक
21 ता. प्रात: 9.05 से रात्रि 9.10 तक

कुमार योग
15 ता. सूर्योदय से प्रात: 9.09 तक
24 ता. सूर्योदय से दोपहर 3.07 तक
30 ता. सूर्योदय स 31 ता. सम्पूर्ण रात्रि तक

सिद्धि योग
2 ता. रात्रि 11.18 से सम्पूर्ण रात्रि तक
4 ता. रात्रि 11.45 से सम्पूर्ण रात्रि तक
13 ता. प्रात: 6.51 से रात्रि 4.43 तक
16 ता. रात्रि 11.37 से सम्पूर्ण रात्रि तक

अमृत सिद्ध योग
20 ता. प्रात: 8.03 से 21 ता. सूर्योदय 5.53 तक
22 ता. सूर्योदय 5.52 से प्रत: 10.37 तक
25 ता. सूर्योदय 5.51 से शाम 5.54 तक

रवि योग
1 ता. सूर्योदय से शाम 5.52 तक
3 ता. रात्रि 8.57 से 4 ता. रात्रि 9.35 तक
10 ता. शाम 4.13 से 11 ता. दोपहर 2.37 तक
11 ता. रात्रि 12.53 से 12 ता. दोपहर 1.03 तक
22 ता. प्रात: 10.37 से 22 ता. दोपहर 12.39 तक
24 ता. दोपहर 3:07 से 25 ता. शाम 5:54 तक
25 ता. रात्रि 8.59 से 26 ता. रात्रि 8.50 तक
28 ता. रात्रि 2.21 से 31 ता. प्रात: 6.00 तक

ज्ञान वृद्धि कराने में सहायक नक्षत्र
1 ता. सूर्योदय से शाम 5.52 तक
2 ता. रात्रि 7.42 से 4 ता. रात्रि 9.35 तक
8 ता. शाम 7.10 से 10 ता. शाम 4.13 तक
14 ता. प्रात: 10.16 से 15 ता. प्रात: 9.09 तक
21 ता. प्रात: 9.05 से 23 ता. दोपहर 12.39 तक
24 ता. दोपहर 1.07 से 26 ता. रात्रि 8.40 तक
27 ता. रात्रि 11.43 से 28 ता. रात्रि 2.21 तक
29 ता. रात्रि 4.29 से31 ता. सम्पूर्ण रात्रि तक

भद्रा योग
1 ता. प्रात: 9.23 से रात्रि 10.10 तक
4 ता. रात्रि 11.45 से 5 ता. रात्रि 7.28 तक
8 ता. प्रात: 7.20 से शाम 6.19 तक
11 ता. प्रात: 11.28 से रात्रि 10.17 तक
14 ता. दोपहर 3.44 से रात्रि 2.47 तक
17 ता. रात्रि 10.29 से 18 ता. 10.03 तक
23 ता. दोहपर 12.06 से रात्रि 12.58 तक
27 ता. प्रात: 7.43 से रात्रि 8.52 तक
30 ता. रात्रि 1.33 से 31 ता. दोपहर 1.47 तक

मृत्यु योग (प्रारम्भ से 4 घण्टा 48 मिनिट अशुभ)
7 ता. सूर्योदय से रात्रि 8.22 तक
17 ता. प्रात: 7.39 से सम्पूर्ण रात्रि तक
26 ता. सूर्योदय से रात्रि 8.50 तक

त्रिपुष्कर योग
2 ता. सूर्योदय से शाम 7.42 तक

जय नानेश जय महावीर जय ज्ञानेश

मो. 887550733

अक्षय ट्रेडर्स

कॉस्मेटिक मेकअप एवं शृंगार सामग्री के विक्रेता)

7अ रघुनाथ विहार गली नं. 5 पांच्यावाला जयपुर (राज.)

मोतीलाल–सुमन, अरिहंत–कोमल, अक्षय कातेला

दिन के चौघड़िये

रवि	सोम	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल	काल
चल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ
लाभ	शुभ	चल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग
अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल	काल	उद्वेग
काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल
शुभ	चल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ
रोग	लाभ	शुभ	चल	काल	उद्वेग	अमृत
उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल	काल

रात्रि के चौघड़िये

रवि	सोम	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
शुभ	चल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ
अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल	काल	उद्वेग
चल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ
रोग	लाभ	शुभ	चल	काल	उद्वेग	अमृत
काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल
लाभ	शुभ	चल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग
उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल	काल
शुभ	चल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ

✲ शुभ, लाभ, अमृत एवं चल शुभ होते है।
✲ काल, रोग, एव उद्वेग अशुभ होते है।

जय जिनेश जय नानेश जय ज्ञानेश

ज्ञान गुरु की जहाँ महर है,
वहाँ-वहाँ पे लीला लहर है

मेहता परिवार
A-12 मित्तल टॉवर, नरिमन पॉईट, मुम्बई

वन्दनकर्त्ता
किशोर–आशा
भविक, ओजस मेहता, मुम्बई

Shaheed Babu Labh Singh Nagar, Jalandhar, B/o Village IBBAN (KPT)
Village Sadachak G.T. Road, Bhogpur Telefax : 0181-2470778

समय कई जख्म देता है, इसलिए घड़ी में फूल नहीं कांटे होते हैं।

।। जय नानेश ।। ।। श्री महावीराय नमः ।। ।। जय ज्ञानेश ।।

''णमोत्थुणं अरिहन्ताणं भगवंताणं जाव संपत्ताणं'' णमो जिणाणं जिअभयाणं।

''णमोत्थुणं अरिहन्ताणं भगवंताणं जाव संपाविउकामाणं'' णमो जिणाणं जिअभयाणं

श्री अरिहंतमार्गी जैन महासंघ द्वारा प्रकाशित

अरिहंत जैन कैलेण्डर

निर्णय सागर पंचांग के अनुसार

विक्रम संवत् 2080

जून 2023 (ज्येष्ठ शुक्ला 12 से आषाढ़ शुक्ला 12 तक)

वीर निर्वाण संवत् 2549

रवि SUNDAY
राहुकाल
सायं 4:30 बजे से
6:00 बजे

तिथी क्षय
सोमवार ता. 5
आषाढ़ कृष्णा 2
अभिजित नक्षत्र
7 ता. बुधवार दिन 3:35 से रात्रि 10:30 तक

ज्येष्ठ शुक्ला –पूर्णिमा
सवेरे 9:12 तक
4
ज्येष्ठा नक्षत्र
रात्रि 3:23 तक
धनु रात्रि 3:23 तक

आषाढ़ कृष्णा–8
दिन 12:06 तक
11
पूर्वाभाद्र नक्षत्र
दिन 2:32 तक
मीन सवेरे 8:47 से

आषाढ़ कृष्णा–अमावस्या
दिन 10:07 तक
18
मृगशिरा नक्षत्र
शाम 6:07 तक
मिथुन

आषाढ़ शुक्ला–7
रात्रि 12:25 तक
25
पूर्वाफाल्गुनी नक्षत्र
दिन 10:11 तक
कन्या शाम 4:52 से

सोम MONDAY
राहुकाल
प्रातः 7.30 बजे से
9.00 बजे

पुष्य नक्षत्र
21 ता. बुधवार
रात्रि 1.21 तक

आषाढ़ कृष्णा–1 क्षय तिथि 2
सवेरे 6:40 तक
5
मृगशिरा नक्षत्र
रात्रि 1:23 तक
धनु

आषाढ़ कृष्णा–9
दिन 10:35 तक
12
उत्तराभाद्र पद नक्षत्र
दिन 11:50 तक
मीन

आषाढ़ शुक्ला–1
दिन 11:25 तक
19
आर्द्रा नक्षत्र
रात्रि 8:10 तक
गुरु नवरात्रा प्रा. मिथुन

आषाढ़ शुक्ला–8
रात्रि 2:05 तक
26
उत्तराफाल्गुनी नक्षत्र
दिन 12:43 तक
आ.श्री गणेशीलाल जी म.सा. आ. पद दि. कन्या

मंगल TUESDAY
राहुकाल
मध्यान्ह 3:00 बजे से
4:30 बजे

ज्वालामुखी योग
5 ता. सूर्योदय से रात्रि 1.23 तक
रोहिणी नक्षत्र
17 ता. शनिवार शाम 4.25 तक

आषाढ़ कृष्णा–3
रात्रि 12:51 तक
6
पूर्वाषाढ़ा नक्षत्र
रात्रि 11:14 तक
मकर रात्रि 4:49 से

आषाढ़ कृष्णा–10
सवेरे 9:29 तक
13
रेवती नक्षत्र
दिन 1:33 तक
पंचक ता. दोपहर 1.33 तक
मेष दिन 11:00 से

आषाढ़ शुक्ला–2
दिन 1:07 तक
20
पुर्नवसु नक्षत्र
रात्रि 10:36 तक
कर्क दिन 3:58 से

आषाढ़ शुक्ला–9
रात्रि 3:05 तक
27
हस्त नक्षत्र
दिन 2:43 तक
भड़ली नवमीं
तुला रात्रि 3:28 से

बुध WEDNESDAY
राहुकाल
मध्यान्ह 12:00 बजे से
1:30 बजे

त्रिपुष्कर योग
20 ता. सूर्योदय से रात्रि 10.36 तक
25 ता. प्रातः 10.11 से सम्पूर्ण रात्रि

आषाढ़ कृष्णा–4
रात्रि 9:51 तक
7
उत्तराषाढ़ा नक्षत्र
रात्रि 9:03 तक
मकर

आषाढ़ कृष्णा–11
सवेरे 8:49 तक
14
अश्विनी नक्षत्र
दिन 1:41 तक
मेष

आषाढ़ शुक्ला–3
दिन 3:10 तक
21
पुष्य नक्षत्र
रात्रि 11:21 तक
आ.श्री श्रीलालजी म.सा. निर्वाण दि. आ.श्री जवाहरलाल जी म.सा. आ.पद जय. विश्व योग दिवस कर्क

आषाढ़ शुक्ला–10
रात्रि 3:15 तक
28
चित्रा नक्षत्र
दिन 4:01 तक
तुला

गुरू THURSDAY
राहुकाल
मध्यान्ह 1:30 बजे से
3:00 बजे

ज्येष्ठ शुक्ला –12
दिन 1:40 तक
1
चित्रा नक्षत्र
सवेरे 6:49 तक
तुला

आषाढ़ कृष्णा–5
रात्रि 6:59 तक
8
श्रवण नक्षत्र
रात्रि 6:59 तक
मकर

आषाढ़ कृष्णा–12
सवेरे 8:33 तक
15
भरणी नक्षत्र
दिन 2:12 तक
मिथुन संक्रान्ति
वृषभ रात्रि 8:24 से

आषाढ़ शुक्ला–4
शाम 5:28 तक
22
आश्लेषा नक्षत्र
रात्रि 4:18 तक
सिंह रात्रि 4:18 से

आषाढ़ शुक्ला–11
रात्रि 2:42 तक
29
स्वाति नक्षत्र
शाम 4:30 तक
देवशयनी एकादशी बकराईद
तुला

शुक्र FRIDAY
राहुकाल
मध्यान्ह 10:30 बजे से
12:00 बजे

ज्येष्ठ शुक्ला –13
दिन 12:49 तक
2
स्वाति नक्षत्र
सवेरे 6:53 तक
वृश्चिक रात्रि 12:29 से

आषाढ़ कृष्णा–6
शाम 4:21 तक
9
धनिष्ठा नक्षत्र
शाम 5:09 तक
पंचक प्रातः 6.02 से
कुंभ सवेरे 6:02 से

आषाढ़ कृष्णा–13
सवेरे 8:41 तक
16
कृतिका नक्षत्र
दिन 3:07 तक
वृषभ

आषाढ़ शुक्ला–5
रात्रि 7:54 तक
23
मघा नक्षत्र
पुरे दिन–रात
सिंह

आषाढ़ शुक्ला–12
रात्रि 1:17 तक
30
विशाखा नक्षत्र
दिन 4:10 तक
आ.श्री श्रीलालजी म.सा. जन्म ज. वृश्चिक दि. 10:20 से

शनि SATURDAY
राहुकाल
प्रातः 9:00 बजे से
10:30 बजे

ज्येष्ठ शुक्ला –14
दिन 11:17 तक
3
विशाखा नक्षत्र सवेरे 6:16 तक
अनुराधा नक्षत्र अन्त. 5:04 तक
पक्खी पर्व
वृश्चिक

आषाढ़ कृष्णा–7
दिन 2:02 तक
10
शतभिषा नक्षत्र
दिन 3:39 तक
कुंभ

आषाढ़ कृष्णा–14
सवेरे 9:12 तक
17
रोहिणी नक्षत्र
शाम 4:25 तक
पक्खी पर्व
मिथुन अन्तरात्रि 5:13 से

आषाढ़ शुक्ला–6
रात्रि 10:17 तक
24
मघा नक्षत्र
सवेरे 7:18 तक
सिंह

पक्खी पर्व
ता. 3 शनि. ज्येष्ठ शुक्ला–14
ता. 17 शनि. आषाढ़ कृष्णा–14

संक्रान्ति
मिथुन की संक्रांति
15 ता. आषाढ़ कृष्ण बारस

जैन पर्व
* ता. 21 आषाढ शुक्ला 3 ज्योतिर्धर क्रान्तदृष्टा आचार्य श्री जवाहरलाल जी म.सा. आचार्य पद जयन्ती (भीनासर, बीकानेर) वि.सं. 1977, दुर्जय काम विजेता आचार्य श्री श्रीलालजी म.सा. निर्वाण (स्थल–जेतारण, राज.), वि.सं. 1977 * ता. 22 आद्रा नक्षत्र प्रा. * ता. 26 आषाढ शुक्ला 8 संयम साधना के प्रबल प्रेरक आचार्य श्री गणेशीलाल जी म.सा. आचार्य पद तिथि (भीनासर, बीकानेर) वि.सं. 2000 * ता. 30 आषाढ शुक्ला 12 दुर्जय काम विजेता आचार्य श्री श्रीलालजी म.सा. जन्म जयन्ती, (टोंक, राज.), वि.सं. 1926

त्यौहार व अवकाश
* ता. 05 विश्वपर्यावरण दिवस * ता. 21 विश्व योग दिवस * ता. 27 भड़ली नवमी
* ता. 29 देवशयनी एकादशी * ता. 29 बकरा ईद

पंचक
* 9 ता. प्रातः 6.02 से 13 ता. दोपहर 1.33 तक

।। जय नानेश ।। ।। जय जिनेश ।। ।। जय ज्ञानेश ।।

उचित मूल्य पर आप को स्वच्छ एवं शुद्ध मसाला मिलेगा एक बार सेवा का मौका अवश्य देवें)

ज्ञान गुरु की कृपा भारी, खिलती बगिया सदा हमारी

यशिक ट्रेडिंग कंपनी
(सभी तरह के मसालों के थोक विक्रेता)
97 मंडी, फेंटनगंज नियर रेलवे स्टेशन जालंधर
वंदनकर्ता– संत कुमार– ज्योति, मुनीष–भाविका, अनेकांत–अनुष्का, श्रेयांश, वृष्टि मकसूदा जालंधर
संपर्क सूत्र– 93572 52385

दिन के चौघड़िये

रवि	सोम	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल	काल
चल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ
लाभ	शुभ	चल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग
अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल	काल	उद्वेग
काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल
शुभ	चल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ
रोग	लाभ	शुभ	चल	काल	उद्वेग	अमृत
उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल	काल

रात्रि के चौघड़िये

रवि	सोम	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
शुभ	चल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ
अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल	काल	उद्वेग
चल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ
रोग	लाभ	शुभ	चल	काल	उद्वेग	अमृत
काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल
लाभ	शुभ	चल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग
उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल	काल
शुभ	चल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ

* शुभ, लाभ, अमृत एवं चल शुभ होते है।
* काल, रोग, एव उद्वेग अशुभ होते है।

सर्वार्थ सिद्धि योग
4 ता. रात्रि 3.23 से 5 ता. प्रात: 5.49 तक
11 ता. दोपहर 2.32 से 12 ता. प्रात: 5.49 तक
13 ता. दोपहर 1.33 से 14 ता. प्रात: 5.49 तक
17 ता. प्रात: 5.49 से शाम 4.25 तक
25 ता. प्रात: 10.11 से 26 ता. प्रात: 5.51 तक
30 ता. शाम 4.10 से 1 ता. प्रात: 5.52 तक

अमृत सिद्धि योग
13 ता. दोपहर 1.33 से 14 ता. 5.49 तक
17 ता. सूर्योदय 5.49 से शाम 4.25 तक

राज योग
6 ता. सूर्योदय से रात्रि 11.14 तक
20 ता. रात्रि 10.36 से 21 ता. रात्रि 12.21 तक
30 ता. शाम 4.10 से रात्रि 12.17 तक

कुमार योग
5 ता. सूर्योदय से प्रात: 6.40 तक
13 ता. दोपहर 1.33 से 14 ता. दोपहर 1.41 तक
23 ता. सूर्योदय से सम्पूर्णरात्रि तक

स्थिर योग
10 ता. दोपहर 2.02 से दोपहर 3.39 तक
15 ता. दोहपर 2.12 से सम्पूर्ण रात्रि तक
22 ता. सूर्योदय से अन्तरात्रि 4.28 तक

रवि योग
2 ता. 6.53 से 3 ता. प्रात: 6.16 तक
9 ता. शाम 5.09 से 10 ता. दोपहर 3.39 तक
20 ता. रात्रि 10.36 से 21 ता. रात्रि 12.21 तक
24 ता. प्रात: 7.18 से 25 ता. प्रात: 10.19 तक
27 ता. दोपहर 2.43 से 29 ता. शाम 4.30 तक

सिद्धि योग
3 ता. सूर्योदय से प्रात: 11.17 तक
6 ता. सूर्योदय से रात्रि 12.51 तक
8 ता. सूर्योदय से शाम 6.59 तक
9 ता. सूर्योदय से शाम 4.29 तक
14 ता. प्रात: 8.49 से सम्पूर्ण रात्रि तक
17 ता. सूर्योदय से प्रात: 9.12 तक
20 ता. दोपहर 1.07 से सम्पूर्ण रात्रि तक
22 ता. शाम 5.28 से सम्पूर्ण रात्रि तक
23 ता. रात्रि 7.54 से सम्पूर्ण रात्रि तक

ज्ञान वृद्धि कराने में सहायक नक्षत्र
1 ता. सूर्योदय से प्रात: 6.49 तक
4 ता. रात्रि 3.23 से 6 ता. रात्रि 9.03 तक
10 ता. दोपहर 3.39 से 11 ता. दोपहर 2.32 तक
17 ता. शाम 4.25 से 19 ता. रात्रि 8.10 तक
20 ता. रात्रि 10.36 से 22 ता. रात्रि 4.18 तक
22 ता. दोपहर 1.35 से 24 ता. दोपहर 1.42 तक
24 ता. प्रात: 7:18 से 25 ता. प्रात: 10:11 तक
26 ता. दोपहर 12:43 से 28 ता. शाम 4:01 तक

भद्रा योग
3 ता. दोपहर 11.17 से रात्रि 10.18 तक
6 ता. दोपहर 2.21 से रात्रि 12.51 तक
9 ता. शाम 4.21 से रात्रि 3.09 तक
12 ता. रात्रि 9.59 से 13 ता. प्रात: 9.29 तक
16 ता. प्रात: 8.41 से रात्रि 8.53 तक
21 ता. प्रात: 8.17 से 22 ता. शाम 5.28 तक
25 ता. रात्रि 12.25 से 26 ता. दोपहर 1.19 तक
29 ता. दोपहर 3.27 से रात्रि 2.42 तक

मृत्यु योग (प्रारम्भ से 4 घण्टा 48 मिनिट अशुभ)
14 ता. सूर्योदय से दोपहर 1.41 तक

।। जय नानेश ।। ।। जय जिनेश ।। ।। जय ज्ञानेश ।।

महासाध्वी गुरुवर्या ललिताश्रीजी म.सा.
एवं बाई महाराज शुभाश्रीजी म.सा.
को शत्–शत् वंदन

ज्ञान गुरु का शरणा पाओ :
दुःख अपने सब दूर भगाओ।

श्री बालाजी हार्डवेयर एण्ड इलैक्ट्रीकल्स
के. एम. रोड़, कडूर (कर्नाटक) 577548

वंदनकर्त्ता
भंवरलाल-शिखरचंद संचेती, पुत्रवधु- प्रमीला, पौत्र- प्रांशु
पोतियाँ - हर्षिता इशिका एवं समस्त परिवार कडूर/देशनोक

जय जिनेश जय नानेश जय ज्ञानेश

ज्ञान गुरु की जहाँ महर है,
वहाँ-वहाँ पे लीला लहर है

मेहता परिवार
A-12 मित्तल टॉवर, नरिमन पॉईंट, मुम्बई

वन्दनकर्त्ता
किशोर–आशा
भविक, ओजस मेहता, मुम्बई

आपको यह हर वक्त पता होता है कि आपके पास कितनी दौलत है। परन्तु आप यह बिल्कुल भी नहीं जानते कि आपके पास कितना वक्त है।

।। जय नानेश ।। ।। श्री महावीराय नमः ।। ।। जय ज्ञानेश ।।

''णमोत्थुणं अरिहन्ताणं भगवंताणं जाव संपत्ताणं'' णमो जिणाणं जिअभयाणं।
''णमोत्थुणं अरिहन्ताणं भगवंताणं जाव संपाविउकामाणं'' णमो जिणाणं जिअभयाणं

श्री अरिहंतमार्गी जैन महासंघ द्वारा प्रकाशित

अरिहंत जैन कैलेण्डर

निर्णय सागर पंचांग के अनुसार

विक्रम संवत् 2080 | जुलाई 2023 (आषाढ़ शुक्ला-13 से प्र. श्रावण शुक्ला-13 तक) | वीर निर्वाण संवत् 2549

वार					
रवि SUNDAY राहुकाल सायं 4:30 बजे से 6:00 बजे	प्र. श्रावण शुक्ला–12 दिन 10:35 तक **30** धनु मूला नक्षत्र रात्रि 9:33 तक	आषाढ़ शुक्ला – 14 रात्रि 8:21 तक पक्खी पर्व चातुर्मास प्रा. **2** धनु दिन 1:18 से ज्येष्ठा नक्षत्र दिन 1:18 तक	प्र. श्रावण कृष्णा–7 रात्रि 8:00 तक **9** मीन उत्तराभाद्र पद नक्षत्र रात्रि 2:39 तक	प्र. श्रावण कृष्णा–14 रात्रि 10:08 तक कर्क संक्रान्ति **16** मिथुन आर्द्रा नक्षत्र रात्रि 2:39 तक	प्र. श्रावण शुक्ला–5 दिन 11:45 तक तिलक व आजाद जय. **23** कन्या उत्तराफाल्गुनी नक्षत्र रात्रि 7:47 तक
सोम MONDAY राहुकाल प्रात: 7:30 बजे से 9:00 बजे	प्र. श्रावण शुक्ला–13 सवेरे 7:23 तक क्षय तिथि 14 **31** मकर राशि 12:16 से पूर्वाषाढ़ा नक्षत्र रात्रि 6:59 तक	आषाढ़ शुक्ला–पूर्णिमा शाम 5:08 तक गुरु पूर्णिमा **3** धनु मूला नक्षत्र दिन 11:01 तक	प्र. श्रावण कृष्णा–8 रात्रि 6:44 तक पंचक शाम 6.59 तक **10** मेष राशि 6:59 तक रेवती नक्षत्र रात्रि 6:59 तक	प्र. श्रावण कृष्णा–अमा. रात्रि 12:01 तक हरियाली अमावस्या पक्खी पर्व **17** कर्क राशि 10:32 से पुर्नवसु नक्षत्र अन्तरात्रि 5:11 तक	प्र. श्रावण शुक्ला–6 दिन 1:43 तक **24** कन्या हस्त नक्षत्र रात्रि 10:13 तक
मंगल TUESDAY राहुकाल मध्यान्ह 3:00 बजे से 4:30 बजे	पुष्य नक्षत्र 18 ता. मंगलवार सम्पूर्ण दिन–रात रोहिणी नक्षत्र 14 ता. शुक्रवार रात्रि 10.27 तक	प्र. श्रावण कृष्णा–1 दिन 1:38 तक **4** मकर दिन 1:44 से पूर्वाषाढ़ा नक्षत्र सवेरे 8:25 तक उत्तराषाढ़ा नक्षत्र अन्तरात्रि 5:39 तक	प्र. श्रावण कृष्णा–9 शाम 6:05 तक **11** मेष आश्विनी नक्षत्र रात्रि 7:04 तक	प्र. श्रावण शुक्ला–1 रात्रि 2:10 तक अधिक मास प्रारम्भ **18** कर्क पुष्य नक्षत्र पुरे दिन–रात	प्र. श्रावण शुक्ला–7 दिन 3:09 तक **25** तुला राशि 7:23 से चित्रा नक्षत्र रात्रि 2:03 तक
बुध WEDNESDAY राहुकाल मध्यान्ह 12:00 बजे से 1:30 बजे	क्षय तिथि ता. 6 गुरु. प्र. श्रावण कृष्णा 4 वृद्धि तिथि ता. 21 शुक्र. प्र. श्रावण शुक्ला 3 पक्खी पर्व ता. 2 रवि. आषाढ़ शुक्ला–14 ता. 17 सोम. प्र.श्रावण कृष्णा अमा.	प्र. श्रावण कृष्णा–2 दिन 10:02 तक **5** मकर श्रवण नक्षत्र रात्रि 2:56 तक	प्र. श्रावण कृष्णा–10 शाम 6:00 तक **12** वृषभ राशि 1:58 से भरणी नक्षत्र रात्रि 7:43 तक	प्र. श्रावण शुक्ला–2 रात्रि 4:31 तक **19** कर्क पुष्य नक्षत्र सवेरे 7:58 तक	प्र. श्रावण शुक्ला–8 दिन 3:53 तक **26** तुला स्वाति नक्षत्र रात्रि 1:11 तक
गुरू THURSDAY राहुकाल मध्यान्ह 1:30 बजे से 3:00 बजे	अभिजित नक्षत्र 5 ता. बुधवार दिन 12:21 से रात्रि 7:04 तक द्विपुष्कर योग 25 ता. सूर्योदय से दोपहर 3.09 तक	प्र. श्रावण कृष्णा–3 क्षय तिथि 4 सवेरे 6:30 तक आ.श्री गणेशीलाल जी म.सा. की ज.जय. पंचक दोपहर 1.39 से **6** कुंभ दिन 1:39 तक धनिष्ठा नक्षत्र रात्रि 12:25 तक	प्र. श्रावण कृष्णा–11 शाम 6:25 तक **13** वृषभ कृतिका नक्षत्र रात्रि 8:52 तक	प्र. श्रावण शुक्ला–3 पुरे दिन–रात **20** सिंह दिन 10:55 से आश्लेषा नक्षत्र दिन 10:55 तक	प्र. श्रावण शुक्ला–9 दिन 3:48 तक **27** वृश्चिक राशि 7:29 से विशाला नक्षत्र रात्रि 1:25 तक
शुक्र FRIDAY राहुकाल मध्यान्ह 10:30 बजे से 12:00 बजे	संक्रांति कर्क की संक्रांति 16 ता. प्र. श्रावण कृष्ण चौदस मृत्यु योग (प्रारम्भ से 4 घण्टा 48 मिनिट अशुभ) 31 ता. शाम 6.59 से सम्पूर्ण रात्रि तक	प्र. श्रावण कृष्णा–5 रात्रि 12:17 तक **7** कुंभ शतभिषा नक्षत्र रात्रि 10:16 तक	प्र. श्रावण कृष्णा–12 रात्रि 7:17 तक **14** वृषभ रोहिणी नक्षत्र रात्रि 10:27 तक	प्र. श्रावण शुक्ला–3 वृद्धि तिथि 3 सवेरे 6:59 तक **21** सिंह मघा नक्षत्र दिन 1:58 तक	प्र. श्रावण शुक्ला–10 दिन 2:52 तक **28** वृश्चिक अनुराधा नक्षत्र रात्रि 12:56 तक
शनि SATURDAY राहुकाल प्रात: 9:00 बजे से 10:30 बजे	आषाढ़ शुक्ला–13 रात्रि 11:07 तक **1** वृश्चिक अनुराधा नक्षत्र दिन 3:04 तक	प्र. श्रावण कृष्णा–6 रात्रि 9:52 तक **8** मीन दिन 2:58 से पूर्वाभाद्र पद नक्षत्र रात्रि 8:36 तक	प्र. श्रावण कृष्णा–13 रात्रि 8:33 तक **15** मिथुन दिन 11:23 से मृगशिरा नक्षत्र रात्रि 12:23 तक	प्र. श्रावण शुक्ला–4 सवेरे 9:27 तक **22** कन्या राशि 11:42 से पूर्वाफाल्गुनी नक्षत्र शाम 4:59 तक	प्र. श्रावण शुक्ला–11 दिन 1:06 तक मोहर्रम ताजिया **29** धनु राशि 11:35 से ज्येष्ठा नक्षत्र रात्रि 11:35 तक

सर्वार्थ सिद्धि योग
2 ता. दोपहर 1.58 से 3 ता. प्रात: 5.53 तक
9 ता. प्रात: 5.55 से रात्रि 7.29 तक
11 ता. प्रात: 5.56 से रात्रि 7.04 तक
12 ता. रात्रि 7.43 से 13 ता. प्रात: 5.57 तक
17 ता. अंतरात्रि 5.11 से 18 ता. प्रात: 6.00 तक
23 ता. प्रात: 6.02 से 24 ता. प्रात: 6.03 तक
27 ता. रात्रि 1:28 से 28 ता. रात्रि 12:56 तक
30 ता. प्राप्त 6.06 से रात्रि 9.33 तक

अमृत सिद्धि योग
11 ता. सूर्योदय 5.56 से शाम 7.04 तक
23 ता. रात्रि 7.47 से 24 ता. प्रात: 6.03 तक

रवि योग
1 ता. दोपहर 3.04 से 2 ता. दोपहर 1.18 तक
8 ता. रात्रि 8.36 से 9 ता. रात्रि 7.29 तक
20 ता. प्रात: 10.55 से शाम 4.56 तक
21 ता. दोपहर 1,58 से 22 ता. शाम 4.59 तक
23 ता. रात्रि 7.47 से 24 ता. रात्रि 10.13 तक
26 ता. रात्रि 1.11 से 28र ता. रात्रि 12.56 तक
30 ता. रात्रि 9.33 से 31 ता. शाम 6.59 तक

कुमार योग
7 ता. रात्रि 10.16 से सम्पूर्ण रात्रि तक
24 ता. सूर्योदय से दोपहर 1.43 तक

सिद्धि योग
1 ता. रात्रि 11.07 से सम्पूर्ण रात्रि तक
5 ता. सूर्योदय से प्रात: 10.02 तक
6 ता. रात्रि 3.13 से सम्पूर्ण रात्रि तक
15 ता. रात्रि 8.33 से सम्पूर्ण रात्रि तक
19 ता. सूर्योदय से रात्रि 4.31 तक
22 ता. सूर्योदय से प्रात: 9.27 तक
25 ता. दोपहर 3.09 से सम्पूर्ण रात्रि तक
27 ता. दोपहर 3.48 से सम्पूर्ण रात्रि तक
28 ता. दोपहर 2.52 से सम्पूर्ण रात्रि तक

स्थिर योग
1 ता. दोपहर 3.04 से सम्पूर्ण रात्रि
6 ता. रात्रि 12.25 से रात्रि 3.13 तक
15 ता. रात्रि 12.23 से सम्पूर्ण रात्रि

राज योग
5 ता. रात्रि 2.56 से सम्पूर्ण रात्रि तक
9 ता. सूर्योदय से रात्रि 7.29 तक
20 ता. रात्रि 10.36 से 21 ता. दोपहर 3.10 तक
30 ता. शाम 4.10 से सम्पूर्ण रात्रि तक

ज्ञान वृद्धि कराने में सहायक नक्षत्र
2 ता. दोपहर 1.18 से 4 ता. प्रात: 8.25 तक
7 ता. रात्रि 10.16 से 8 ता. रात्रि 8.36 तक
14 ता. रात्रि 10.27 से 16 ता. रात्रि 2.39 तक
17 ता. अंतरात्रि 5.11 से 20 ता. प्रात: 10.55 तक
21 ता. दोपहर 1.58 से22 ता. शाम 4.59 तक
23 ता. रात्रि 7.47 से 25 ता. रात्रि 12.03 तक
29 ता. रात्रि 11.35 से 31 ता. शाम 6.59 तक

भद्रा योग
2 ता. रात्रि 8.21 से 3 ता. प्रात: 6.48 तक
5 ता. रात्रि 8.15 से 6 ता. प्रात: 6.30 तक
8 ता. रात्रि 9.52 से 9 ता. प्रात: 8.51 तक
12 ता. प्रात: 5.58 से शाम 6.00 तक
15 ता. रात्रि 8.33 से 16 ता. प्रात: 9.18 तक
21 ता. रात्रि 8.13 से 22 ता. प्रात: 9.27 तक
25 ता. दोपहर 3.09 से रात्रि 3.37 तक
28 ता. रात्रि 2.05 से 29 तो. को दोपहर 1.06 तक
31 ता. रात्रि 3.52 से दोपहर 1.58 तक

जैन पर्व ✻ ता. 2 आषाढ शुक्ला 14 चातुर्मास प्रारम्भ ✻ ता. 3 गुरु पूर्णिमा ✻ ता. 6 श्रावण कृष्णा 3 संयम साधना के प्रबल प्रेरक आचार्य श्री गणेशीलाल जी म.सा. की जन्म जयन्ती (उदयपुर–राज.) वि.सं. 1947

त्यौहार व अवकाश ✻ ता. 8 को बडली नवमी ✻ ता. 10 देवशयनी एकादशी, बकरा ईद ✻ ता. 13 गुरु पूर्णिमा ✻ ता. 28 हरियाली अमावस्या

पंचक ✻ 6 ता. दोपहर 1.39 से 10 ता. शाम 6.59 तक

Indraprastha Gems
Shard Malu : 9810308910
Shop No. 202, 2nd Floor, Johri Bazar, Gali No. 61-62 Gurudwara Road, Naiwala, Karol Bagh, Delhi-110005
Deals in : GEMS &JEWELLERS

दिन के चौघड़िये

रवि	सोम	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
चल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ
लाभ	शुभ	चल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग
अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल	काल	उद्वेग
काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल
शुभ	चल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ
रोग	लाभ	शुभ	चल	काल	उद्वेग	अमृत
उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल	काल

रात्रि के चौघड़िये

रवि	सोम	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
शुभ	चल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ
अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल	काल	उद्वेग
चल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ
रोग	लाभ	शुभ	चल	काल	उद्वेग	अमृत
काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल
लाभ	शुभ	चल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग
उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल	काल
शुभ	चल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ

✻ शुभ, लाभ, अमृत एवं चल शुभ होते है।
✻ काल, रोग, एव उद्वेग अशुभ होते है।

।। जय नानेश ।। ।। जय जिनेश ।। ।। जय ज्ञानेश ।।
जीवन सफल बनाना है, ज्ञान गुरु शरण में आना है
Sumati Plastics Pvt. Ltd.
New Delhi (M) 9312508094
Gyanesh Polymers
Guvahati (Assam) M. 8811018552
Arihant Plastics
Guvahati (Assam) M. 8474060661
MFR : LDPE Shrink Film, Lamination Film, Stretch Film, Air Bubble Film & Industrial Packaging Bags
Bimal-Savitri Sethia, Dipesh-Bhavna Sethia, Prakash-Kiran Sethia Vinay-Preeti Dugar, & Mahak, Hirday, Bhavay Sethia & Radhima Dugar

जय जिनेश जय नानेश जय ज्ञानेश
ज्ञान गुरु की जहाँ महर है,
वहाँ-वहाँ पे लीला लहर है

मेहता परिवार
A-12 मित्तल टॉवर, नरिमन पॉइंट, मुम्बई
वन्दनकर्ता
किशोर-आशा
भविक, ओजस मेहता, मुम्बई

पत्तों सी होती है कई रिश्तों की उम्र... आज हरे... कल सूखे क्यों ना हम जड़ों से सीखें... रिश्ते निभाना।

।। जय नानेश ।। ।। श्री महावीराय नमः ।। ।। जय ज्ञानेश ।।

''णमोत्थुणं अरिहन्ताणं भगवंताणं जाव संपत्ताणं'' णमो जिणाणं जिअभयाणं।
''णमोत्थुणं अरिहन्ताणं भगवंताणं जाव संपाविउकामाणं'' णमो जिणाणं जिअभयाणं

श्री अरिहंतमार्गी जैन महासंघ द्वारा प्रकाशित

अरिहंत जैन कैलेण्डर

निर्णय सागर पंचांग के अनुसार

विक्रम संवत् 2080

अगस्त 2023 (प्र. श्रावण शुक्ला पूर्णिमा से द्वि. श्रावण शुक्ला पूर्णिमा तक)

वीर निर्वाण संवत् 2549

रवि SUNDAY

राहुकाल
सायं 4:30 बजे से
6:00 बजे

पुष्य नक्षत्र
15 ता. मंगलवार
दोपहर 1.59 तक

रोहिणी नक्षत्र
10 ता. गुरुवार
रात्रि 2.29 तक

द्वि. श्रावण कृष्णा–5
सवेरे 7:10 तक
पंचक रात्रि 1.44 तक
क्षय तिथि 6
मेष रात्रि 1:44 तक
6
रेवती नक्षत्र
रात्रि 1:44 तक

द्वि. श्रावण कृष्णा–12
सवेरे 8:20 तक
कर्क रात्रि 4:26 तक
13
आर्द्रा नक्षत्र
सवेरे 8:27 तक

द्वि. श्रावण शुक्ला–4
रात्रि 12:25 तक
कन्या
20
हस्त नक्षत्र
रात्रि 4:22 तक

द्वि. श्रावण शुक्ला–11
दिन 9:33 तक
तुला
27
मूला नक्षत्र सवेरे 7:16 तक
पूर्वाषाढ़ा नक्षत्र अन्तरात्रि 5:15 तक

सोम MONDAY

राहुकाल
प्रात: 7:30 बजे से
9:00 बजे

पक्खी पर्व
1 ता. मंगलवार
प्र. श्रावण शुक्ला पूर्णिमा
16 ता. बुध. द्वि. श्रावण कृष्णा अमा.
30 ता. बुध. द्वि. श्रावण शुक्ला 14

द्वि. श्रावण कृष्णा–7
रात्रि 4:15 तक
7
अश्विनी नक्षत्र
रात्रि 1:17 तक
मेष

द्वि. श्रावण कृष्णा–13
दिन 10:26 तक
पर्यूषण पर्व प्रा.
14
पुर्नवसु नक्षत्र
दिन 11:07 तक
कर्क

द्वि. श्रावण शुक्ला–5
रात्रि 4:01 तक
संवत्सरी महापर्व/नाग पंचमी
21
चित्रा नक्षत्र
पूरे दिन–रात
तुला दिन 3:39 से

द्वि. श्रावण शुक्ला–12
रात्रि 6:23 तक
28
उत्तराषाढ़ा नक्षत्र
रात्रि 2:43 तक
मकर दिन 10:40 से

मंगल TUESDAY

राहुकाल
मध्यान्ह 3:00 बजे से
4:30 बजे

प्र. श्रावण शुक्ला–पूर्णिमा
रात्रि 2:02 तक
पक्खी पर्व
1
उत्तराफाल्गुनी नक्षत्र
दिन 4:03 तक
मकर

द्वि. श्रावण कृष्णा–8
रात्रि 3:53 तक
8
भरणी नक्षत्र
रात्रि 1:32 तक
मेष

द्वि. श्रावण कृष्णा–14
दिन 12:43 तक
स्वतंत्रता दिवस
15
पुष्य नक्षत्र
दिन 1:59 तक
कर्क

द्वि. श्रावण शुक्ला–6
रात्रि 3:06 तक
22
चित्रा नक्षत्र
सवेरे 6:32 तक
तुला

द्वि. श्रावण शुक्ला–13
दिन 2:48 तक
29
श्रमण नक्षत्र
रात्रि 11:50 तक
मकर

बुध WEDNESDAY

राहुकाल
मध्यान्ह 12:00 बजे से
1:30 बजे

द्वि. श्रावण कृष्णा–1
रात्रि 8:06 तक
पंचक रात्रि 11.56 से
2
श्रवण नक्षत्र
दिन 12:58 तक
कुंभ रात्रि 11:26 से

द्वि. श्रावण कृष्णा–9
रात्रि 4:12 तक
9
कृतिका नक्षत्र
रात्रि 2:29 तक
वृषभ सवेरे 7:43 से

द्वि. श्रावण कृष्णा–अमा.
दिन 3:08 तक
अधिक मास समाप्त
पक्खी पर्व
16
आश्लेषा नक्षत्र
शाम 4:58 तक
सिंह शाम 4:58 से

द्वि. श्रावण शुक्ला–7
रात्रि 3:32 तक
23
स्वाति नक्षत्र
सवेरे 8:08 तक
वृश्चिक 4:54 से

द्वि. श्रावण शुक्ला–14
दिन 10:59 तक
पक्खी पर्व • रक्षा बंधन
पंचक प्रात: 10.19 से सम्पूर्ण
30
धनिष्ठा नक्षत्र
दिन 8:47 तक
कुंभ दिन 10:19 से

गुरू THURSDAY

राहुकाल
मध्यान्ह 1:30 बजे से
3:00 बजे

द्वि. श्रावण कृष्णा–2
दिन 4:17 तक
3
धनिष्ठा नक्षत्र
दिन 9:56 तक
कुंभ

द्वि. श्रावण कृष्णा–10
अन्तरात्रि 5:07 तक
10
रोहिणी नक्षत्र
रात्रि 4:01 तक
वृषभ

द्वि. श्रावण शुक्ला–1
दिन 3:36 तक
सिंह संक्रान्ति
17
मघा नक्षत्र
रात्रि 7:51 तक
सिंह

द्वि. श्रावण शुक्ला–8
रात्रि 3:11 तक
24
विशाखा नक्षत्र
सवेरे 9:04 तक
वृश्चिक

द्वि. श्रावण शुक्ला–पूर्णिमा
सवेरे 7:06 तक
31
शतभिषा नक्षत्र
दिन 3:45 तक
कुंभ

शुक्र FRIDAY

राहुकाल
मध्यान्ह 10:30 बजे से
12:00 बजे

द्वि. श्रावण कृष्णा–3
दिन 12:45 तक
4
शतभिषा नक्षत्र सवेरे 7:08 तक
पूर्वाभाद्रपद रात्रि 4:45 तक
मीन रात्रि 11:18 से

द्वि. श्रावण कृष्णा–11
पुरे दिन–रात
11
मृगशिरा नक्षत्र
अन्तरात्रि 6:03 तक
मिथुन शाम 4:59 से

द्वि. श्रावण शुक्ला–2
रात्रि 8:02 तक
18
पूर्वाफाल्गुनी नक्षत्र
रात्रि 10:57 तक
कन्या अन्तरात्रि 5:42 से

द्वि. श्रावण शुक्ला–9
रात्रि 2:03 तक
25
अनुराधा नक्षत्र
सवेरे 9:14 तक
वृश्चिक

क्षय तिथि
6 ता. रविवार
द्वि. श्रावण कृष्णा –6
वृद्धि तिथि
12 ता. शुक्रवार
द्वि.श्रावण कृष्णा–11

शनि SATURDAY

राहुकाल
प्रात: 9:00 बजे से
10:30 बजे

द्वि. श्रावण कृष्णा–4
दिन 9:41 तक
5
उत्तराभाद्र पद नक्षत्र
रात्रि 2:55 तक
मीन

द्वि. श्रावण कृष्णा–11
सवेरे 6:32 तक
वृद्धि तिथि 11
12
आर्द्रा नक्षत्र
पुरे दिन–रात
मिथुन

द्वि. श्रावण शुक्ला–3
रात्रि 10:20 तक
हरियाली तीज
19
उत्तराफाल्गुनी नक्षत्र
रात्रि 11:48 तक
कन्या

द्वि. श्रावण शुक्ला–10
रात्रि 12:09 तक
26
ज्येष्ठा नक्षत्र
सवेरे 8:38 तक
धनु सवेरे 8:38 से

संक्रान्ति
सिंह की संक्रांति
17 ता. द्वि. श्रावण शुक्ला 1
अभिजित नक्षत्र
1 ता.मंगलवार दिन 10:48
से शाम 5:27 तक

परम्परानुसार संवत्सरी 21 अगस्त युक्ति युक्त है। लेकिन क्षेत्रीय परिस्थिती के अनुसार एकता को मध्यनजर रखते हुए 19 सितम्बर को भी मनाई जा सकती है।

जैन पर्व ✲ ता. 14 पर्यूषण पर्व प्रारम्भा ✲ ता. 21 संवत्सरी महापर्व

त्यौहार व अवकाश ✲ ता. 15 स्वतंत्रता दिवस ✲ ता. 19 छोटी तीज ✲ ता. 21 नाग पंचमी ✲ ता. 30 रक्षा बन्धन

पंचक ✲ 2 ता. रात्रि 11.56 से 6 ता. रात्रि 1.44 तक, 30 ता. प्रात: 10.19 से सम्पूर्ण अगस्त

Indraprastha Gems
Shard Malu : 9810308910
Shop No. 202, 2nd Floor, Johri Bazar,
Gali No. 61-62 Gurudwara Road, Naiwala, Karol Bagh, Delhi-110005
Deals in : GEMS &JEWELLERS

सर्वार्थ सिद्धि योग
6 ता. रात्रि 1.44 से 7 ता. प्रात: 6.10 तक
8 ता. रात्रि 1.32 से 10 ता. प्रात: 6.11 तक
14 ता. प्रात: 11.07 से 15. ता. प्रात: 6.14 तक
15 ता. दोपहर 1.59 से 16 ता. प्रात: 6.14
20 ता. प्रात: 6.16 से अन्तरात्रि 4.22 तक
24 ता. प्रात: 9.04 से 25 ता. प्रात: 9.14 तक
27 ता. प्रात: 6.19 से प्रात: 7.16 तक
27 ता. अन्तरात्रि 5.15 से 28 ता. प्रात: 6.19 तक
28 तो. अंतरात्रि 4.43 से 29 ता. प्रात: 6.20 तक

अमृत सिद्धि योग
20 ता. प्रात: 6.16 से रात्रि 4.22 तक

स्थिर योग
19 ता. रात्रि 10.20 से रात्रि 1.48 तक

राजयोग
23 ता. प्रात: 8.08 से सम्पूर्ण रात्रि तक

कुमार योग
2 ता. सूर्योदय से दोपहर 12.58 तक

रवि योग
6 ता. रात्रि 1.44 से 7 ता. रात्रि 1.17 तक
19 ता. रात्रि 1.48 से 20 ता. रात्रि 4.22 तक
22 ता. प्रात: 6.32 से 23 ता. प्रात: 8.08 तक
25 ता. प्रात: 9.14 से 27 ता. प्रात: 7.16 तक
28 ता. रात्रि 2.43 से 29 ता. रात्रि 11.50 तक

सिद्धि योग
2 ता. रात्रि8.06 से सम्पूर्ण रात्रि तक
5 ता. सूर्योदय से प्रात: 9.41 तक
8 ता. सूर्योदय से रात्रि 3.53 तक
10 ता. सूर्योदय से अंतरात्रि 5.07 तक
11 ता. सूर्योदय से सम्पूर्ण रात्रि तक
19 ता. रात्रि 10.20 से सम्पूर्ण रात्रि तक
23 ता. सूर्योदय से रात्रि 3.32 तक
29 ता. सूर्योदय से दोपहर 3.58 तक
31 ता. सूर्योदय से प्रात: 7.06 तक

ज्ञान वृद्धि कराने में सहायक नक्षत्र
10 ता. रात्रि 4.01 से 13 ता. प्रात: 8.27 तक
14 ता. प्रात: 11.07 से 16 ता. शाम 4.58 तक
17 ता. रात्रि 7.59 से 18 ता. रात्रि 10.57 तक
19 ता. रात्रि 1.48 से 22 ता. प्रात: 6.32 तक
26 ता. प्रात: 8.38 से 27 ता. अंतरात्रि 5.15 तक
31 ता. शाम 5.45 से सम्पूर्ण रात्रि तक

भद्रा योग
3 ता. रात्रि 2.29 से 4 ता. दोपहर 12.45 तक
6 ता. अंतरात्रि 5.21 से 7 ता. शाम 4.42 तक
10 ता. शाम 4.35 से अंतरात्रि 5.07 तक
14 ता. प्रात: 10.26 से रात्रि 11.33 तक
20 ता. प्रात: 11.24 से रात्रि 12.23 तक
23 ता. रात्रि 3.32 से 24 ता. दोपहर 3.27 तक
27 ता. प्रात: 10.56 से रात्रि 9.33 तक
30 ता. प्रात: 10.59 से रात्रि 9.02 तक

मृत्यु योग (प्रारम्भ से 4 घण्टा 48 मिनिट अशुभ)
10 ता. रात्रि 4.01 से सम्पूर्ण रात्रि तक
19 ता. रात्रि 1.48 से सम्पूर्ण रात्रि तक
28 ता. सूर्योदय से रात्रि 2.43 तक

ज्वालामुखी योग
8 ता. रात्रि 1.32 से सम्पूर्ण रात्रि
9 ता. रात्रि 2.29 से सम्पूर्ण रात्रि

दिन के चौघाड़िये

रवि	सोम	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल	काल
चल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ
लाभ	शुभ	चल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग
अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल	काल	उद्वेग
काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल
शुभ	चल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ
रोग	लाभ	शुभ	चल	काल	उद्वेग	अमृत
उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल	काल

रात्रि के चौघाड़िये

रवि	सोम	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
शुभ	चल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ
अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल	काल	उद्वेग
चल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ
रोग	लाभ	शुभ	चल	काल	उद्वेग	अमृत
काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल
लाभ	शुभ	चल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग
उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल	काल
शुभ	चल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ

✲ शुभ, लाभ, अमृत एवं चल शुभ होते है।
✲ काल, रोग, एव उद्वेग अशुभ होते है।

।। जय नानेश ।। ।। जय जिनेश ।। ।। जय ज्ञानेश ।।
जिन शासन की शान गुरु नाना के प्राण,
जुग:जुग जीओ गुरुवर ज्ञान
LUNKAD ALUMINUM LIMITED
LUNKAD KABLES
ARIHANT INDUSTRIES
Manufacturers of :
AAA/ACSR/AAAC Couductors (ISI) H.T./L.T. Stay set • Earthing Pipe • V Cross
Factory Add.: Gate No. 144/2, 7th Milestone, Jalgaon Panchora Road, Shirsoli
Ph. : 0257-2225205 (O), 2200333, 22239586 (R) • Works : 2359252 • Fax : 0257-2225205
वंदनकर्ता सुरेन्द्र लुंकड, (भूतपुर्व अध्यक्ष राष्ट्रीय महासंघ), शिल्पा लुंकड, भूतपूर्व महिला संघ अध्यक्षा
रूपेश-रेखा, सेजल-सुलेखा, श्रीमती अनुष्का-श्रेयांस कटारिया, सिद्धार्थ, नीति, गौतम लुंकड परिवार जलगांव

जय जिनेश जय नानेश जय ज्ञानेश

ज्ञान गुरु की जहाँ महर है,
वहाँ-वहाँ पे लीला लहर है

मेहता परिवार
A-12 मित्तल टॉवर, नरिमन पॉईंट, मुम्बई
वन्दनकर्त्ता
किशोर-आशा
भविक, ओजस मेहता, मुम्बई

एक समझदार व्यक्ति वही है जो दूसरों को देखकर उनकी विशेषताओं से सीखता है। उनसे तुलना और ईर्ष्या नहीं करता।

।। जय नानेश ।।　।। श्री महावीराय नमः ।।　।। जय ज्ञानेश ।।

"णमोत्थुणं अरिहन्ताणं भगवंताणं जाव संपत्ताणं" णमो जिणाणं जिअभयाणं।
"णमोत्थुणं अरिहन्ताणं भगवंताणं जाव संपाविउकामाणं" णमो जिणाणं जिअभयाणं

श्री अरिहंतमार्गी जैन महासंघ द्वारा प्रकाशित

अरिहंत जैन कैलेण्डर

निर्णय सागर पंचांग के अनुसार

विक्रम संवत् 2080

सितम्बर 2023 भाद्र पद कृष्णा 2 से आश्विन कृष्णा 1 तक)

वीर निर्वाण संवत् 2549

रवि SUNDAY राहुकाल सायं 4:30 बजे से 6:00 बजे	**तिथि वृद्धि** ता. 15 शुक्रवार भाद्र पद कृष्णा - अमा. **तिथि क्षय** ता. 1 शुक्र. भाद्र पद कृष्णा-1 ता. 25 सोम. भाद्र पद शुक्ला - 11	भाद्र पद कृष्णा-4 रात्रि 6:25 तक **3** रेवती नक्षत्र दिन 10.39 तक पंचक प्रातः 10.39 तक मेष दिन10:39 से	भाद्र पद कृष्णा-11 रात्रि 9:29 तक **10** पुर्नवसु नक्षत्र शाम 5:07 तक कर्क दिन 10:25 से	भाद्र पद शुक्ला-2 दिन 11:09 तक **17** हस्त नक्षत्र दिन 10:02 तक कन्या संक्रान्ति तुला रात्रि 11:08 से	भाद्र पद शुक्ला-9 दिन 10:24 तक **24** पूर्वाषाढ़ा नक्षत्र दिन 1.42 तक मकर रात्रि 7:18 से
सोम MONDAY राहुकाल प्रातः 7:30 बजे से 9:00 बजे	**पुष्य नक्षत्र** 10 ता. रविवार संपूर्ण दिन-रात **रोहिणी नक्षत्र** 7 ता. गुरुवार प्रातः 10.25 तक	भाद्र पद कृष्णा-5 दिन 4:42 तक **4** अश्विनी नक्षत्र सवेरे 9:27 तक मेष	भाद्र पद कृष्णा-12 रात्रि 11:53 तक **11** पुष्य नक्षत्र रात्रि 8:01 तक कर्क	भाद्र पद शुक्ला-3 दिन 12:40 तक **18** चित्रा नक्षत्र दिन 12:08 तक तुला	भाद्र पद शुक्ला-10 सवेरे 7:56 तक तिथि क्षय 11 **25** उत्तराषाढ़ा नक्षत्र दिन 11:55 तक मकर
मंगल TUESDAY राहुकाल मध्यान्ह 3:00 बजे से 4:30 बजे	**अभिजित नक्षत्र** 25 ता. सोमवार सवेरे 6:24 दिन 1:23 तक **संक्रान्ति** कन्या की संक्रान्ति भाद्रपद शुक्ला 2 ता. 17 शनिवार	भाद्र पद कृष्णा-6 दिन 3:47 तक **5** भरणी नक्षत्र सवेरे 9:00 तक वृषभ दिन 3:01 तक	भाद्र पद कृष्णा-13 रात्रि 2:22 तक **12** आश्लेशा नक्षत्र रात्रि 11:02 तक पर्युषण पर्व प्रा. सिंह रात्रि 11:02 तक	भाद्र पद शुक्ला-4 दिन 1:45 तक **19** स्वाति नक्षत्र दिन 1:48 से संवत्सरी महापर्व तुला	भाद्र पद शुक्ला-12 रात्रि 1:46 तक **26** श्रवण नक्षत्र दिन 9:42 तक पंचक रात्रि 8.28 से कुंभ रात्रि 8:28 से
बुध WEDNESDAY राहुकाल मध्यान्ह 12:00 बजे से 1:30 बजे	**द्विपुष्कर योग** 17 ता. प्रातः 10.02 से 11.09 तक **ज्वालामुखी योग** 4 ता. प्रातः 9.27 से शाम 4.42 तक	भाद्र पद कृष्णा-7 दिन 3:38 तक **6** कृतिका नक्षत्र सवेरे 9:20 तक वृषभ	भाद्र पद कृष्णा-14 रात्रि 4:50 तक **13** मघा नक्षत्र रात्रि 2:01 तक सिंह	भाद्र पद शुक्ला-5 दिन 2:17 तक **20** विशाखा नक्षत्र दिन 2:59 तक वृश्चिक सवेरे 8:44 से	भाद्र पद शुक्ला-13 रात्रि 10:19 तक **27** धनिष्ठा नक्षत्र सवेरे 7:23 तक शतभिषा नक्षत्र रात्रि 4:29 तक कुंभ
गुरू THURSDAY राहुकाल मध्यान्ह 1:30 बजे से 3:00 बजे	**कुमार योग** 4 ता. सूर्योदय से प्रातः 9.27 तक 20 ता. सूर्योदय से दोपहर 2.59 तक 25 ता. दोपहर 11.55 से संपूर्ण रात्रि तक **पक्खी पर्व** 14 ता. गुरु. भाद्र पद कृष्णा-अमा. 29 ता. शुक्र. भाद्र पद शुक्ला-पूर्णिमा	भाद्र पद कृष्णा-8 दिन 4:15 तक **7** रोहिणी नक्षत्र दिन 10.25 तक मिथुन रात्रि 11:13 तक	भाद्र पद कृष्णा-अमाव. पुरे दिन-रात **14** पूर्वाफाल्गुनी नक्षत्र रात्रि 4:54 तक पक्खी पर्व सिंह	भाद्र पद शुक्ला-6 दिन 2:15 तक **21** अनुराधा नक्षत्र दिन 3:35 तक वृश्चिक	भाद्र पद शुक्ला-14 रात्रि 6:50 तक **28** पुर्वाभाद्र नक्षत्र रात्रि 1:49 तक मीन रात्रि 8:28 से
शुक्र FRIDAY राहुकाल मध्यान्ह 10:30 बजे से 12:00 बजे	भाद्र पद कृष्णा-2 रात्रि 11:51 तक तिथि क्षय 1 **1** पूर्वा भाद्र पद दिन 2:56 तक पंचक प्रा. मीन सवेरे 9:37 तक	भाद्र पद कृष्णा-9 दिन 5:31 तक **8** मृगशिरा नक्षत्र दिन 12:10 तक मिथुन	भाद्र पद कृष्णा-अमाव. सवेरे 7:10 तक तिथि वृद्धि अमा. **15** उत्तराफाल्गुनी नक्षत्र पुरे दिन-रात कन्या 7:36 से	भाद्र पद शुक्ला-7 दिन 1:36 तक **22** ज्येष्ठा नक्षत्र दिन 3:35 तक धनु दिन 3:35 से	भाद्र पद शुक्ला-पूर्णिमा दिन 3:28 तक **29** उत्तराषाढ़ा नक्षत्र रात्रि 11:18 तक पक्खी पर्व मीन
शनि SATURDAY राहुकाल प्रातः 9:00 बजे से 10:30 बजे	भाद्र पद कृष्णा-3 रात्रि 8:50 तक **2** उत्तराभाद्र पद नक्षत्र दिन 12:31 तक मीन	भाद्र पद कृष्णा-10 रात्रि 07:19 तक **9** आर्द्रा नक्षत्र दिन 2:27 तक मिथुन	भाद्र पद शुक्ला-1 सवेरे 9:18 तक **16** उत्तराफाल्गुनी नक्षत्र सवेरे 7:36 तक कन्या	भाद्र पद शुक्ला-8 दिन 12:18 तक **23** मूला नक्षत्र दिन 2:56 तक धनु	अश्विन कृष्णा-1 दिन 12:22 तक **30** रेवती नक्षत्र रात्रि 9:08 तक पंचक रात्रि 9.08 तक मेष रात्रि 9:08 से

सर्वार्थ सिद्धि योग
3 ता. प्रातः 10:39 से 4 ता. प्रातः 6:22 तक
5 ता. प्रातः 9:00 से 7 ता. प्रातः 6:24 तक
10 ता. शाम 5:07 से 11 ता. प्रातः 6:25 तक
11 ता. सूर्योदय से रात्रि 8.01 तक
12 ता. प्रातः 6:26 से रात्रि 11:02 तक
17 ता. प्रातः 6:28 से प्रातः 10:02 तक
20 ता. दोपहर 2:59 से 21 ता. दोपहर 3:35 तक
24 ता. दोपहर 1:42 से 25 ता. प्रातः 6:31 तक
29 ता. रात्रि 11:18 से 30 ता. को 6:33 तक

अमृत सिद्धि योग
17 ता. प्रातः 6:26 से प्रातः 10:02 तक
20 ता. दोपहर 2.59 से 21 ता. प्रातः 6:29 तक
29 ता. रात्रि 11:18 से 30 ता. प्रातः 6:33

स्थिर योग
2 ता. रात्रि 12:31 से संपूर्ण रात्रि

राजयोग
1 ता. दोपहर 2:56 से संपूर्ण रात्रि तक
10 ता. रात्रि 9:29 से संपूर्ण रात्रि तक
17 ता. प्रातः 10:02 से संपूर्ण रात्रि तक
26 ता. प्रातः 9:42 से रात्रि 1:46 तक
29 ता. सूर्योदय से दोपहर 3:28 तक

सिद्धि योग
2 ता. रात्रि 8:50 से संपूर्ण रात्रि तक
6 ता. सूर्योदय से दोपहर 3:38 तक
12 ता. सूर्योदय से रात्रि 2:22 तक
23 ता. दोपहर 12:18 से सम्पूर्ण रात्रि तक
26 ता. रात्रि 1:46 से सम्पूर्ण रात्रि तक
28 ता. शाम 6:50 से सम्पूर्ण रात्रि तक

रवि योग
5 ता. प्रातः 9:00 से 6 ता. प्रातः 9:20 तक
18 ता. दोपहर 12:08 से 19 ता. दोपहर 1:48 तक
20 ता. दोपहर 2:59 से 21 ता. दोपहर 3:35 तक
23 ता. दोपहर 2:56 से 25 ता. रात्रि 7:55 तक
28 ता. सूर्योदय से रात्रि 1:49 तक

ज्ञान वृद्धि कराने में सहायक नक्षत्र
1 ता. सूर्योदय से दोपहर 2:56 तक
7 ता. प्रातः 10:25 से 9 ता. दोपहर 2:27 तक
10 ता. शाम 5:07 से 12 ता. रात्रि 11:02 तक
13 ता. रात्रि 2:01 से 14 ता. रात्रि 4:54 तक
16 ता. प्रातः 7:36 से 18 ता. दोपहर 12:08 तक
22 ता. दोपहर 3:35 से 24 ता. दोपहर 1:42 तक
27 ता. रात्रि 4:29 से 28 ता. रात्रि 1:43 तक

भद्रा योग
2 ता. प्रातः 10:16 से रात्रि 10:50 तक
5 ता. दोपहर 3:47 से रात्रि 3:36 तक
9 ता. प्रातः 6:21 से शाम 7:19 तक
12 ता. रात्रि 2:22 से 13 ता. शाम 3:36 तक
18 ता. रात्रि 1:15 से 19 ता. दोपहर 1:44 तक
22 ता. दोपहर 1:36 से रात्रि 1:02 तक
25 ता. शाम 6:32 से रात्रि 5:01 तक
28 ता. शाम 6:50 से अंतरात्रि 5:07 तक

मृत्यु योग (प्रारम्भ से 4 घंटा 48 मिनिट अशुभ)
7 ता. प्रातः 10:25 से संपूर्ण रात्रि तक
16 ता. प्रातः 7:36 से संपूर्ण रात्रि तक
25 ता. सूर्योदय से प्रातः 11:55 तक

जैन पर्व ✻ ता. 12 पयुषर्ण पर्व प्रा. ✻ ता. 19 संवत्सरी पर्व

त्यौहार व अवकाश ✻ ता. 2 बड़ी तीज (सातु तीज) ✻ ता. 4 ऊबछट्ठ ✻ ता. 5 राष्ट्रीय शिक्षक दिवस ✻ ता. 7 जन्माष्टमी ✻ ता. 11 बच्छबारस ✻ ता. 12 पयुषर्ण पर्व प्रा. ✻ ता. 17 वराह जयन्ती ✻ ता. 19 गणेश चतुर्थी ✻ ता. 20 ऋषि पंचमी ✻ ता. 25 रामदेव जयन्ती ✻ ता. 26 जल झूर्णी एकादशी ✻ ता. 28 बारहवफात ✻ ता. 29 श्राद्ध पर्व प्रा.

पंचक ✻ 1 ता. से 3 ता. प्रातः 10.39 तक, 26 ता. रात्रि 8.28 से 30 ता. रात्रि 9.08 तक

।। जय नानेश ।।　।। जय जिनेश ।।　।। जय ज्ञानेश ।।
उचित मूल्य पर आप को स्वच्छ एवं शुद्ध मसाला मिलेगा एक बार सेवा का मौका अवश्य देवें)
ज्ञान गुरु की कृपा भारी, खिलती बगिया सदा हमारी
यशिक ट्रेडिंग कंपनी
(सभी तरह के मसालों के थोक विक्रेता)
97 मंडी, फेंटनगंज नियर रेलवे स्टेशन जालंधर
वंदनकर्ता- संत कुमार- ज्योति, मुनीष-भाविका, अनेकांत-अनुष्का, श्रेयांश, वृष्टि मकसूदा जालंधर
संपर्क सूत्र- 93572 52385

दिन के चौघड़िये

रवि	सोम	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल	काल
चल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ
लाभ	शुभ	चल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग
अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल	काल	उद्वेग
काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल
शुभ	चल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ
रोग	लाभ	शुभ	चल	काल	उद्वेग	अमृत
उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल	काल

रात्रि के चौघड़िये

रवि	सोम	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
शुभ	चल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ
अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल	काल	उद्वेग
चल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ
रोग	लाभ	शुभ	चल	काल	उद्वेग	अमृत
काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल
लाभ	शुभ	चल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग
उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल	काल
शुभ	चल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ

✻ शुभ, लाभ, अमृत एवं चल शुभ होते है।
✻ काल, रोग, एव उद्वेग अशुभ होते है।

।। जय नानेश ।।　।। जय जिनेश ।।　।। जय ज्ञानेश ।।
साथ लेकर क्या आये, जो खोने का गम है
और साथ लेकर क्या जाओगे, जो मरने का डर है
जैन एग्रो इंडस्ट्रीज कपूरथला
जी.जे एग्रो इंडस्ट्रीज करतारपुर
8 ए, मास्टर तारासिंह नगर, जालन्धर-144001 (पंजाब) फोन : 0181-2242113 (नि.) 2242114
(ऑ.) मो. 09815960138, 09417180000 email : jainagra77@gmail.com
वंदनकर्त्ता
पृथ्वीराज, रतनलाल, अजयेश कुमार जैन एवं समस्त जैन परिवार जालंधर, पंजाब

जय जिनेश　जय नानेश　जय ज्ञानेश
ज्ञान गुरु की जहाँ महर है,
वहाँ-वहाँ पे लीला लहर है

मेहता परिवार
A-12 मित्तल टॉवर, नरिमन पॉईंट, मुम्बई
वन्दनकर्त्ता
किशोर-आशा
भविक, ओजस मेहता, मुम्बई

खुशियां हमेशा चन्दन की तरह होती है। दूसरों के माथे पर लगाओ, तो अपनी भी अंगुलिया महक जाती है।

।। जय नानेश ।। ।। श्री महावीराय नमः ।। ।। जय ज्ञानेश ।।

"णमोत्थुणं अरिहन्ताणं भगवंताणं जाव संपत्ताणं" णमो जिणाणं जिअभयाणं।
"णमोत्थुणं अरिहन्ताणं भगवंताणं जाव संपाविउकामाणं" णमो जिणाणं जिअभयाणं

श्री अरिहंतमार्गी जैन महासंघ द्वारा प्रकाशित

अरिहंत जैन कैलेण्डर

निर्णय सागर पंचांग के अनुसार

विक्रम संवत् 2080

अक्टूबर 2023 (आश्विन कृष्णा-2 से कार्तिक कृष्णा-3 तक)

वीर निर्वाण संवत् 2549

रवि SUNDAY
राहुकाल
सायं 4:30 बजे से
6:00 बजे

आश्विन कृष्णा-2 सवेरे 9:42 तक **1** मेष आश्विनी नक्षत्र रात्रि 7:18 तक	आश्विन कृष्णा-9 दिन 10:13 तक **8** कर्क पुष्य नक्षत्र रात्रि 2:54 तक	आश्विन शुक्ला-1 रात्रि 12:33 तक **15** तुला चित्रा नक्षत्र रात्रि 6:13 तक	आश्विन शुक्ला-8 रात्रि 8:00 तक आ.जवाहरलालजी म.मा. निर्वाण **22** मकर उत्तराषाढ़ा नक्षत्र रात्रि 6:44 तक	कार्तिक कृष्णा-1 रात्रि 11:53 तक **29** मेष भरणी नक्षत्र रात्रि 4:42 तक

सोम MONDAY
राहुकाल
प्रात: 7:30 बजे से
9:00 बजे

आश्विन कृष्णा-3 क्षय तिथि-4 सवेरे 7:37 तक आ.श्री ज्ञानचंद्रजी म.मा. ज.तिथि **2** वृषभ रात्रि 12:15 से भरणी नक्षत्र रात्रि 6:24 तक	आश्विन कृष्णा-10 दिन 12:37 तक **9** सिंह अन्तरात्रि 5:45 से आश्लेषा नक्षत्र अन्तरात्रि 5:45 तक	आश्विन शुक्ला-2 रात्रि 1:14 तक **16** तुला स्वाति नक्षत्र रात्रि 7:35 तक	आश्विन शुक्ला-9 शाम 5:45 तक **23** कुंभ रात्रि 4:20 से श्रवण नक्षत्र शाम 5:14 तक	कार्तिक कृष्णा-2 रात्रि 10:23 तक **30** वृषभ दिन 10:21 से कृतिका नक्षत्र रात्रि 4:01 तक

मंगल TUESDAY
राहुकाल
मध्यान्ह 3:00 बजे से
4:30 बजे

आश्विन कृष्णा-5 अन्तरात्रि 5:33 तक **3** वृषभ कृतिका नक्षत्र रात्रि 6:04 तक	आश्विन कृष्णा-11 दिन 3:09 तक **10** सिंह मघा नक्षत्र पुरे दिन-रात	आश्विन शुक्ला-3 रात्रि 1:27 तक तुला संक्रान्ति **17** वृश्चिक दिन 2:20 से विशाखा नक्षत्र रात्रि 8:31 तक	आश्विन शुक्ला-10 दिन 3:15 तक **24** कुंभ धनिष्ठा नक्षत्र दिन 3:28 तक	कार्तिक कृष्णा-3 रात्रि 9:39 तक आ.श्री नानालालजी म.मा. निर्वाण **31** वृषभ रोहिणी नक्षत्र रात्रि 3:58 तक

बुध WEDNESDAY
राहुकाल
मध्यान्ह 12:00 बजे से
1:30 बजे

आश्विन कृष्णा-6 अन्तरात्रि 5:42 तक **4** मकर रोहिणी नक्षत्र रात्रि 6:29 तक	आश्विन कृष्णा-12 शाम 5:38 तक **11** सिंह मघा नक्षत्र सवेरे 8:45 तक	आश्विन शुक्ला-4 रात्रि 1:13 तक **18** वृश्चिक अनुराधा नक्षत्र रात्रि 9:01 तक	आश्विन शुक्ला-11 दिन 12:33 तक **25** मीन अन्तरात्रि 5:58 से शतभिषा नक्षत्र दिन 1:30 तक	रोहिणी नक्षत्र 4 ता. बुधवार रात्रि 6.29 तक 31 ता. मंगलवार रात्रि 3.58 तक अभिजित नक्षत्र 22 ता. रविवार दिन 1:03 से रात्रि 8:14 तक

गुरू THURSDAY
राहुकाल
मध्यान्ह 1:30 बजे से
3:00 बजे

आश्विन कृष्णा-7 अन्तरात्रि 6:35 तक **5** मिथुन सवेरे 6:59 से मृगशिरा नक्षत्र रात्रि 7:40 तक	आश्विन कृष्णा-13 रात्रि 7:54 तक **12** कन्या रात्रि 6:17 से पूर्वाफाल्गुनी नक्षत्र दिन 11:36 तक	आश्विन शुक्ला-5 रात्रि 12:32 तक **19** धनु रात्रि 9:04 से ज्येष्ठा नक्षत्र रात्रि 9:04 तक	आश्विन शुक्ला-12 दिन 9:45 तक आ.श्री ज्ञानचंद्रजी म.मा. ज.तिथि **26** मीन पूर्वाभाद्र पद नक्षत्र दिन 11:27 तक	पुष्य नक्षत्र 8 ता. रविवार रात्रि 2.45 तक त्रिपुष्कर योग 21 ता. शाम 7.54 से रात्रि 9.54 तक

शुक्र FRIDAY
राहुकाल
मध्यान्ह 10:30 बजे से
12:00 बजे

आश्विन कृष्णा-8 पुरे दिन-रात **6** मिथुन आर्द्रा नक्षत्र रात्रि 9:32 तक	आश्विन कृष्णा-14 रात्रि 9:51 तक **13** कन्या उत्तराफाल्गुनी नक्षत्र दिन 2:11 तक	आश्विन शुक्ला-6 रात्रि 11:25 तक ओली तप प्रा. **20** धनु मूला नक्षत्र रात्रि 8:41 तक	आश्विन शुक्ला-13 क्षय तिथि-14 सवेरे 6:57 तक **27** मीन उत्तराभाद्र पद नक्षत्र सवेरे 9:25 तक	क्षय तिथि आश्विन कृष्णा 4 ता. 2 सोमवार आश्विन शुक्ला 14 ता. 27 शुक्रवार वृद्धि तिथि आश्विन कृष्णा 8 ता. 7 शनिवार

शनि SATURDAY
राहुकाल
प्रात: 9:00 बजे से
10:30 बजे

आश्विन कृष्णा-8 वृद्धि तिथि-8 सवेरे 8:01 तक **7** कर्क शाम 5:18 से पुर्नवसु नक्षत्र रात्रि 11:57 तक	आश्विन कृष्णा-अमा. रात्रि 11:25 तक पक्खी पर्व **14** तुला रात्रि 9:22 से हस्त नक्षत्र शाम 4:24 तक	आश्विन शुक्ला-7 रात्रि 9:54 तक **21** मकर रात्रि 1:31 से पूर्वाषाढ़ा नक्षत्र रात्रि 7:54 तक	आश्विन शुक्ला-पूर्णिमा रात्रि 1:54 तक आ.श्री उदयसागरजी म.मा. ज.तिथि पक्खी पर्व **28** मेष सवेरे 7:31 से रेवती नक्षत्र सवेरे 7:31 तक अश्विनी नक्षत्र अन्तरात्रि 5:55 तक	संक्रान्ति तुला संक्रान्ति ता. 17 आश्विन शुक्ल तृतीया पुष्य नक्षत्र ता. 8 रविवार रात्रि 2:45 तक चन्द्र ग्रहण 28 ता. शनिवार

जैन पर्व ता. 2 युगदृष्टा, णमोत्थुणं सिद्ध साधक, वचन सिद्ध योगी आचार्य श्री ज्ञानचंद्रजी म.सा. जन्म जयन्ती (ब्यावर सन् 1960) * ता. 20 ओली तप प्रा. * ता. 26 युगदृष्टा, णमोत्थुणं सिद्ध साधक, वचन सिद्ध योगी आचार्य श्री ज्ञानचंद्रजी म.सा. जन्म जयन्ती तिथि (वि.सं.2017) * ता. 22 ज्योतिर्धर क्रान्तदृष्टा आचार्य श्री जवाहरलाल जी म.सा. निर्वाण (भीनासर-राज.) वि.सं. 2000 * ता. 28 वादीमान मर्दक आचार्य श्री उदयसागर जी म.सा. जन्म जयन्ती जोधपुर (राज.) वि.सं. 1876 * ता. 28 शरद पूर्णिमा, ओली तप समाप्त * ता. 31 समता विभूति आचार्य श्री नानालालजी म.सा. निर्वाण (स्थान-उदयपुर) वि.सं. 2056

त्यौहार व अवकाश * ता. 2 महात्मा गाँधी व लाल बहादुर शास्त्री जन्म जयन्ती * ता. 3 दुर्गाष्टमी * ता. 4 दुर्गानवमी * ता. 5 विजय दशमी * ता. 28 शरद पूर्णिमा

पंचक * 23 ता. रात्रि 4.23 से 28 ता. प्रात: 7.31 तक

पक्खी पर्व
14 ता. शनि. आश्विन कृष्णा-अमा.
28 ता. आश्विन शुक्ला-पूर्णिमा

दाऊ दयाल 9314962474 विष्णु व्यास 9314962475
धार्मिक पुस्तकों, पंचांग, कैलेण्डर आदि
की छपाई का विश्वसनीय स्थान
तिलोक प्रिंटिंग प्रेस
एक बार मौका दीजिए अपनी गुणवत्ता प्रस्तुत करने का
मोहता चौक, बीकानेर (राज.)

दिन के चौघड़िये

रवि	सोम	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल	काल
चल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ
लाभ	शुभ	चल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग
अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल	काल	उद्वेग
काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल
शुभ	चल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ
रोग	लाभ	शुभ	चल	काल	उद्वेग	अमृत
उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल	काल

रात्रि के चौघड़िये

रवि	सोम	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
शुभ	चल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ
अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल	काल	उद्वेग
चल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ
रोग	लाभ	शुभ	चल	काल	उद्वेग	अमृत
काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल
लाभ	शुभ	चल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग
उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल	काल
शुभ	चल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ

* शुभ, लाभ, अमृत एवं चल शुभ होते है।
* काल, रोग, एव उद्वेग अशुभ होते है।

सर्वार्थ सिद्धि योग
1 ता. प्रात: 6:34 से शाम 7:28 तक
3 ता. प्रात: 6:35 से शाम 6:04 तक
6 ता. रात्रि 9:32 से 7 ता. प्रात: 6:36 तक
8 ता. प्रात: 6:37 से रात्रि 2:45 तक
18 ता. प्रात: 6:42 से रात्रि 9:01 तक
22 ता. प्रात: 6:44 से शाम 6:44 तक
23 ता. प्रात: 6:45 से शाम 5:14 तक
27 ता. प्रात: 9:25 से 28 ता. प्रात: 6:48 तक
30 ता. अंतरात्रि 4:01 से 31 ता. प्रात: 6:50 तक

अमृत सिद्धि योग
18 ता. प्रात: 6:42 से रात्रि 9:01 तक
27 ता. प्रात: 9:25 से अंतरात्रि 6:48 तक

स्थिर योग
12 ता. दोपहर 11:36 से सम्पूर्ण रात्रि
21 ता. रात्रि 9:54 से सम्पूर्ण रात्रि

राजयोग
1 ता. रात्रि 7:28 से संपूर्ण रात्रि तक
4 ता. अंतरात्रि 5:42 से संपूर्ण रात्रि तक
17 ता. रात्रि 8:31 से रात्रि 1:27 तक
29 ता. सूर्योदय से दोपहर 1:59 तक

सिद्धि योग
4 ता. अंतरात्रि 5:42 से सम्पूर्ण रात्रि तक
7 ता. प्रात: 8:09 से सम्पूर्ण रात्रि तक
11 ता. सूर्योदय से शाम 5:38 तक
17 ता. सूर्योदय से रात्रि 1:27 तक
19 ता. सूर्योदय से रात्रि 12:32 तक
20 ता. सूर्योदय से रात्रि 11:24 तक
25 ता. दोपहर 12.33 से सम्पूर्ण रात्रि तक
31 ता. सूर्योदय से रात्रि 9:31 तक

कुमार योग
3 ता. शाम 6:04 से 4 ता. शाम 6:29 तक
10 ता. सूर्योदय से संपूर्ण रात्रि तक
20 ता. सूर्योदय से रात्रि 8:41 तक

रवि योग
4 ता. शाम 6:29 से 5 ता. रात्रि 7:40 तक
17 ता. रात्रि 8:31 से 18 ता. रात्रि 9:01 तक
19 ता. रात्रि 9:04 से 20 ता. रात्रि 8:41 तक
22 ता. से 24 ता. दोपहर 3.28 तक
24 ता. शाम 6:26 से 25 ता. दोपहर 1:30 तक
27 ता. प्राप्त 9:25 से 28 ता. प्रात: 7:31 तक

मृत्यु योग (प्रारम्भ से 4 घण्टा 48 मिनिट अशुभ)
5 ता. प्रात: सूर्योदय से रात्रि 7:40 तक
14 ता. सूर्योदय से शाम 4:24 तक
24 ता. दोपहर 3:28 से संपूर्ण रात्रि तक

ज्ञान वृद्धि कराने में सहायक नक्षत्र
4 ता. शाम 6:29 से 6 ता. रात्रि 9:32 तक
7 ता. रात्रि 11:57 से 9 ता. अंतरात्रि 5:45 तक
11 ता. प्रात: 8:45 से 12 ता. प्रात: 11:36 तक
13 ता. प्रात: 2:11 से 15 ता. शाम 6:13 तक
19 ता. रात्रि 9:04 से 21 ता. रात्रि 7:54 तक
25 ता. दोपहर 1:30 से 26 ता. प्रात: 11:27 तक

भद्रा योग
1 ता. रात्रि 8:35 से 2 ता. प्रात: 7:37 तक
4 ता. अंतरात्रि 5:42 से 5 ता. शाम 6:03 तक
8 ता. रात्रि 11:24 से 9 ता. दोपहर 12:37 तक
12 ता. दोपहर 11:54 से 13 ता. प्रात: 8:55 तक
18 ता. दोपहर 1:23 से रात्रि 1:13 तक
21 ता. रात्रि 9:54 से 22 ता. प्रात: 8:59 तक
24 ता. रात्रि 1:55 से 25 ता. दोपहर 12:33 तक
27 ता. रात्रि 4:18 से 28 ता. शाम 3:04 तक
31 ता. प्रात: 9:52 से रात्रि 9:31 तक

ज्वालामुखी योग
9 ता. सूर्योदय से 12:37 तक

।। जय नानेश ।। ।। जय जिनेश ।। ।। जय ज्ञानेश ।।

वर्द्धमान इण्डस्ट्रीज
होटल राजमहल
निपुण ट्रेडर्स
पार्श्वनाथ प्लाजा
वर्द्धमान ओवरसीज प्रा. लि.
आदिनाथ प्रोटीन्स प्रा.लि.
राजनंदिनी फूड प्रोडक्ट्स प्रा. लि.
श्री पार्श्वनाथ एग्रोटेक प्रा. लि.
पोकरमल राजरानी गोयल परिवार
सुरेश गोयल-सुशीला, डॉ. नरेश गोयल-सुनीता, राजेश गोयल-सविता, परवेश गोयल-टीनू (पुत्र-पुत्रवधू)
श्रीमती चन्द्रिका गणेरीवाला-स्मृतिशेष श्री अमित गणेरीवाला (पुत्री-दामाद), नीरज-रूचि, रजत-स्वाति (पौत्र-पौत्रवधू)
शिप्रा-मिथिलेश चाचाण, अपूर्वा-सुमित सुरेका, प्रांजल-हितेश गुप्ता (पौत्री-दामाद) निपुणनरेश, गौतम एवं सिद्धार्थ (पौत्र)
अंशुल, अर्पिता, चार्विका, दिव्याची (पौत्रियां) दिव्या, नव्या (दोहित्री)
माहिरा, लविशा (पड़दोहित्री) तन्मय, प्रणव (पड़पौत्र) बीकानेर (राजस्थान)

जय जिनेश जय नानेश जय ज्ञानेश

ज्ञान गुरु की जहाँ महर है,
वहाँ-वहाँ पे लीला लहर है

मेहता परिवार
A-12 मित्तल टॉवर, नरिमन पॉईंट, मुम्बई
वन्दनकर्त्ता
किशोर-आशा
भविक, ओजस मेहता, मुम्बई

जीवन में सबसे बड़ी खुशी उस काम को करने में है, जिसे लोग कहते हैं कि तुम नहीं कर सकते हो।

।। जय नानेश ।। ।। श्री महावीराय नमः ।। ।। जय ज्ञानेश ।।

''णमोत्थुणं अरिहन्ताणं भगवंताणं जाव संपत्ताणं'' णमो जिणाणं जिअभयाणं।
''णमोत्थुणं अरिहन्ताणं भगवंताणं जाव संपाविउकामाणं'' णमो जिणाणं जिअभयाणं

श्री अरिहंतमार्गी जैन महासंघ द्वारा प्रकाशित

अरिहंत जैन कैलेण्डर

निर्णय सागर पंचांग के अनुसार

विक्रम संवत् 2080

नवम्बर 2023 (कार्तिक कृष्णा 4 से मार्ग शीर्ष कृष्णा 3 तक)

वीर निर्वाण संवत् 2549-50

श्री णमोत्थुणं ज्ञान तीर्थ
भीलवाड़ा (राजस्थान)

वार					
रवि SUNDAY राहुकाल सायं 4:30 बजे से 6:00 बजे	**तिथि वृद्धि** ता. 8 बुधवार कार्तिक कृष्णा 10 **तिथि क्षय** ता. 19 रविवार कार्तिक शुक्ला 7	कार्तिक शुक्ला–8 रात्रि 3:19 तक **5** पुष्य नक्षत्र सवेरे 10:30 तक कर्क	कार्तिक कृष्णा–14 दिन 2:45 तक पक्खी पर्व **12** स्वाति नक्षत्र रात्रि 2:52 तक तुला	कार्तिक शुक्ला–6 सवेरे 7:27 तक क्षय तिथी–7 **19** श्रवण नक्षत्र रात्रि 10:49 तक मकर	कार्तिक शुक्ला–14 दिन 3:54 तक **26** भरणी नक्षत्र दिन 2:06 तक वृषभ रात्रि 7:56 मे
सोम MONDAY राहुकाल प्रात: 7:30 बजे से 9:00 बजे	**पुष्य नक्षत्र** 5 ता. रविवार प्रात: 10.30 तक **रोहिणी नक्षत्र** 28 ता. मंगलवार दोपहर 1.32 तक	कार्तिक कृष्णा–9 अन्तरात्रि 5:51 तक **6** आश्लेषा नक्षत्र दिन 1:23 तक सिंह दिन 1:23 मे	कार्तिक कृष्णा–अमा. दिन 2:57 तक **13** विशाखा नक्षत्र रात्रि 3:23 तक वृश्चिक रात्रि 9:18 मे	कार्तिक शुक्ला–8 रात्रि 3:17 तक पंचक प्रात: 10.08 से **20** धनिष्ठा नक्षत्र रात्रि 9:26 तक कुंभ दिन 10:08 मे	कार्तिक शुक्ला–पूर्णिमा दिन 2:46 तक चौमासे पक्खी पर्व **27** कृतिका नक्षत्र दिन 1:36 तक वृषभ
मंगल TUESDAY राहुकाल मध्यान्ह 3:00 बजे से 4:30 बजे	**त्रिपुष्कर क्षत्र** 4 ता. सूर्योदय से 7.57 तक **संक्रान्ति** वृश्चिक की संक्रान्ति ता. 16 कार्तिक शुक्ला 2	कार्तिक कृष्णा–10 पुरे दिन–रात **7** मघा नक्षत्र दिन 4:24 तक सिंह	कार्तिक शुक्ला–1 दिन 2:37 तक **14** अनुराधा नक्षत्र रात्रि 3:25 तक वृश्चिक	कार्तिक शुक्ला–9 रात्रि 1:10 तक आ.श्री चौथमलजी म.सा. निर्वाण आ.श्री श्रीलालजी म.सा. आ.पद ज. **21** शतभिषा नक्षत्र रात्रि 8:02 तक कुंभ	मार्ग शीर्ष कृष्णा–1 दिन 2:06 तक आ.श्री गणेशीलालजी म.सा. दिक्षा दि. **28** रोहिणी नक्षत्र दिन 1:32 तक मिथुन रात्रि 1:41 मे
बुध WEDNESDAY राहुकाल मध्यान्ह 12:00 बजे से 1:30 बजे	कार्तिक कृष्णा–4 रात्रि 9:20 तक पंचक दोपहर 02:15 मे **1** मृगशिरा नक्षत्र रात्रि 4:37 तक मिथुन दिन 4:12 मे	कार्तिक कृष्णा–10 सवेरे 8:24 तक वृद्धि तिथी–10 **8** पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र रात्रि 7:20 तक कन्या रात्रि 2:01 मे	कार्तिक शुक्ला–2 दिन 1:48 तक **15** ज्येष्ठा नक्षत्र रात्रि 3:01 तक धनु दिन 3:01 मे	कार्तिक शुक्ला–10 रात्रि 11:05 तक **22** पूर्वाभाद्र नक्षत्र रात्रि 6:37 तक मीन दिन 12:58 मे	मार्ग शीर्ष कृष्णा–2 दिन 1:57 तक **29** मृगशिरा नक्षत्र दिन 1:59 तक मिथुन
गुरु THURSDAY राहुकाल मध्यान्ह 1:30 बजे से 3:00 बजे	कार्तिक कृष्णा–5 रात्रि 9:55 तक **2** आर्द्रा नक्षत्र अन्तररात्रि 5:57 तक मिथुन	कार्तिक कृष्णा–11 दिन 10:42 तक **9** उत्तराफाल्गुनी नक्षत्र रात्रि 9:58 तक कन्या	कार्तिक शुक्ला–3 दिन 12:35 तक वृश्चिक संक्रान्ति **16** मुला नक्षत्र रात्रि 2:17 तक धनु	कार्तिक शुक्ला–11 रात्रि 9:02 तक **23** उत्तराषाढ़ा नक्षत्र शाम 5:16 तक मीन	मार्ग शीर्ष कृष्णा–3 दिन 2:26 तक **30** आर्द्रा नक्षत्र दिन 3:02 तक मिथुन
शुक्र FRIDAY राहुकाल मध्यान्ह 10:30 बजे से 12:00 बजे	कार्तिक कृष्णा–6 रात्रि 11:08 तक **3** पुर्नवसु नक्षत्र पुरे दिन–रात कर्क रात्रि 1:24 मे	कार्तिक कृष्णा–12 दिन 12:36 तक **10** हस्त नक्षत्र रात्रि 12:08 तक कन्या	कार्तिक शुक्ला–4 दिन 11:04 तक आ.श्री जवाहरलालजी म.सा. ज.जय. **17** पूर्वाषाढ़ा नक्षत्र रात्रि 1:18 तक मकर अन्तरात्रि 7:01 मे	कार्तिक शुक्ला–12 रात्रि 7:07 तक पंचक शाम 6.01 तक **24** रेवती नक्षत्र शाम 4:01 तक मेष दिन 4:01 मे	**पक्खी पर्व** ता. 12 रविवार कार्तिक कृष्णा–14 ता. 27 सोमवार कार्तिक शुक्ला–पूर्णिमा
शनि SATURDAY राहुकाल प्रात: 9:00 बजे से 10:30 बजे	कार्तिक कृष्णा–7 रात्रि 1:00 तक **4** पुर्नवसु नक्षत्र सवेरे 7:57 तक कर्क	कार्तिक कृष्णा–13 दिन 1:58 तक **11** चित्रा नक्षत्र रात्रि 1:47 तक तुला दिन 1:02 मे	कार्तिक शुक्ला–5 सवेरे 9:11 तक **18** उत्तराषाढ़ा नक्षत्र रात्रि 12:07 तक मकर	कार्तिक शुक्ला–13 शाम 5:23 तक **25** अश्विनी नक्षत्र दिन 2:56 तक मेष	**अभिजित नक्षत्र** ता. 18 शनिवार शाम 6:25 से रात्रि 1:38 तक

सर्वार्थ सिद्धि योग
1 ता. प्रात: 6:50 से रात्रि 4:37 तक
2 ता. रात्रि 9:57 से 4 ता. प्रात: 6:52 तक
5 ता. प्रात: 6:53 से प्रात: 10:30 तक
11 ता. रात्रि 1:47 से 12 ता. प्रात: 6:58 तक
13 ता. रात्रि 3:23 से 14 ता. पात: 6:59 तक
18 ता. रात्रि 12:07 से 19 ता. प्रात: 7:03 तक
23 ता. शाम 5:16 से 25 ता. प्रात: 7:08 तक
27 ता. दोपहर 1:36 से 28 ता. प्रात: 7:10 तक
29 ता. प्रात: 7:11 से दोपहर 1:59 तक
30 ता. दोपहर 3:02 से 1 ता. शाम 4:41 तक

अमृत सिद्धि योग
24 ता. प्रात: 7:07 से शाम 4:01 तक

स्थिर योग
11 ता. रात्रि 1:47 से सम्पूर्ण रात्रि
30 ता. दोपहर 2:26 से दोपहर 3:02 तक

राजयोग
19 ता. रात्रि 10:49 से सम्पूर्ण रात्रि तक

सिद्धि योग
2 ता. सूर्योदय से रात्रि 9:53 तक
3 ता. सूर्योदय से रात्रि 11:08 तक
11 ता. दोपहर 1:58 से सम्पूर्ण रात्रि तक
15 ता. सूर्योदय से दोपहर 1:48 तक
25 ता. शाम 5:53 से सम्पूर्ण रात्रि तक
29 ता. सूर्योदय से दोपहर 1:57 तक

कुमार योग
3 ता. सूर्योदय से सम्पूर्ण रात्रि तक
22 ता. सूर्योदय से रात्रि 7:37 तक
28 ता. सूर्योदय से दोपहर 1:32 तक

रवि योग
2 ता. रात्रि 9:57 से 4 ता. प्रात: 7:57 तक
15 ता. रात्रि 3:01 से 16 ता. रात्रि 2:17 तक
17 ता. रात्रि 1:18 से 18 ता. रात्रि 12:07 तक
21 ता. रात्रि 8:02 से 23 ता. शाम 5:16 तक
25 ता. दोपहर 2:56 से 26 ता. दोपहर 2:06 तक

ज्ञान वृद्धि कराने में सहायक नक्षत्र
1 ता. सूर्योदय से 3 ता. अंतरात्रि 5:57 तक
4 ता. प्रात:7:57 से 6 ता. दोपहर 1:23 तक
9 ता. रात्रि 9:58 से 11 ता. रात्रि 1:47 तक
15 ता. रात्रि 3:01 से 17 ता. रात्रि 1:18 तक
21 ता. रात्रि 8:02 से 22 ता. रात्रि 6:37 तक
28 ता. दोपहर 1:32 से 30 ता. दोपहर 3:02 तक

भद्रा योग
3 ता. रात्रि 11:08 से 4 ता. दोपहर 5:00 तक
7 ता. शाम 7:10 से 8 ता. प्रात: 8:24 तक
11 ता. दोपहर 1:58 से रात्रि 2:26 तक
16 ता. रात्रि 11:52 से 17 ता. दोपहर 11:04 तक
19 ता. अंतरात्रि 5:22 से 20 ता. शाम 5:20 तक
23 ता. प्रात: 10:03 से रात्रि 9:02 तक
26 ता. दोपहर 3:54 से रात्रि 3:17 तक
29 ता. रात्रि 2:07 से 30 ता. दोपहर 2:26 तक

मृत्यु योग (प्रारम्भ से 4 घण्टा 48 मिनिट अशुभ)
21 ता. सूर्योदय से रात्रि 8:02 तक

जैन पर्व * ता. 12 भगवान महावीर निर्वाण उत्सव * ता. 13 गौतम प्रतिपदा * ता. 17 महान् क्रियोद्धारक ज्योतिर्धर क्रान्तदृष्टा आचार्य श्री जवाहरलालजी म.सा. जन्म जयन्ती (थादला) वि.सं. 1932 * ता. 18 ज्ञान पंचमी * ता. 21 शांत दांत निरहकारी आचार्य श्री चौथमल जी म.सा. निर्वाण, रतलाम वि.सं. 1997 * ता. 21 दुर्जय काम विजेता आचार्य श्री श्रीलालजी म.सा. आचार्य पद जयन्ती (रतलाम, म.प्र.) वि.सं. 1997 * ता. 28 साधना के प्रबलप्रेरक आचार्य श्री गणेशीलालजी म.सा. दीक्षा उदयपुर (1962)

त्यौहार व अवकाश * ता. 1 कवरा चौथ * ता. 5 अहोई अष्टमी * ता. 10 धनतेरस * ता. 11 नरक चतुर्थदशी * ता. 12 दीपावली * ता. 13 अनखुट * ता. 14 भाईदूज * ता. 17 लाभ पंचमी * ता. 23 देवउठनी एकादशी * ता. 26 चातुर्मास समाप्ति * ता. 27 गुरु नानक जय.

पंचक * 20 ता. प्रात: 10.08 से 24 ता. शाम 6.01 तक

Shard Malu : 9810308910
Indraprastha Gems
Shop No. 202, 2nd Floor, Johri Bazar,
Gali No. 61-62 Gurudwara Road, Naiwala,
Karol Bagh, Delhi-110005
Deals in :
GEMS &JEWELLERS

दिन के चौघड़िये

रवि	सोम	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल	काल
चल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ
लाभ	शुभ	चल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग
अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल	काल	उद्वेग
काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल
शुभ	चल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ
रोग	लाभ	शुभ	चल	काल	उद्वेग	अमृत
उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल	काल

रात्रि के चौघड़िये

रवि	सोम	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
शुभ	चल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ
अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल	काल	उद्वेग
चल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ
रोग	लाभ	शुभ	चल	काल	उद्वेग	अमृत
काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल
लाभ	शुभ	चल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग
उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल	काल
शुभ	चल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ

* शुभ, लाभ, अमृत एवं चल शुभ होते है।
* काल, रोग, एव उद्वेग अशुभ होते है।

Website : sgjindia.com, E-mail : sgj.delhi@gmail.com
Contact : 8588977777, 011-23254470, 23244472
श्रीMATI GEMS & JEWELS
Authentic Jewellery is your right and our commitment...
4835-36, 24 Ansari Road, Darya Ganj, New Delhi- 110002
A wide variety of Diamond, JADAU, Gold Jewellery and exclusive SILVER FURNITURE at wholesale prices.
100% buy back policy*

जय जिनेश जय नानेश जय ज्ञानेश

ज्ञान गुरु की जहाँ महर है,
वहाँ-वहाँ पे लीला लहर है

मेहता परिवार
A-12 मित्तल टॉवर, नरिमन पॉईंट, मुम्बई
वन्दनकर्त्ता
किशोर-आशा
भविक, ओजस मेहता, मुम्बई

रेस वो लोग लगाते हैं जिसे अपनी किस्मत आजमानी हो; हम तो वो खिलाड़ी है जो अपनी किस्मत के साथ खेलते हैं।

।। जय नानेश ।। ।। श्री महावीराय नमः ।। ।। जय ज्ञानेश ।।

''णमोत्थुणं अरिहन्ताणं भगवंताणं जाव संपत्ताणं'' णमो जिणाणं जिअभयाणं।
''णमोत्थुणं अरिहन्ताणं भगवंताणं जाव संपाविउकामाणं'' णमो जिणाणं जिअभयाणं

श्री अरिहंतमार्गी जैन महासंघ द्वारा प्रकाशित

अरिहंत जैन कैलेण्डर

निर्णय सागर पंचांग के अनुसार

विक्रम संवत् 2080

दिसम्बर 2023 (मार्ग शीर्ष कृष्णा 4 से पौष कृष्णा 4 तक)

वीर निर्वाण संवत् 2550

श्री णमोत्थुणं ज्ञान तीर्थ
भीलवाड़ा (राजस्थान)

संस्थान का QR कोड

रवि SUNDAY

राहुकाल
सायं 4:30 बजे से
6:00 बजे

पौष कृष्णा– 4 दिन 11:56 तक **31** सिंह मघा नक्षत्र पुरे दिन–रात	मार्ग शीर्ष कृष्णा–6 रात्रि 7:28 तक **3** सिंह रात्रि 9:36 से आश्लेषा नक्षत्र रात्रि 9.36 तक	मार्ग शीर्ष कृष्णा– 13 अन्तरात्रि 7:11 तक **10** वृश्चिक अन्तरात्रि 6:12 से स्वाति नक्षत्र दिन 11:50 तक	मार्ग शीर्ष शुक्ला– 5 शाम 5:34 तक **17** तुला दिन 3:45 से धनिष्ठा नक्षत्र रात्रि 2:55 तक	मार्ग शीर्ष शुक्ला– 13 अन्तरात्रि 5:56 तक **24** वृषभ कृतिका नक्षत्र रात्रि 9.20 तक

सोम MONDAY

राहुकाल
प्रात: 7:30 बजे से
9:00 बजे

पुष्य नक्षत्र 2 ता. शनिवार रात्रि 6.54 तक 29 ता. शुक्रवार रात्रि 3.10 तक रोहिणी नक्षत्र 25 ता. सोमवार रात्रि 9.39 तक	मार्ग शीर्ष कृष्णा– 7 रात्रि 10:00 तक **4** सिंह मघा नक्षत्र रात्रि 12:35 तक	मार्ग शीर्ष कृष्णा– 14 अन्तरात्रि 6:25 तक **11** वृश्चिक विशाखा नक्षत्र दिन 12:14 तक	मार्ग शीर्ष शुक्ला– 6 दिन 3:14 तक **18** कुंभ शतभिषा नक्षत्र रात्रि 1:23 तक	मार्ग शीर्ष शुक्ला–14 अन्तरात्रि 5:47 तक **25** वृषभ रोहिणी नक्षत्र रात्रि 9:31 तक

मंगल TUESDAY

राहुकाल
मध्यान्ह 3:00 बजे से
4:30 बजे

संक्रान्ति धनु की संक्रान्ति मार्ग शीर्ष शुक्ला 4 ता. 16 शनिवार पक्खी पर्व ता. 12 मंगल. मार्गशीर्ष कृष्णा अमा. ता. 26 मंगल. मार्गशीर्ष शुक्ला पूर्णिमा	मार्ग शीर्ष कृष्णा– 8 रात्रि 12:38 तक **5** सिंह पूर्वाफाल्गुनी नक्षत्र रात्रि 3:38 तक	मार्ग शीर्ष कृष्णा– अमा. रात्रि 5:02 तक पक्खी पर्व **12** वृश्चिक अनुराधा नक्षत्र दिन 11:57 तक	मार्ग शीर्ष शुक्ला– 7 दिन 1:07 तक **19** मीन रात्रि 6:21 से पूर्वाभाद्र पद नक्षत्र रात्रि 12:03 तक	मार्ग शीर्ष शुक्ला– पूर्णिमा अन्तरात्रि 6:03 तक पक्खी पर्व **26** मिथुन सवेरे 9:53 से मृगशिरा नक्षत्र रात्रि 10:21 तक

बुध WEDNESDAY

राहुकाल
मध्यान्ह 12:00 बजे से
1:30 बजे

तिथि क्षय ता. 22 शुक्रवार मार्ग शीर्ष – 11 तिथि वृद्धि ता. 29 शुक्रवार पौष कृष्णा – 2	मार्ग शीर्ष कृष्णा–9 रात्रि 3:05 तक **6** कन्या दिन 10:22 से उत्तराफाल्गुनी नक्षत्र अन्तरात्रि 6:29 तक	मार्ग शीर्ष शुक्ला– 1 रात्रि 3:10 तक **13** धनु रात्रि 7:05 से ज्येष्ठा नक्षत्र दिन 11:05 तक	मार्ग शीर्ष शुक्ला–8 दिन 11:15 तक **20** मीन उत्तराभाद्रपद नक्षत्र रात्रि 10:58 तक	पौष कृष्णा–1 अन्तरात्रि 6:47 तक **27** मिथुन आर्द्रा नक्षत्र रात्रि 1:29 तक

गुरू THURSDAY

राहुकाल
मध्यान्ह 1:30 बजे से
3:00 बजे

अभिजित नक्षत्र ता. 15 शुक्रवार रात्रि 12:51 से शनिवार सवेरे 7:53 तक त्रिपुष्कर योग 19 ता. को सूर्योदय से रात्रि 12:03 तक। 23 ता. रात्रि 9:19 से अन्तरात्रि 6:25 तक	मार्ग शीर्ष कृष्णा– 10 रत्रि 5:07 तक **7** कन्या हस्त नक्षत्र पुरे दिन–रात	मार्ग शीर्ष शुक्ला– 2 रात्रि 12:57 तक **14** धनु मूला नक्षत्र दिन 9:47 तक	मार्ग शीर्ष शुक्ला– 9 सवेरे 9:38 तक पंचक रात्रि 10.09 तक **21** मेष रात्रि 10:9 से रेवती नक्षत्र रात्रि 10:09 तक	पौष कृष्णा–2 पूरे दिन–रात **28** कर्क रात्रि 6:38 से पुर्नवसु नक्षत्र रात्रि 1:05 तक

शुक्र FRIDAY

राहुकाल
मध्यान्ह 10:30 बजे से
12:00 बजे

मार्ग शीर्ष कृष्णा– 4 दिन 3:32 तक **1** कर्क दिन 10:10 से पुर्नवसु नक्षत्र शाम 4:41 तक	मार्ग शीर्ष कृष्णा– 11 अन्तरात्रि 6:32 तक **8** तुला रात्रि 9:54 से हस्त नक्षत्र सवेरे 8:54 तक	मार्ग शीर्ष शुक्ला– 3 रात्रि 10:31 तक **15** मकर दिन 1:45 से पूर्वाषाढ़ा नक्षत्र सवेरे 8:11 तक उत्तराषाढ़ा अन्तरात्रि 6:25 तक	मार्ग शीर्ष शुक्ला– 10 क्षय तिथि–11 सवेरे 8:17 तक **22** मेष अश्विनी नक्षत्र रात्रि 9:36 तक	पौष कृष्णा–2 वृद्धि तिथि–2 सवेरे 8:02 तक **29** कर्क पुष्य नक्षत्र रात्रि 3:10 तक

शनि SATURDAY

राहुकाल
प्रात: 9:00 बजे से
10:30 बजे

मार्ग शीर्ष कृष्णा–5 शाम 5:15 तक **2** कर्क पुष्य नक्षत्र रात्रि 6:54 तक	मार्ग शीर्ष कृष्णा– 12 अन्तरात्रि 7:14 तक **9** तुला चित्रा नक्षत्र दिन 9:43 तक	मार्ग शीर्ष शुक्ला– 4 रात्रि 8:01 तक धनु संक्रान्ति **16** मकर श्रवण नक्षत्र रात्रि 4:37 तक	मार्ग शीर्ष शुक्ला– 12 अन्तरात्रि 6:25 तक **23** वृषभ दिन 3:18 से भरणी नक्षत्र रात्रि 9:19 तक	पौष कृष्णा–3 दिन 9:44 तक **30** सिंह रात्रि 9:42 से आश्लेषा नक्षत्र अन्तरात्रि 5:42 तक

जैन पर्व
* ता. 13 परम तपस्वी आचार्य श्री शिवलालजी म.सा. दीक्षा जयन्ती (बूंदी–राज.) वि.सं. 1891, काम विजेता आचार्यश्री श्रीलालजी म.सा. दीक्षा जयन्ती डूमला (राज.) वि.सं. 1947 * ता. 14 महान् क्रियोद्धारक ज्योर्तिधर कान्तदृष्टा आचार्य श्री जवाहरलालजी म.सा. दीक्षा जयन्ती, निमड़ी–पंचमहल वि.सं. 1948, दीर्घ तपस्वी आचार्य श्री हुक्मीचंद जी म.सा. दीक्षा ज. (बूंदी, राज.) वि.सं. 1879

त्यौहार व अवकाश
* ता. 25 क्रिसमसडे * ता. 29 गुरु गोविन्द सिंह जन्म ज.

पंचक
* 17 ता. दोपहर 3.45 से 21 ता. रात्रि 10.09 तक

सर्वार्थ सिद्धि योग
6 ता. अंतरात्रि 6:29 से 7 ता. प्रात: 7:16 तक
9 ता. प्रात: 10:43 से 10 ता. प्रात: 7:18 तक
11 ता. दोपहर 12:14 से 12 ता. प्रात: 7:20 तक
15 ता. अंतरात्रि 6:25 से 16 ता. रात्रि 4:37 तक
19 ता. रात्रि 12:03 से 20 ता. प्रात: 7:24 तक
21 ता. प्रात: 7:25 से रात्रि 10:09 तक
22 ता. प्रात: 7:26 से रात्रि 9:36 तक
25 ता. प्रात: 7:27 से 26 ता. प्रात: 7:27 तक
28 ता. प्रात: 7:28 से 29 ता. प्रात: 7:29 तक

अमृत सिद्धि योग
25 ता. रात्रि 9:39 से अंतरात्रि 7:27 तक
28 ता. रात्रि 1:05 से अंतरात्रि 7:29 तक

स्थिर योग
9 ता. अंतरात्रि 7:14 से सूर्योदय तक
23 दिसम्बर अंतरात्रि 6:25 से सूर्योदय तक

राजयोग
15 ता. प्रात: 8:11 से रात्रि 10:31 तक
29 ता. सूर्योदय से सम्पूर्ण रात्रि तक

सिद्धि योग
5 ता. सूर्योदय से रात्रि 12:38 तक
7 ता. सूर्योदय रात्रि 5:07 तक
8 ता. सूर्योदय से अंतरात्रि 6:32 तक
13 ता. रात्रि 3:10 से सम्पूर्ण रात्रि तक
16 ता. सूर्योदय से रात्रि 8:01 तक
19 ता. दोपहर 1:07 से सम्पूर्ण रात्रि
21 ता. प्रात: 9:38 से सम्पूर्ण रात्रि तक
22 ता. प्रात: 8:17 से सम्पूर्ण रात्रि तक
30 ता. प्रात: 9:44 से सम्पूर्ण रात्रि तक

कुमार योग
8 ता. सूर्योदय से प्रात: 8:54 तक
13 ता. दोपहर 11:05 से रात्रि 3:10 तक

रवि योग
2 ता. रात्रि 6:54 से 3 ता. दोपहर 1:02 तक
3 ता. रात्रि 9:36 से 4 ता. रात्रि 12:35 तक
15 ता. प्रात: 8:11 से अंतरात्रि 6:25 तक
16 ता. दोपहर 3:58 से रात्रि 4:37 तक
17 ता. रात्रि 2:55 से 18 ता. रात्रि 1:22
20 ता. रात्रि 10:58 से 22 ता. रात्रि 9:36 तक
24 ता. रात्रि 9:20 से 25 ता. रात्रि 9:39 तक

ज्ञान वृद्धि कराने में सहायक नक्षत्र
1 ता. शाम 4:41 से 3 ता. रात्रि 9:36 तक
4 ता. रात्रि 12:35 से 5 ता. रात्रि 3:38 तक
6 ता. प्रात: 7:29 से 9 ता. प्रात: 10:43 तक
13 ता. दोपहर 11:05 से 15 ता. प्रात: 8:11 तक
18 ता. रात्रि 1:22 से 19 ता. रात्रि 12:03 तक
25 ता. रात्रि 9:39 से 27 ता. रात्रि 11:29 तक
28 ता. रात्रि 1:05 से 30 ता. अंतरात्रि 5:42 तक

भद्रा योग
3 ता. रात्रि 7:28 से 4 ता. प्रात: 8:42 तक
7 ता. शाम 4:10 से रात्रि 5:07 तक
10 ता. अंतरात्रि 7:11 से 11 ता. शाम 6:53 तक
16 ता. प्रात: 9:16 से रात्रि 8:01 तक
19 ता. दोपहर 1:07 से रात्रि 12:09 तक
22 ता. शाम 7:47 से अंतरात्रि 7:12 तक
25 ता. अंतरात्रि 5:47 से 26 ता. शाम 5:52 तक
29 ता. रात्रि 8:49 से 30 ता. प्रात: 9:44 तक

ज्वालामुखी योग
13 ता. प्रात: 11:05 से रात्रि 3:10 तक

द्विपुष्कर योग
9 ता. सूर्योदय से 10:43 तक
23 ता. रात्रि 9:19 से अंतरात्रि 6:25 तक

मृत्यु योग (प्रारम्भ से 4 घण्टा 48 मिनिट अशुभ)
29 ता. रात्रि 3:10 से सम्पूर्ण रात्रि

Shard Malu : 9810308910
Indraprastha Gems
Shop No. 202, 2nd Floor, Johri Bazar,
Gali No. 61-62 Gurudwara Road,
Naiwala, Karol Bagh, Delhi-110005
Deals in : GEMS &JEWELLERS

दिन के चौघाड़िये

रवि	सोम	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल	काल
चल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ
लाभ	शुभ	चल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग
अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल	काल	उद्वेग
काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल
शुभ	चल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ
रोग	लाभ	शुभ	चल	काल	उद्वेग	अमृत
उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल	काल

रात्रि के चौघाड़िये

रवि	सोम	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
शुभ	चल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ
अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल	काल	उद्वेग
चल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ
रोग	लाभ	शुभ	चल	काल	उद्वेग	अमृत
काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल
लाभ	शुभ	चल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग
उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चल	काल
शुभ	चल	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ

* शुभ, लाभ, अमृत एवं चल शुभ होते है।
* काल, रोग, एव उद्वेग अशुभ होते है।

जय जिनेश जय नानेश जय ज्ञानेश

ज्ञान गुरु की जहाँ महर है,
वहाँ-वहाँ पे लीला लहर है

मेहता परिवार
A-12 मित्तल टॉवर, नरिमन पॉईंट, मुम्बई
वन्दनकर्त्ता
किशोर–आशा
भविक, ओजस मेहता, मुम्बई

Raj Mahal
Hotel & Resturant
(A Unit of Shri Parshavnath Agrotech Pvt. Ltd.)
Come Once, Become Always
Room
Restaurent
Key Features : • All Split A.C. Rooms • Lift Facility Available • Multi Cuisine Restaurant • A.C. Conference/ Banquat Hall • Bikaner's Center Point Locality • Cateraing Facility for spl. Occasion • Doctor on Call • Travels Assistance • Safe Deposit Lockers • 24 Hrs. Room Service • Daily Laundry Service • LCD T.V. in all rooms
Parshavnath Plaza, Near Railway Station, Rani Bazar, Bikaner-334001 (Rajasthan) Ph. : +91-151-2207351, 2207361, 2207371
e-mail : hotel.rajmahal2@gmail.com, hotel.rajmahal@rocketmail.com, Website : www.rajmahalhotel.co.in
Directors : Dr. Naresh Goyal M.9414141151 • Rajesh Goyal 9414142151 • Parvesh Goyal 9414141141

इंसान की चाहत है कि उड़ने को पर मिले और परिंदे सोचते हैं कि रहने को घर मिले।

।।जय नानेश।। ।।जय जिनेश।। ।।जय ज्ञानेश।।

आचार्य श्री नानेश : जीवन आलेख

1. आचार्य श्री नानेश का जन्म वि.सं. 1977 ज्येष्ठ शुक्ला द्वितीया को दाँता गाँव (राजस्थान) में हुआ। आपश्री की माता श्रीमती शृंगार बाई पोखरणा एवं पिता श्रीमान् मोड़ीलालजी पोखरणा थे। आपकी दीक्षा वि.सं. 1996 को कपासन में हुई। आचार्यपद वि.सं. 2019 माघ कृष्णा द्वितीया को उदयपुर में प्राप्त हुआ। 2.लगभग 60 वर्ष तक संयम साधना की कठोर मर्यादाओं में रह कर मुक्ति पथ पर कदम बढ़ाया। 3. लगभग 38 वर्ष तक आचार्यपद पर आसीन होकर हजारों किलोमीटर की पदयात्रा कर के जनसाधारण को अपने मधुर, प्रेरक एवं मर्मस्पर्शी उपदेशों से लाभान्वित किया। 4. लगभग एक लाख से अधिक बलाई जाति के व्यक्तियों को व्यसनमुक्त बनाकर मानवीय गुणों से सम्पन्न किया तथा उन्हें धर्मपाल की संज्ञा प्रदान की। 5. तनावयुक्त जीवन से मुक्ति पाने एवं आत्मशान्ति के लिए 'समीक्षण ध्यान' तथा विश्व शान्ति के लिए 'समता दर्शन' का प्रवर्त्तन किया। 6. 350 से अधिक भव्य आत्माओं को प्रव्रज्जित कर आगार से अणगार धर्म में प्रवेश दिया। आपके सान्निध्य में अनेकानेक भव्य आत्माओं ने श्रावक धर्म स्वीकार किया। 7. आचार्य श्री की प्रसिद्ध कृतियों में 'समता दर्शन और व्यवहार','समीक्षण धारा','गहरी पर्त के हस्ताक्षर','क्रोध समीक्षण','मन समीक्षण','माया समीक्षण','लोभ समीक्षण','ऐसे जीएँ','जिणधम्मो' आदि प्रमुख है। 8. कर्म प्रकृति, भगवती सूत्र, आचारांग सूत्र, अंतगडदशांग सूत्र, कल्पसूत्र आदि शास्त्रों का अनुवाद कर आगम सम्मत हृदयस्पर्शी अभिनव विवेचना प्रस्तुत की। 10. बुधवार 27 अक्टूबर, 1999 को सुबह 9.40 पर उन्हीं के अंतेवासी सुशिष्य (वर्तमान आचार्यप्रवर) श्री ज्ञानचन्द्रजी म.सा. ने विधिवत् संथारा कराया, जो रात्रि 10.40 पर पूर्ण समाधि सहित सम्पन्न हुआ। 11. आचार्य श्री नानेश का संलेखना संथारापूर्वक महाप्रयाण वि.सं. 2056 कार्तिक कृष्ण तृतीया (27 अक्टूबर, 1999 बुधवार) को उदयपुर में हुआ।

परम पूज्य आचार्यप्रवर श्री ज्ञानचन्द्रजी म.सा. (दुर्लभ व्यक्तित्व : सुलभ उपलब्ध)

जन्म - संवत् 2017, आसोज सुदी 12 रविवार 2 अक्टुबर, 1960, ब्यावर-अजमेर (राजस्थान), पिता- सुश्रावक श्रेष्ठिवर्य श्री मांगीलालजी सा. मेहता, माता- सुश्राविका वीरमाता श्रीमती सौरभकंवरजी मेहता, वंश- ओसवाल, दीक्षा- संवत् 2031, ज्येष्ठ शुक्ला पंचमी, तदनुसार रविवार 26 मई, 1974, गोगेलाव, नागौर (राज.) सहदीक्षार्थिनी- ज्येष्ठ भगिनी महासती श्री ललिताश्री जी म.सा., दीक्षा गुरु- समता विभूति आचार्यश्री नानेश, परीक्षा- जैन सिद्धांत रत्नाकर, आचार्य परीक्षा प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण, भाषा ज्ञान - संस्कृत, प्राकृत, हिन्दी, अंग्रेजी, मारवाड़ी, गुजराती, पंजाबी, मराठी आदि भाषाओं का पर्याप्त ज्ञान, अध्ययन- जैन, बौद्ध आदि छः दर्शन, गीता, पुराण, न्याय, व्याकरण, जैनागम, कर्म-सिद्धान्त आदि दर्शनशास्त्र व आधुनिक विज्ञान के गंभीर अध्येता, अद्भुत अध्यापन कौशल, प्रभावी प्रवास- राजस्थान, मध्यप्रदेश, गुजरात, महाराष्ट्र, सौराष्ट्र, दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, उत्तर प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, कर्णाटक, तमिलनाडू आदि में सघन प्रवास। करीब 46 हजार किलोमीटर की पदयात्रा की है, उपाधियों से ऊपर- स्थविर प्रमुख, संत प्रवर आदि अनेक उपाधियों को ससम्मान छोड़ दिया, अद्भूत सृजनशैली- आगम, गद्य, पद्य कविता, मुक्तक, गीत, इतिहास, उपन्यास, कहानी, संस्कृत, प्राकृत आदि अनेक विषयों एवं भाषाओं में 150 पुस्तकों का प्रणयन, विशेषता- शास्त्रों की तर्कसंगत हृदयग्राही व्याख्या, एकलव्य की भांति गुरुसेवा, प्रवचनों का गहरा प्रभाव, घर में शांति, व्यसन-मुक्ति, भव्य जागरण, युवाओं के आकर्षण केन्द्र, आगम एवं णमोत्थुणं , भक्तामर स्तोत पर अभिनव व्याख्या, प्रतिपूर्ण पौषध का महाभियान, व्यक्तित्व में चुम्बकीय आकर्षण- जो आया आपके सम्पर्क में, वह आपका हो गया। प्रकाण्ड विद्वत्ता में महान् ऋजुता, स्वाभाविक सरलता, संयम में सजगता, विचारों में विराटता, कार्य में कुशलता, देशना में दक्षता, जीवन में जागरुकता आदि कई विशेषताएँ, गुरुकृपा- गुरु ने शिष्य के लिए कहा कि, 'श्री ज्ञानमुनि जी मेरा प्राण है। मेरी छाया है, मेरे लिए सर्वेसर्वा है। इनका मुझको, चतुर्विध संघ को एवं युवाचार्य श्री को दिया गया सहयोग विलक्षण हैं, ये प्रतिभा की दृष्टि से अत्यन्त विलक्षण हैं।' जिन्हें आचार्य श्री नानेश महामुनिराज, स्थविर प्रमुख, मेरे प्राण आदि अनेकानेक विशेषणों से पुकारते थे। धन्य है ऐसे सुशिष्य को, जो गुरु के दिल में बस गये। संयमीय जागृति का महाभियान- 1 मई, 2004 को पूज्य महामुनिराज श्री ने निर्विघ्न संयमीय यात्रा के लिए आचार्य श्री रामलालजी म.सा. के साथ चल रहे साध्वोचित संबंधों से अपने आपको मुक्त कर लिया। आचार्य पद - 30 अप्रैल, 2006 वैशाख सुदी 3, रविवार अरिहंत नगर, दिल्ली में आचार्य पद की चादर प्रदान की गई, उद्घोष - गुरु ज्ञान का है संदेश, ना हो घर में कभी क्लेश। ज्ञान गुरु का है संधान, णमोत्थुणं से हो उत्थान। संघ का नाम - श्री अरिहंतमार्गी जैन महासंघ।

शुभ-अशुभ योग का फल

किसी विशेष कार्य हेतु सुनियोजित एवं निर्धारित मूहूर्त न मिलता हो तो सर्वार्थ सिद्धि, अमृत सिद्धि, रवि योग आदि शुभ योगों में अभिष्ट कार्यों का शुभारम्भ करके मनोवांछित कार्यों में सफलता प्राप्त कर सकते हैं। शुभ योगों का विवरण नीचे लिखा जा रहा है।

1. सवार्थ सिद्धि योग- यात्रा करना, अनुबन्ध करना, परीक्षा, नौकरी के लिए जाना, चुनाव आदि के लिए आवेदन करना, क्रय-विक्रय करना, मुकदमा करना, भूमि, सवारी, वस्त्र-आभूषण आदि क्रय करना इत्यादि कृत्य किये जा सकते हैं। सर्वार्थ सिद्धि योग बलवान होता है। 2. अमृत सिद्धि योग- सर्वार्थ सिद्धि योग वाले कामों के अलावा विदेश यात्रा, किसी कार्य सिद्धी हेतु सकाम अनुष्ठान करना आदि कृत्य किये जा सकते हैं तथा एक स्थान पर रहकर कोई भी कार्य प्रारम्भ करना हो तो यह योग अच्छा है। 3. रवि योग - यह योग बहुत बलवान, बहादूर होता है। अगर यह योग मिल जावे तो सबसे श्रेष्ठ मुहूर्त माना जाता है। इस योग से दिशाशूल, पीछे व बाएँ का चन्द्रमा आदि सारे दोष नष्ट हो जाते है। 4. रवि पुष्य योग - इस योग में जड़ी, बुंटी तोड़ना तथा औषध तैयार करना, किसी विशेष रोग में रोगी को औषधि देना शुभ होता है। साधना सिद्धि का प्रारम्भ भी इस योग में होता है। 5. गुरु पुष्य योग - गुरु अथवा पिता, दादा या श्रेष्ठ व्यक्ति से किसी विशिष्ट विषय के संबंध में उच्च विद्या ग्रहण करना, धन, भूमि-विद्या एवं आध्यात्मिक ज्ञान प्राप्त करना, कोई धार्मिक अनुष्ठान प्रारम्भ करना, विदेश यात्रा प्रारम्भ करना, मंत्र-साधना करना शुभ होता है। 6. राज योग- यह योग मांगलिक कार्य, धर्म कार्य, भारी अलंकार धारण व अन्य सभी कार्यों में श्रेष्ठ है। विरुद्ध योग जैसे- कर्क, वज्र, मूसल, उत्पल, काणादि अशुभ योग हो तो राजयोग भी अशुभ फल देने वाला बन जाता है। अतः इनका भी ध्यान रखा जाए। 7. कुमार योग - यह योग मैत्री, विद्या, दीक्षा व शीलव्रत आदि व्रतों का ग्रहण आदि कार्यों में शुभ है। 8. स्थिर योग - इस योग में रोगादि नष्ट होते हैं। 9. सिद्धि योग- सर्व कार्यों में शुभ है। 10. पुष्य नक्षत्र - यह नक्षत्र सभी प्रकार के नक्षत्रों में सिंह के समान माना गया है। अतः पुष्य नक्षत्र में सब प्रकार के शुभ कार्य संपन्न किये जा सकते हैं। केवल विवाह कार्य पुष्य नक्षत्र में नहीं होता। रविवार + पुष्य नक्षत्र और गुरुवार + पुष्य नक्षत्र का विशेष महत्त्व बतलाया गया है। रवि पुष्य व गुरुपुष्य में वाणिज्य कर्म एवं साधना कर्म करने को विशेष रूप में शुभ माना गया है। नोट : मृत्यु योग, वज्रमूसल योग, यममंड योग आदि में कोई भी कार्य चालू नहीं करें। ज्वालामुखी योग सबसे खराब योग होता है। इस योग में कोई बसता है तो उजड़ जाता है, यात्रा भी शुभ नहीं होती है। इस योग में कोई भी शुभ कार्य नहीं करना चाहिए।

भद्रा योग - भद्रा तीनों लोक में होती है।

विष्टी करण के समय में ऊर्ध्व लोक की भद्रा में किया गया कार्य शुभ होता है। अधोलोक की भद्रा भी ठीक होती है। धनागम करवाती है। तिरछा लोक की भद्रा में यात्रा सर्वनाश करवाती है। (जब मेष, मकर, वृष, कर्क का चन्द्रमा हो उस समय होने वाली भद्रा ऊर्ध्वलोक की मानी जाती है। जब कन्या, तुला, धनु, व मिथुन का चंद्रमा हो तब भद्रा अधोलोक की तथा जब वृश्चिक,सिंह, कुभ और मीन का चंद्रमा हो तब तिरछे (मृत्यु) लोक की मानी जाती है। सुदी पक्ष की भद्रा सर्पिणी संज्ञक है उसकी प्रारम्भ की 5 घड़ी त्याज्य है। बदी पक्ष की भद्रा वृश्चिकि संज्ञक है उसकी अंत की 3घड़ी त्याज्य है।

भद्रा की 1 से 5 घड़ी मुख में होने से कार्य हानि, छठी, घड़ी गले में मृत्यु तुल्य, 7 से 17 घड़ी छाती में निर्धनता, 18 से 21 नाभि में क्लेश करें, 22 से 27 कमर में मगज विकृति, 20 से 30 पूंछ में सर्व कार्य सिद्धि करने वाली होती है। जब भद्रा रविवार को आवे तो पुण्यवती, मंगलवार व बुधवार को कल्याणी शनिवार को भद्रा विष्टि नाम से कही जाती है।

विष्टी नाम करण प्रत्येक महीने में आठ तिथियों पर आता है। उस समय उस दिशा में शुभ कार्य नहीं करना। वह इस प्रकार है, जो संख्या तालिका में छपी है।

अभिजित नक्षत्र : यह समय बहुत शुभ होता है इस नक्षत्र में प्रारम्भ किया गया व्यापार बहुत अच्छा चलता है। वह व्यापारी वापस कभी भी पीछे नहीं देखता है। यह मुहूर्त हर कार्य में शुभ होता है।

सुदी	भाग	दिशा	बदी	भाग	दिशा
चौथ का	दूसरा	पश्चिम	3 का	दूसरा	ईशान
8 का	प्रथम	अग्नि	7 का	प्रथम	दक्षिण
11 का	दूसरा	उत्तर	10 का	दूसरा	वायव्य
15 का	प्रथम	नैऋत्य	14 का	प्रथम	पूर्व

नक्षत्रों की भिन्न-भिन्न संज्ञाएँ

चल (चल) - पुनर्वसु, स्वाति, श्रवण, धनिष्ठा, और शतभिषा, लघु (क्षिप्र) - आश्विनी, पुष्य, हरत और अभिजित, मृदु (मैत्र) - मृगशीर्ष, चित्रा, अनुराधा और रेवती, ध्रुव (स्थिर)- रोहिणी, उत्तराफाल्गुनी, उत्तराषाढ़ा और उत्तराभाद्रपदा, दारुण (तीक्ष्ण) - आर्द्रा, आश्लेषा, ज्येष्ठा और मूल, क्रूर (उग्र) - भरणी और मघा मिश्र (साधारण) - कृतिका और विशाखा

शुभ चन्द्र - जन्म राशि से पहला, तीसरा, छठा, सातवां, दसवां और ग्यारहवां उसी प्रकार शुक्ल पक्ष में पांचवा और नौवां। कृष्ण शुक्ल - उबय पक्ष में सन्मुख व दाहिना चंद्र शुभ मानना चाहिए।

अन्धादि नक्षत्रों की जानकारी

अन्ध - रोहिणी, पुष्य उत्तराफाल्गुनी, विशाखा और धनिष्ठा इन अन्ध संज्ञक नक्षत्रों में खोई हुई या अपहृत की हुई वस्तु पूर्व दिशा में गई हुई समझना और यह शीघ्र मिलती है। काण (मन्दाक्ष) - आश्विनी, मृगशीर्ष, आश्लेषा, हस्त, अनुराधा, उत्तराषाढ़ा शतभिषा इन काण- मन्दाक्ष संज्ञक नक्षत्रों में खोई हुई या अपहृत हुई वस्तु दक्षिण दिशा में गई हुई समझना और प्रयास करने से प्राप्त हो जाती है। मध्याक्ष- भरणी, आर्द्रा, चित्रा, ज्येष्ठा, अभिजित और पूर्वाभाद्रपदा इन मध्याक्ष संज्ञक नक्षत्रों में खोई हुई या अहहृत वस्तु पश्चिम दिशा में गई हुई समझना। इसमें समाचार मिलता हैं, परन्तु वस्तु नहीं मिलती। सुलोचन- कृतिका, पुनर्वसु, पूर्वाफाल्गुनी, स्वाति, मूल, श्रवण और उत्तराभाद्रपदा इन सुलोचन संज्ञक नक्षत्रों में खोई हुई या अपहृत वस्तु उत्तर दिशा में गई हुई समझना परन्तु इसमें समाचार नहीं मिलता। अधोमुखी नक्षत्र - भरणी, कृतिका, आश्लेषा, मघा। पूर्वाफाल्गुनी, विशाखा, मूल, पूर्वाषाढ़ा, पूर्वाभाद्रपदा ये अधोमुखी नक्षत्र खनन मुहूर्त के लिए शुभ माने जाते है। उर्ध्वमुखी नक्षत्र - रोहिणी, आद्रा, पुष्य, उत्तराफाल्गुनी, उत्तराषाढ़ा, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा। उत्तराभाद्रपदा- ये उर्ध्वमुखी नक्षत्र-ध्वज, अभिषेक, प्रतिष्ठादि कार्यों के लिए शुभ गिने जाते है।